

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 2] No. 2] नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 11, 1975 (पौष 21, 1896)

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 11, 1975 (PAUSA 21, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग Ш--खण्ड 1

PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

(गृह मंद्रालय) महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 नवम्बर, 1974 सं० ई० 31013(2)/15/74प्रशा०1--राष्ट्रपति, निरीक्षक ए० बी० मजूमदार को दिनांक 31प्रक्तूबर, 74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीखोगिक सुरक्षा बल, दुर्गापुर, की 11वीं बटालियन का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं। जिन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 25 नवम्बर 1974

सं० ई० 32015(1)/6/74-प्रशा०—-राष्ट्रपति, पुर्नानयुक्ति पर, ले० कर्नल के० पार्थसारथी को दिनांक 6 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिए केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल, यूनिट, भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई का कमाडेट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 दिसम्बर, 1974

सं० ई०-31013(2)/5/74-प्रशा० 1—-राष्ट्रपति, निरीक्षक णिवराज सिह को दिनांक 25 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से केंद्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, टेलीफोन उपकरण कारखाना, नैनी 406GI/74 (इलाहाबाद)का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेट नियुक्त करते है । जिन्होंने उसी दिनाक से पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० ई०-31013 (2)/5/74-प्रशा० I— राष्ट्रपति, निरीक्षक विसाद सरकार को दिनांक 23 नवस्बर, 1974 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पूर्वी क्षेत्र, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमाडेट (कनिष्ठ प्रशासन श्रिधकारी) नियुक्त करते हैं। जिन्होंने उसी दिनाक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांकः 10 दिसम्बर 1974

स० ई-31013(2)/5/74-प्रशा० I—राष्ट्रपति, निरीक्षक एम० के० घोपड़ा को दिनांक 22-11-74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल, खुफिया स्कन्ध, का स्थानापन्न रूप से पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। अनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

विनाक 13 दिसम्बर, 1974

सं० ई-31013(2)/5/74-प्रमा० I---राष्ट्रपति. ार्ग के मुरलीधरण को, श्री के बी० नहभर के स्थान पर नवस्वर, 74 के प्राराह्म में केन्द्रीय पौद्योगिन मुरक्षा कालेज, हैदराबाद गा स्थानापण रूप में उप-प्रधा

ा दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया । भान्तरित होने पर, श्री के० बी० नायर ने उसी दिनांक कर्राह्म से पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ई-31013(2)/5/74-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निरीक्षक जी० एस० नुरपुरी को बिनांक 1 विसम्बर, 74 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत यूरेनियम लि०, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं। जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय जादुगोड़ा में होगा।

सं० ई-31013(2)/5/74-प्रणा० I—राष्ट्रपति, निरीक्षक एम० एस० प्रवरोल को, श्री एस० एम० सैनी के स्थान पर, दिनांक 30 नवम्बर '74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल भारी श्रभियन्त्रण निगम, राची की 13वीं बटालियन का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं। जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। बड़ौदा को स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० एम० सैनी ने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से पद का कार्यभार छोड दिया।

सं० ई-38013(3)/15/74-प्रशा०-I—भिलाई को स्था-नान्तरित होने पर, श्री एम० एल० खुराना ने दिनांक 30 सितम्बर, 74 के श्रपराह्म से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल, दुर्गापुर, की 11वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स महानिवेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

सं० ग्रो-टू-25/69-ईस्ट०--ले० कर्नल यू० पी० सिन्हा ने पुन: नियुक्ति की श्रवधि की समाप्ति के फलस्वरूप 27 श्रवतूबर, 1974 के श्रपराह्म से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की तीसरी सिगनल बटालियन में कमान्डेंट के पद का कार्यभार छोडा।

दिनांक 3 दिसम्बर, 1974

सं० एफ० 3/1/74-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री पी० के० मैनन सहायक कमान्डेंट को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में कमान्डेंट के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2. उसने सहायक कमान्डेंट 34वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के पद का कार्यभार 16 श्रक्तूबर '74 के पूर्वाह्न छोड़ा श्रीर 21 श्रक्तूबर, 1974 के श्रपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की 53वीं बटालियन में कमान्डेंट के पद का तदर्थ रूप से कार्यभार सम्भाला।

दिनांक 6 दिसम्बर 1974

सं० 4/49/72-स्थापना—एक महीने की कार्य-मुक्ति सूचना पर श्रा सरजात । सह उप-पुलिस श्रधीक्षक (कम्पनी ग्वीं बटानियन के० रि० पु० दल की सेवायें 19-9-74 जाती हैं। सं० थ्रो० टू०-127/72-स्थापना—-ऐज़र ए० एल० टेके ने भ्राम्त्री में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 21 न्यम्बर, 1974 के श्रपराह्म से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की दूसरी सिग^{्नेन्स ब्}टालियन में सहायक कमान्डेंन्ट के पद का कार्यभार छोड़ा।

संब्ओ-ए०-1023/72-स्थापना-प्रतिनियुक्ति पर म्राई० टी० बी० पी० में नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री डी० के० शर्मा, उप-पुलिस श्रधीक्षक (कम्पनी कमांडर) 4थी बटालियन, के० रि० पु० वल की सेवायें 31-10-74 भ्रपराह्म से ग्राई० टी० बी० पी० में निस्तारण के लिये दी गई हैं।

दिनांक 7 दिसम्बर, 1974

सं० ग्रो० II--117/71-ईस्ट---राष्ट्रपति दुख के साथ यह ग्रिधिस्चित करते हैं कि दिनांक 18-11-74 की श्री पी० के० बेलायुधन, सहायक कमांडेंन्ट 42वीं बटालियन, सी० ग्रार० पी० एफ०, का देहान्त हो गया।

दिनांक दिसम्बर 1974

सं० ओ० II-976/74-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व प्रुलिस दल डाक्टर बिनोद बिहारी जेना की तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल म कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी के पद पर उनके कार्य भार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर बिनोद बिहारी जेना को 39 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्य भार दिनांक 3 श्रक्तुबर श्रपराह्न को संभाल लिया है।

दिनांक 10 दिसम्बर, 1974

सं० ओ० II 975/74-स्थापना I—सहानिदेशक केन्द्रीय रिजर्थ दुलिस दल डाक्टर संजोय कुमार रे को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस दल में किनिष्ट चिकित्सा ग्रिधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर संजोय कुमार रे को 58 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने प्रपने पद का कार्यभार दिनांक 2 प्रक्तुवर '74 से संभाल लिया है।

दिनांक दिसम्बर, 1974

सं० ओ० II-966/74-स्थापना — महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस वल डाक्टर ध्रशोक कुमार दास को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल में किनिष्ट चिकित्सा प्रधिकारी के पद पर उनके कार्य भार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर श्रशोक कुमार दास को 20 बटालियन, केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने श्रपने पद का कार्यभार दिनांक 25 सितम्बर '74 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 12 दिसम्बर 1974

सं० श्रो० II-970/74-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर मोहम्मद सार्किव को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में किनब्ट चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर मोहम्मद साकिब को 10 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने श्रपने पद का कार्यभार दिनांक 27 सितम्बर '74 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० ओ० 11 975/74-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर बामादेव मोहन्ती को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ट चिकित्सा क्षिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त क क्षे हैं।

थ्र. डाक्टर बामादेव मोहन्ती को गरूप सैन्टर, केन्द्रीय रिज में पुलि स वल, किशनगढ़ (राजस्थान) में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने प्रपने पद का कार्यभार दिनांक 28 सितम्बर '74 पूर्वाह्व से रूपमाल लिया है।

्षं० ओ० II ् 963/74—स्थापना I—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक् 'र मुलतानी राम लाम्बा को तदर्थ रूप में पहले। एक वर्ष के लिये केन्द्र, 'य रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिक गरी के पद पर जनके के, 'यंभार संभालने को तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर मुलतानी राम के ाम्बा को गरूप सैन्टर जम्मु, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल में नियुक्त रिजया जाता है। और उन्होंने अपने पद का कार्यभार विनांक 11 नवाक गरं 74 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 13 विसम्बर 197 4

सं० ओ० II-958/7 4-स्थापना—महा । निदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर श्री नाथ पुरान हो की तिवर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दक्ष में कनिष्ट पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दक्ष में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद ५ र उन्नके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर श्रीनाथ पु रानदरे को स्नारं टी० सी० I, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल बड़ना (पश्य प्रदेगा) में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने स्नपने पद का कार्यभार I देनांक 30 सितम्बर '74 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० घ्रो० टू० 16/74-स्थापना—रा ष्ट्रपति श्री बी० वर्मा जो कि उत्तर प्रदेश कैंड के भारतीय पुलिस सेवा के घ्रधिकारी है, को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में उप महा। नेरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री वर्मा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फौरी श्रीनगर में उप-महानिरीक्षक के पद का कार्यभार 26 नवम्बर. 1974 को ग्रहण किया।

> एस । एन० माथुर, सहायक निदेश (प्रशासन)

भारत के महापंजीकरण का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

सं० 25/23/74-म्रार० जी० (एडी० I) -- राष्ट्रपति, श्री पी० के० साह, भारतीय सांख्यिकी सेवा के श्रेणी IV के अधिकारी, को भारत के महापंजीकार के कार्यालय में म्रनुसंधान म्रधिकारी के पद पर, म्रगले भादेश होने तक, दिनांक 12 नवम्बर, 1974 मध्याह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री साह का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 11 विसम्बर 1974

सं० 25/2/74-श्रार० जी० (ए० डी० 1) — इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० 25/2/74-श्रार० जी० (ए० डी० I) दिनांक 15 श्रक्तुबर 1974 की श्रनुवृत्ति में राष्ट्रपति कर्णाटक के जनगणना निदेशक के कार्यालय में उप जनगणना निदेशक के पद पर श्री बी० एस० नरसिम्हा पूर्ती की तस्काल नियुक्ति को उन्हीं श्रीती पर दिनांक 28 फरवरी 1975 तक सहर्ष बहाते हैं।

सं० 25/2/74-श्रार० जी० (ए०डी० I)—हस कार्यालय की श्रिधिसूचना सं० 12/2/74-श्रार० जी० (ए०डी० I) दिनांक 19 श्रक्तूबर 1974 की श्रनुबृत्ति में राष्ट्रपति, कर्णाटक के जनगणना निदेशक के कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के पद पर श्री ग्रार० वाई० रेवाशेट्टी की, तदत् नियुक्ति को वर्तमान शतीं पर दिनांक 28-2-75 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 25/32/74-मार० जी० (ए०डी० I)----राब्द्रपित, कर्णाटक वेतन म्रायोग, बंगलौर के उप-सचिव, श्री जी० एस० कानेकल को पदेन रूप में जनगणना कार्य उप-निवेशक कर्णाटक के पव पर दिनांक 7 मक्तूबर 1974 मध्याह्म से 31 दिसम्बर 1974 सक के लिए, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बद्री नाथ, भारत के उप-महापंजीकार ग्रीर पदेन उप-सचिव

भारत सरकार टकसाल

भ्रालीपुर, कलकत्ता-53, दिनांक 1974

सं० पी० 157—भारत सरकार टकसाल, श्रलीपुर, भारतकता के स्थायी उपलेखाकार श्री श्रार० एन० नियोगी को इस टकसाल के बुलियन रिजस्ट्रार के पद पर स्थानागन रूप में वेतन नियमानुसार ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30 नवम्बर 1974 (श्रपराह्म)

से प्रागामी प्रादेश तक नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति श्री के० एस० सुक्रमनियम, स्थायी बुलियन रजिस्ट्रार को अवसर लेने के स्थान पर हुई है।

> डि॰ सी॰ मुखाजीं, टकसाल ग्रधिकर्ता

कार्यालय महानेखाकार राजस्थान एवं चण्डीगढ़ जयपुर, दिनांक 1974

सं प्रणासन-2—महालेखाकार कार्यालय राजस्थान एवं चण्डीगढ़, जयपुर के निम्न लिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके आगे दी हुई तिथियों से अप्रेतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थापना लेखाधिकारियों के रूप में नियुक्त किया जाता है:—

*	ांक नाम		तिथि जब से स्थानापन्न लेखाधिकारी किया गया
	सर्वश्री		
1.	सम्पत लाल माथुर	•	6-11-74 (अपराह्म)
2.	बिहारी लाल बर्मा		6-11-74 (श्रपराह्न)
3.	बृज बिहारी लाल स	क्सेना	6 - 11-74 (श्रपराह्न)
4.	श्यामा शरन	•	6-11-74 (ग्रपराह्न)
5.	मदन गोपाल थानवी		8-11-74 (पूर्वाह्न)
6.	कर्नी राम व्यास		8-11-74 (पूर्वाह्न)
			बलदेव राय
	;	वरिष्ठ उप	प महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार एक, मध्यप्रदेश ग्वालियर, दिनांक 4 दिसम्बर 1974 प्रारुप अधिसुचना

सं० प्रशासन एक/3135—महालेखाकार, मध्यप्रदेश-एक, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग श्रधिकारियो को उनके नाम के सम्मुख दर्शाए गए दिनांक से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक महर्ष नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री

1.	वीरेन्द्र सिंह .		28-10-74 पूर्वाह्न
2.	ऋी० जी० पाड के		28-10-74 पूर्वाह्न
3.	हरी सिंह .	,	28-10-74 पूर्वाह्म
4.	एम० एम० कुःभारे		31-10-74 पूर्वाह्न
5.	एम० एल० भ्टानी		26-11-74 पूर्वाह्न
			F2

एम०एम० नरसिंहानी, उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्यं तथा विविध

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 श्रगस्त 1974

सं० प्रशासन-1/2 (1)/IV/8539/54—महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली, श्री एस० के० घोष श्रनुभाग श्रधिकारी की दिनांक 30-7-1974 से लेकर श्रागामी ग्रादेशों तक वरिष्ठ उप महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, कलकत्ता के कार्यालय में लेखा श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नति करते हैं।

पी० एन० मालवीय, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे

गोरखपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

सं० ए० डी० एम० एन० 4-1/64—निम्नलिखित प्रधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षक सेवा के स्थाई कर्मचारी श्रीर प्रभारी लेखा परीक्षक श्रधिकारी को निम्नलिखित दिनांक से लेखा परीक्षा-धिकारी के स्थाई पद पर नियुक्त किया गया है:--

श्री पी० एन० मिश्रा . 1-12-73
 श्री के० के० सूद . 1-12-74

भ्रो० पी० गोयल, मुख्य लेखा परीक्षक

भारतीय लेखा-परीक्षा एवं लेखा-विभाग, कार्यालय, लेखा परीक्षक, दक्षिण-पूर्व रेलवे,

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1974

सं० ए०डी०एम०एन० 33-2-ए०/72/9218---दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीनस्थ रेल लेखा परीक्षा सेवा के अन्तर्गत स्थायी सदस्य श्री अमियकान्ति विषयी को 4 सितम्बर 1974 से, अन्य श्रादेश प्राप्त होने तक उक्त कार्यालय में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 21 नवम्बर 1974

सं० ए० डी० एम० एन० 33-2-ए०/72/2511—दक्षिण पूर्व रेलवे कलकत्ता के मुख्य लेखा परीक्षा कार्यालय में प्रधीनस्थ रेल लेखा परीक्षा-सेवा के एक स्थायी सदस्य श्री नरेन्द्र चन्द्र दत्त की पदोन्नित उक्त कार्यालय में 18 नवम्बर 1974 से स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रिधकारी के रूप में, कोई श्रन्य श्रादेश प्राप्त होने तक की गई है।

एच० एस० सैमुएल, मुख्य लेखा-परीक्षक

रक्षा लेखा निभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियत्नक, नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए०----बार्धक्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रिधकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेशन स्थापना को श्रन्तरित किया जाएगा:--

ऋम सं०	नाम रोस्टर स० सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को श्रन्तरण की तारीख	संगठन
1.	श्री भगवती प्रसाद (पी०/203)	स्थायी लेखा श्रधिष	ारी 28-2-75 (भ्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
2.	श्री ए० एन० खेरा (पी०/431)	स्थायी लेखा ग्रधिक	ारी 28-2-75 (ग्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्नक, मध्य कमान, मेरठ [वित्त मंत्रा- लय (रक्षा) की स्थापना निरीक्षण यूनिट में प्रति- नियुक्ति पर]।
3.	श्री दलीप सिह (पी०/584)	रथायी लेखा ग्रक्षिक	ारी 31-1-75 (ग्रपरा ह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद।
4.	श्री बीरेश्वर विस्वास (भ्रो०/80)	स्थानापन्न लेखा अधि	बकारी 31-1-75 (भ्रपरा ल)	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद।

दिनाक 5 दिसम्बर 1974

म० 68012-(4)/74-प्रशा० II—राष्ट्रपति निम्नलिखित स्थायी लेखा ग्रिधितारियो को यागामी प्रावेश पर्यन्त भारतीय रक्षा लेखा सेवा के समय मान (र० 400-400-450-480-510- द० रो०-700-40-1100-50/2-1250) में रिक्त स्थानो को भरने के लिए प्रस्थायी ग्राधार पर प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से सहर्ष पदोन्नत बरते हैं ग्रीर उन्हें सहायक रक्षा लेखा नियत्रक के रूप में पदनामित करते हैं —

नाम	- ——— ————————————————————————————————
	के रूप में
<u></u> .	नियुक्ति की तारीख
श्री श्रार० एल० नरसिम्हा	24-6-74 (पूर्वाह्न)
श्री जी० सी० चटर्जी	21-6-74 (पूर्वाह्स)

एस० के० सुन्दरम, पक्षा लेखा अपर महानियत्नक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनेन्स पैवटरिया महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स फैक्टरिया कलकत्ता-1, दिनाक 26 नवम्बर 1974

सं० 4/74-ए.म०—-वार्धक्य निवृत्ति श्रायु 58 वर्ष प्राप्त कर, डा० (श्रीमती) वी० वारेटो, ग्रस्थायी सहायक सर्जन ग्रेड-I, ग्रग्युनिशन फैक्टरो, किरकी (स्थायी) सहायक

सर्जन-II) दिनाक 30-4-74 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुई।

श्चार० एम० मुजुमदार, महानिदेशक, श्रार्डनेन्स **फैक्टरियां**

कलकत्ता-1, दिनाक 27 नवम्बर 1974

सं० 50/74-जी०—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० के० दास, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फौरमैन) दिनांक 1 श्रप्रैल, 1974 से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० म्रार० पिरुलाय, सहायक महानिदेशक, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय कोयला-खान श्रमिक कत्याण संस्था धनबाद, दिनांक दिसम्बर 1974

सं० प्र० 12(5)-एफ० ए०/74--श्री विनोद कुमार, सहायक श्रिभयंता, कोयला खान कल्याण निर्माण कल्ला, ग्रासनकोल का त्याग पत्न स्वीकृत होने पर उन्होने दिनांक 19-10-74 (श्रपराह्न) को श्रपने पद का भार छोड़ा।

> राजेक्वर प्रसाद सिन्हा, कोयला खान कल्याण श्रायुक्त, धनबाद

उद्योग तथा नागरिक भ्रापूर्ति मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग)

कार्यालय, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1974

सं० ए० 19018/156/74-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली के कार्यालय में प्रर्ध स्थायी लघु उद्योग संबर्धन अधिकारी, श्री कैलाश नाथ को, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), श्रपने उक्त कार्यालय में, तदर्थ श्राधार पर, सहायक निदेशक (ग्रेड-2) नियुक्त करते हैं।

श्री कैलाश नाथ ने सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार दिनांक 11 श्रक्तूवर 1974 के पूर्वाह्म से संभाला।

सं० ए० 19018/153/74-प्रशासन (राजपितत)— विकास ब्रायुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, तिचूर के ब्रधीन लघु उद्योग विस्तार केन्द्र, तिचूर में, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री टी० राजगोपालन को, छुट्टी पर गए श्री ई० पी० जेकब के स्थान पर, 16 सितम्बर 1974 से 2 नवम्बर 1974 तक, विस्तार केन्द्र, तिचूर में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० ए० 19018/126/74-प्रशासन (राजपित्रत)— प्रधीक्षक के पद पर प्रत्यावर्तन के पश्चात्, श्री पी० प्ररुणा- घलम ने, 9-8-1974 के प्रपराह्न से लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोवा के सहायक निदेशक (ग्रेड- \mathbf{H}) के पद का कार्यभार छोड़ा।

के० बी० नारायणन्, निदेशक (प्रशासन)

वाणज्यि मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यां लय आवेश

विषय:—सर्वेश्री केमि डाईज मैंनुफैंक्चरर्स, बम्बई-64 को जारी किए गए लाइसेस संख्या पी०/एम०/2590098/सी०/ एक्स एक्स/32/एम०/29/पी० श्राई० 1, दिनांक 11-8-69 की सीमाशुल्क निकासी प्रति को रद्द करना।

सर्वश्री केमि डाईज मैनुफैक्चरर्स, 15/27, सैनाथ लेन, जी० बी० रोड, मलद, वम्बई-64 को रेड बुक के परिणिष्ट 24 के प्रनुसार रंग मध्यस्था के श्रायात के लिए इस कार्यालय द्वारा उपर्युक्त लाईसेंस प्रदान किया गया था ।

फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाणुल्क निकासी प्रति की अनु-लिपि जारी करने के लिए इस आधार पर श्राबेदन किया है कि मूल लाइसेंस खो गया था। यह उल्लेख किया गया है कि उनको लाइसेंस पर शेष धन राणि अर्थात् 50978. 10 स्पये का उपयोग करना था। श्रापने दावे के समर्थन में सर्वश्री डाईज मैनुफैक्चरर्स, वस्बई-64 ने एक शपथपत्न दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है और निदेश देता हूं कि इसकी अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए । उपर्युक्त लाइसेंस की मूल सीमाणुल्क निकासी प्रति रह की जाती है ।

(मिसिल संख्या: एन० एस० एफ०/9/म्रो० डी० 68/ई० पी० सी०-3—से जारी किया गया)।

> श्राई० ए० रशीद, उप-मुख्यनियंत्रक, श्रायात-निर्यात, कृते संयुक्त मुख्यनियंत्रक, श्रायात-निर्यात

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 6/146/61-प्रशा० (जी०)—-राष्ट्रपति, श्री एन० सी० रस्तगी को, जो केन्द्रीय सचिवालय सेवा के बरीय श्रेणी में स्थानापन्न श्रिधकारी हैं, 26 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

> बी० डी० कुमार, मुख्य नियंद्रक, श्रायात-निर्यात

वस्त्र ग्रायुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 3 नवन्बर 1974

सं० ई० एस० टी० 1-2 (617)—वस्त्र आयुक्त अपने कार्यालय मे श्री लक्ष्मी स्वरूप सहगल को, 17 श्रक्तूबर 1974 के पूर्वाह्न से, श्रन्य श्रादेश होने तक सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (पी० श्रौर डी०) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> बि० ना० बसु, उपनिदेशक (प्रशासन)

बम्बई-20, दिनांक 11 नवम्बर 1974

सं० 3(2)/73-74/सी० एल० बी०-II—सूती वस्त्र (निर्यात नियंत्रण) श्रादेश, 1949 के खण्ड 5 के उपखण्ड (एक) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्बारा निदेश देता हूं कि बस्त्र आयुक्त की श्रिधसूचना सं० 3(2)/73-74/सी० एल० बी०-II दिनांक 18 सितम्बर 1974 में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात्:—

उक्त ग्रधिसूचना में "इस श्रधिसूचना का कार्यान्वय 1 नवस्वर 1974 से होगा" इन शब्दों, ग्रंकों श्रौर चिह्नों के स्थान पर "इस श्रधिसूचना का कार्यान्वय 1 जनवरी 1975 से होगा" यह शब्द, श्रंक श्रौर चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

> क० ए० नरसिहन, श्रीद्योगिक सलाहकार

बम्बई 20, दिनांक 25 नवम्धर 1974

सं० सी० एल० बी० 1/5/74—सूती वस्त्र (नियंत्रण) श्रादेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से में एतद्द्वारा वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना सं० सी० एल० बि० 1/5/65-ए० दिनांक 4 मार्च 1966 में निम्नलिखित श्रिति-रिक्त संणोधन करता हूं, श्रर्थात्:—

जक्त श्रधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम संख्या 10 के सामने "21 ए० श्रौर 21 बी०" इन श्रंकों, गब्द श्रौर श्रक्षरों के स्थान पर "20, 21 ए० ग्रौर 21 बी०" ये श्रंक, चिन्ह, शब्द श्रौर श्रक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

> गौरी शंकर भार्गेष, संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

बम्बई-20, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० ई० एस० टी० 1-2 (390)—बस्त्र म्रायुक्त कार्यालय बम्बई के प्रपर वस्त्र श्रायुक्त श्री इन्दु विकास दत्त ने, ग्रपनी 1-9-1974 से 1-11-1974 तक 62 दिन की पहले ग्रस्वीकृत हुई छुट्टी मंजूर होने तथा सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 1-9-1974 के पूर्वाह्न से श्रपना कार्यभार त्याग दिया।

> संजय कुमार बागची, वस्त्र श्रायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली दिनांक 28 नवम्बर 1974

सं० प्र०-1/1(1006)——महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में भ्रवर क्षेत्र अधिकारी श्री पी० एम० आर० नम्बूदरी को दिनांक 31-10-1974 के पूर्वाह्न से तथा भ्रागामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय, बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री नम्बूदरी की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णत: श्रस्थाई तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के श्रधीन होगी।

> एस० के० जोशी, उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-1, दिनांक दिसम्बर 1974

सं० ए० 17011(77)/74-प्र० 6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री बी०एन० घोष को दिनांक 19-10-74 के श्रपराह्म से श्रागामी ब्रादेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण ब्रधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

नई दिल्ली दिनांक

1974

सं० प्र०-1/1 (991) — पूर्ति तथा निपटान निवेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निवेशक (प्रशासन ग्रेड-JI) श्री एस० के० देसाई की दिनांक 9-9-1974 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में प्रधान लिपिक के पद पर श्रवनित हो गए।

एस० के० जोशी, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली दिनांक दिसम्बर 1974

सं० प्र० 15/28(430)/74—-राष्ट्रपित अधिसूचना सं० प्र० 15/28(430)/74 दिनांक 22-5-74 के अधिकमण में केन्द्रीय सिचवालय सेवा के ग्रेड-1 में स्थायी अधिकारी श्री त० बे० अनन्तनारायणन को 1 मई 1974 से 14 जुलाई 1974 तक सेवा के सलैक्शन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में निदेशक (शिकायत तथा जनसम्पर्क) के रूप में नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, इससे भ्रागे केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में स्थायी तथा सलैक्शन ग्रेड में स्थानापन्न श्रधिकारी श्री त० वे० श्रनन्तनारायणन को दिनांक 15 जुलाई 1974 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक निदेशक (शिका-यत तथा जनसम्पर्क) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 15/28(140)/74—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचि-वालय सेवा के ग्रेड- \mathbb{I} के स्थायी श्रधिकारी श्री एस० के० जोशी को दिनांक 1 दिसम्बर 1974 के पूर्वाह्न से सेवा के स्लैक्शन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति आगे केन्द्रीय सिववालय सेवा के ग्रेड-1 के स्थायी अधिकारी तथा सेवा के स्लैक्शन ग्रेड में स्थानापन्न अधिकारी श्री एस० के० जोशी को एक दिसम्बर 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगाभी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (शिकायत तथा जनसम्पर्क) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(752)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेंड-I) भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेंड-III श्री जी० रामन को दिनांक 22 नवम्बर 1974 के ग्रपराह्म से तथा ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेंड-II में उप निदेशक पूर्ति के पद पर स्थानापन रूप से तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(933)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एसद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र प्रधिकारी (प्रगित) श्री सुरेन्द्र सिंह को दिनांक 30 नवम्बर 1974 के अपराह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर स्था-नापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सुरेन्द्र सिंह की सहायक निदेशक (प्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णत: श्रस्थायी तथा उच्च न्यायालय, दिल्ली मे श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के श्रधीन होगी।

सं० प्र० 6/247(288)/60-II—-राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (इंजी०) श्री जोगेन्द्र पाल को दिनांक 3-12-1974 के पूर्वाह्म रो भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-IIIकी इंजीनियरी णाखा में सहायक निरीक्षण निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री जोगेन्द्र पाल ने दिनांक 2-12-74 के श्रपराह्न को उत्तरी निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 3-12-74 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में सहायक निरीक्षण निदेशक (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

बलवन्त सिह, उप निदेशक (प्रशासन)।

श्रम मंत्रालय, श्रम ब्युरो

शिमला दिनांक 11 जनवरी 1975

नम्बर 23/3/74 सी पी आई—नवम्बर 1974 में ओंग्रोनिक श्रमिको का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकाँक (आधार वर्ष 1960-100) अक्तूबर स्तर से चार अंक घटकर 331 (तीन सौ इक्तीस)रहा। नवम्बर 1974 माह का सूचकाँक 1974 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 402 (चार सौ दो) आता है।

के० के० भाटिया, निवेशक

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

सं० ए० 19012(64)/73-सी०ए:--श्री डी० राम, स्थायी प्रवर तकनीकी सहायक को दिनांक 2 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी खादेण होने तक भारतीय खनि विभाग में तदर्थ ग्राधार पर खनिज श्रिधकारी (सांख्यिकी) के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

ए० के० राघवाचारी, प्रवर प्रशासन श्रिधकारी **कुते** नियत्नक

भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1974 सं० 264(23/डी०)/19बी०--श्री ए० एन० तिवारी की ड्रीलर के पद पर तदर्थ नियुक्ति को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, अरुप आहण हो। तक, 30 सितम्बर, 1974 के पूर्वीक्ष से नियमित किया जाता है।

श्री ए० एन० तियारी की भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रीलर के पद पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो० 30-830-35-900 ए० के वेतनमान में 29-3-72 से की गई थी।

सं० 2222 (एस०पी०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनी की सहायक (भूविज्ञान) श्री सत्य प्रकाश को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क० के वेतनमान में ग्रस्थाई क्षमता में, अन्य ग्राहेश होने तक, 13-9-1974 के पूर्वाह्र से नियुक्त किया जाता है।

स० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक श्रिधकारी श्री ए० के० चौधरी को प्रशासनिक श्रिधकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में श्रस्थाई क्षमता में, श्रन्य श्रादेश होने तक, 8-11-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 4059 सी/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एस०पी० मुखर्जी की, रक्षा मंत्रालय के गाडियों
के निरीक्षणालय (पूर्वी क्षेत्र) में प्रशासनिक अधिकारी के
पद से परावितित होने पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में
सहायक प्रणासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण में वेतन नियमानुमार 650-30-740-35-810-द०रो०35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रु० के वेतनमान
में सदर्थ आधार पर, अन्य आदेश होने तक, 14-11-1974
(पूर्वाह्म) से पदोक्षति पर नियुक्त किया जाता है।

सी० करुणाकरन, महानिदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण निवेशक का कार्यालय,

कलकत्ता-13, दिनाक 4 दिसम्बर 1974

सं०-बी० एस० श्राई०-60/2/74-इस्टे०--- विभागीय पदोन्नित सिमिति की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग, श्री एम० एल० मुखर्जी, स्थायी कार्यान्य प्रधीक्षक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग, की नियुक्ति स्थानापन्न रूप मे श्रवर प्रशासकीय प्रधिकारी, केन्द्रीय कार्यालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग के पद पर मंशोधित वेतन मान ६०-650-30-740-35-310 ई०बी० 35-880-40-1000 ई०वी० 40-1200 में नियमित श्राधार पर, 30 नवम्बर, 1974 के श्रपराह्म मे, पुनः श्रादेश होने तक करते हैं।

डी० जी० मु**खर्जी,** वरिष्ठ प्रशासकीय **प्रधिकारी**

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-19, दिनाक 4 दिसम्बर 1974

सं० 29-12/72—स्थापना निम्नलिखित ब्यक्तियों को राष्ट्रीय एटलस सस्था मे वैज्ञानिक श्रिधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से ग्रागामी श्रादेण तक, श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं ख् या	नाम	<u> </u>	7ua	नियुक्ति की तारीख
 डा० नन्द दुलाल भ श्रीमित मिनती घो 		,		28-11-74 (पूर्वाह्न) 30-11-74
		एस०	पी०	(पूर्वाह्न) दासगुप्त, निदेशक

आकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, टिनीक 1974

सं० 3(9)/68-डी० (एस०) — केन्द्रीय महालेखाकार के कार्यालय, कलकत्ता के लेखा ग्रिधकारी श्री पी० पालित को क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व) के कार्यालय, श्राकाशवाणी, कलकत्ता में दिनांक 16-9-1974 (पूर्वाह्र)) से ग्रग्नेतर ग्रादेशों तक रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में लेखा श्रिधकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

तिलक राज सभरवाल, उप विकास श्रधिकारी (प्रशासन) **कृते म**हानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1974 स० 1/2/60-एस०-दो०—श्री वाई० जी० पी० देसाई, विष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (तदर्थ), आकाशवाणी, बम्बई निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर 30-11-74 (श्रपराह्न) से सेवा से रिटायर हो गए।

इन्द्र सैन पांधी, ग्रनुभाग श्रधिकारी **इते** महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 12-1/74-एडमित-1---इस निदेणालय की दिनाक 5 नवम्बर, 1974 की समसंख्यक ग्रिधसूचना का ग्रिधलंघन करते हुए राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी 2---406 GI/74 चत्र्यं ग्रेट ग्रधिकारी श्री हरदयाल गुष्त को 9 ग्रक्तूबर, 1974 पूर्वाह्न ते 8 नवम्बर, 1974 ग्रपराह्न तक स्वास्थ्य मेवा महा निदेशालय में ग्रनुभाग ग्रधिकारी के पद पर स्थाना-पन्न रूप मे नियुक्त किया है।

म० 35-4/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक न प्रमुख लेखा-परीक्षक कार्यालय, दक्षिण पूर्वी रेलवे कलकत्ता के लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी श्री के० मी० जाना को भारत सरकार के सीरम विज्ञानी और रासायनिक परीक्षक, कलकत्ता के कार्यालय में लेखा श्रिधिकारी के पद पर पहली नवम्बर, 1974 पूर्वीह्म से श्रागामी श्रादेशों तक नियुक्त किया है।

2. श्री बी० सी० समद्दर ने महालेखाकार पिष्विमी वंगाल, कलकत्ता के कार्यालय को परावर्तित होने पर पहली नवम्बर, 1974 की पूर्वाह्म को भारत सरकार के सीरम विज्ञानी श्रीर रासायनिक परीक्षक, कलकत्ता के कार्यालय में लेखा श्रीधकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 15-2/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने मानिसक रोग श्रस्पताल, रांची के कार्यालय श्रधीक्षक श्री बी० बी० नाग को 11 नवम्बर, 1974 श्रपराह्म से तथा श्रागामी श्रादेश जारी होने तक इसी श्रस्पताल में प्रशासन श्रिधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० 34-18/74-एडिमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमिति ए० रवा को 2 जून 1972 से सफदरजंग श्रस्पताल, नई दिल्ली में मेंट्रन के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 17-25/74-एडिमिन-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सर्वश्री पी० के० दत्ता ग्रीर श्रार० पी० हिन्नारिया को कमशः 6 दिसम्बर, 1967 श्रीर 28 श्रगस्त, 1973 से केन्द्रीय श्रीषधि मानक नियंत्रण संगठन में तकनीकी ग्रधि-कारी के पदो पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 34-20/74-एडिमन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजग ग्रस्पताल, नई दिल्ली के लेखाकार श्री खूब चन्द्र को इसी श्रस्पताल में श्री खिम्परमल भिमानी के स्थान पर उनकी छुट्टी के दौरान 4 नवम्बर, 1974 पूर्वाह्न से 11 जनवरी, 1975 तक सहायक प्रशासनिक श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया हैं।

स० 19-15/74 एडमिन 1-स्वाप्य सेवा महानिदेशक ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा श्रौर श्रनुसंधान संन्यान, पाडिचेरी के सहायक लेखा श्रधिकारी श्री एस० जार्ज को 31 श्रक्तूबर, 1974 पूर्वाह्न से और श्रागामी श्रादेशों तक उसी संस्थान में प्रशासन श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

श्री एम० जार्ज ने जवाहरसाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा ग्रौर श्रनुमंधान संस्थान, पांडिचेरी में प्रशासन ग्रिध-कारी के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप 31 श्रक्तूबर, 1974 को पूर्वाह्म में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्य-भार त्याग दिया। स० 1-4/71-ण्डमिन-1---राष्ट्रपति जी ने श्रिखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान श्रौर जन स्वास्थ्य सस्थान, कलकत्ता के श्री ए० के० श्रध्या, सहायक इजीनियर (जन स्वास्थ्य) को उसी सस्थान मे 16 श्रक्तूबर, 1974 पूर्वाह्न से श्रौर श्रागामी श्रादेणों तक सेनीटरी इजीनियर के पद पर स्थाना-पन्न रूप मे नियुक्त किया है।

श्री ए० के० श्रध्या के सनीटरी उजीनियर के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 16 श्रक्तूबर, 1974 पूर्माह्न को ग्रिखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान ग्रीर जन स्वास्थ्य सम्थान, कलकत्ता में सहायक इजीनियर (जन स्वास्थ्य) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

स० 2-9/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने ग्रिखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा एव पुनर्वाम सम्थान, बम्बई के भौतिक चिकित्सा के लेक्चरर श्री एम० जी० मौकाशी को श्री एम० एल० चेनानी के स्थान पर, जो 21 दिसम्बर, 1974 तक छुट्टी पर है, उसी सस्थान के भौतिक चिकित्सा विभाग के प्रमुख के पद पर 4 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया है।

म० 19-35/70-एडमिन-1—डा० पी० डी० मेठी ने वाराणमी हिन्दु विश्वविद्यालय मे मेडिसिनल कैमिस्टरी मे रीडर के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप 15 जुलाई 1974 श्रपराह्म मे जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिक्तिस्ता शिक्षा श्रीर श्रनुसधान संस्थान, पांडिचेरी में फार्माकालोजी के लेक्चरर के पद का क्षार्यभार त्यांग दिया।

स० 9-20 / 74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय मे प्रशासन ग्रीर सतर्कता निदेशक ने राजकुमारी ग्रमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली की क्लिनिकी ग्रनुदेशिका कुमारी टी० माइकेल का सेवा से त्याग पत्न 27 ग्रगस्त, 1974 श्रपराह्न से स्वीकार किया है।

> सूरज प्रकाश जिन्दल, उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 1974

म० 7-108/74-सी०एच०णस० 2---डा० जमाल यसेफ ने त्याग-पत्न की स्वीकृति की फलस्बरूप 14 नबम्बर, 1974 को अपराह्म में जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा णिक्षा और अनुसधान सस्थान, पाडिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

रिवन्द्र नाथ तिवारी, उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 1974

म० 34-37/73-सी०एच०एस० 1—केन्द्रीय स्वास्थ्य मेवा वे जी० डी० श्रो० प्रथम ग्रेड के ग्रधिकारी डा० टी० श्राग्य मेदीरत्ता ने श्रपने अनुरोध पर स्थानातरित होने के फलस्वरूप 21 सिनम्बर 1974 को ग्रपराह्म में केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ के ग्रधीन चिकित्साधिकारी के पद का कार्यभार त्यां दिया और उसी दिन ग्रथित्र-21 सिनम्बर, 1974 की ग्रगराह्म में केन्द्रीय सरकार स्वा-स्थ्य योजना दिल्ली के ग्रधीन उसी पद का कार्यभार सभाल लिया।

> जी ० पचापकेशन, उप-निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, (प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद एन एच-4, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

स० फा० 4-6(18)-74-प्रणा-I—श्वी एन० एल० कान्ता राव, सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग I गुन्टुर, को विपणन एव निरीक्षण निदेशालय के श्रधीन भ्रोगल, मे दिनाक 8 श्रक्त्बर, 1974 के पूर्वीह्न से श्रगले श्रादेश होने तक पूर्णतया अस्थायी श्रोर तवर्ष आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी, वर्ग-I, पदोन्नल किया जाना है।

सख्या फा॰ 3/234/66 प्रशा॰ फरी-I--श्री यू॰ डी॰ पाण्डे, सहायक विपणन ग्रिधिकारी वर्ग-I बम्बई, को विपणन एव निरीक्षण निदेशालय के श्रधीन बम्बई मे तारीख 3 श्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म मे प्रगले ब्रादेश होने तक पूर्णतया श्रस्थायी श्रीर तवर्थ आधार पर स्थानापन्न विपणन श्रधिकारी, वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

सख्या फा॰ 3/141/73-प्रणा॰ फरी-I—श्री टी॰ एम॰ करुणाकरण, सहायक विपणन श्रिधकारी, वर्ग प्रथम, एलप्पी, को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के ग्रधीन कोचीन में दिनाक 30 सितम्बर, 1974, के श्रपराह्म से श्रगले श्रादेश होने तक सब्धं आधार पर, स्थानापन्न विपणन श्रिधकारी, वर्ग प्रथम नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव, वृषि विषणन सलाहकार

(सामुदायिक विकास तथा सहकारिता विभाग) विपणन ग्रौर निरीक्षण निदेशालय (प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपूर, दिनाक दिसम्बर 1974

स० फाँ० 5/11/69-वि० II---भारत के राजपत्न दिनाक 31-8-1963 मे प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क श्रिधसूचना स० 1421 के लिए मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित श्रिधकारी को इस श्रिधसूचना के जारी किए जाने की तारीख से 3 माह के लिए श्रखरोट गिरी श्रौर साबुत या दोनों के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण

स्रोद्भिचिह्नन) स्रधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के स्रधीन सूत्रीकृत एवं समय समय पर संशोधित साबुत स्रोर श्रखरोट गिरी श्रेणीकरण स्रौर चिह्नन नियम 1963 के उपयन्धों के स्रनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

नाम श्रीबी०बी० सरकार

पद
सहायक विपणन अधिकारी
(एन 0 के० मुरॉलीधर राव)
कृषि विपणन सलाहकार
भारत सरकार

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध)

नर्ह दिल्ली, दिनाक नवम्बर, 1974

सं० क-19012/518/74-प्रणा-5—केन्द्रीय जल भ्रौर विद्युत भ्रायोग के अध्यक्ष एतत् द्वारा केन्द्रीय जल भ्रौर विद्युत भ्रायोग में श्री कुमार श्रम्बवानी पर्यवेक्षक, को स्थानापन्न रूप में पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ भ्राधार पर श्रतिरिक्त सहायक निदेशक नियुक्त करते हैं। वे दूसरे भ्रावेशो तक भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में तदर्थ भ्राधार पर दिनांक 14-11-74 (पूर्वाह्र) से रुपए 650-30-740-35-810-दं० रो०-35-880-40-1000-दं० रो०-40-1200 के वेतनमान में भ्रपना वेतन लेने के भ्रधिकारी होंगे।

श्री कुमार ग्रम्बवानी ने श्रतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्यभार उपरोक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत ग्रायोग (जल स्कंध) में सम्भाल लिया है।

> के० पी० बी० मेनन अवर सचिव

नई दिल्ली -22, दिनांक नवम्बर 1974

संख्या क-32014/7/74-प्रशासन-5--इस आयोग की श्रिधिसूचना सं० क-12017/1/7/प्रशासन-5 (खंड 2) दिनांक 12
जुलाई, 1974 के कम में श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत श्रायोग
एतद्वारा निम्निखिति श्रनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और
विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक श्रनुसंधान श्रिष्ठकारी
(इंजीनियरी) के पदकम में 650-30-740-35-810-द०
रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के
बेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से श्रागामी
31-12-1974 तक की श्रवधि के लिए श्रथवा जब तक इन पदों को
नियमित रूप से भरा जाएगा, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः श्रस्थायी
तथा तवर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :--

1.	श्री एच० सी० गणेशराव	1-10-74 से	31-12-74
2.	श्री चौ० भुजंग राव	1-10-74 से	31-12-74
3.	श्री के० ए० इस्माइल	1-10-74 से	31-12-74
4.	श्रीवी० के० बालकृष्ण	1-10-74 से	31-12-74
5.	श्री डी० एम० खम्बेटे	1-10-74 से	31-12-74
6.	श्री ए० जी० फपंलकर	1-10-74 स	31-12-74

सं० क-32014/7/74-पणा०5—इस श्रायोग की श्रधि-सूचना मं० क-32014/7/74-प्रणा० 5, दिनांक 4-10-1974

के कम में ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत ग्रायोग ग्रपने प्रसाद से निम्निलिखित ग्रनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत ग्रमुसंधानशाला, पूना में सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (इंजीनियरी) क ग्रेड में स्थानापन्न रूप में ठ० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से ग्रागामी 31-12-74 तक की ग्रवधि के लिए ग्रथवा जिस समय तक येपद नयमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो, पूर्णत. ग्रस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं:—

श्री बी० रामनाथन
 श्री श्राई० जेड० पूनावाला
 श्री श्राई० जेड० पूनावाला
 श्री श्राई० जेड० पूनावाला

3. श्रीमती वालसाला कुमारी 28-11-74 से 31-12-74

श्री ए० जी० काले
 28-11-74 से 31-12-74

दिनांक 6 दिसम्बर, 1974

सं० क-12017/1/72 प्रणा०-5 (खण्ड-2)—एस ग्रायोग की ग्रिधसूचना स० क० 12017/1/72-प्रणा० 5 (खण्ड-2) (1), दिनांक 17 अक्टूबर, 1974, के त्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत ग्रायोग एतद् द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत ग्रायोग एतद् द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत ग्रानुसंधानणाला, पूना मे सहायक भ्रानुसंधान ग्रिधकारी (वैज्ञानिक-रसायनिक ग्रुप) के ग्रेड में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000---द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दिए गए ग्रवधि के लिए ग्रथवा जिस ममय तक ये पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो, पूर्णत. ग्रस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एम० भौमिक 1-10-74 से 31-12-74
 श्री एम० पी० नम्बूड़ी 1-10-74 से 31-12-74
 श्री एस० ए० बाशा 110-74 से 31-12-74

सं० क-12017/1/72-प्रशा०-5(खण्ड 2)--इस धायोग की ध्रिधसूचना सं० क०12017/1/72प्रशा-5(खण्ड2)(2) दिनांक 17-10-74 के कम में ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रौर वियुत ग्रायोग एतद् द्वारा निम्नलिखित श्रनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिक) के ग्रेड में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दिए गए श्रवधि के लिये जिस समय तक ये पद नियमित रूप से भरे जाए जो भी पहले हो, पूर्णत: श्रस्थायी श्रौर तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं:--

श्री डी० डी० सोनी
 1-10-74 से 31-12-74
 श्री रनजीस दत्ता
 1-10-74 से 31-12-74

कें० पीं० मेनन, ग्रवर सचिव कृते ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युम ग्रायोग

सलाल जल विद्युत् परियोजना

दिनांक 27 नवम्बर 1974

सं० सीएमपी/पीएफ (एस एल एल) / 74/20343—श्री शाम लाल लंगर को सलाल जल विद्युत् परियोजना, जम्मू श्रौर कश्मीर में सहायक श्रभियंता के रूप में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर स्थानापन्न क्षमता में तदर्थ रूप में 18 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्न से छ माम की श्रविध के लिए नियुक्त किया जाता है।

> एम० गोपाल राव, मुख्य श्रभियन्ता, सलाल जल विद्युत् परियोजना ज्योतिपुरम रियासी, जे एण्ड के०

पुर्वोत्तर सीमा रेलवे महाप्रबन्धक का कार्यालय (कामिक शाखा)

पाण्डू, दिनाँक नवम्बर 1974

सं० 1. ई० 1283/III/129 पी III(0)---श्री स्रार० बरूआ, उपभण्डारी (तृतीय श्रेणी) को दिनाक 16-9-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा मे सहायक भण्डार-नियंत्रक के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्यं करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

सं०2 ई० 1283/III/129 पी III(0)-श्री पी० सी० गोप, उपभण्डारी (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 2-10-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक भण्डार-नियंद्यक के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० म्रार० रेड्डी, महा प्रबन्धक

आयकर आयुक्त का कार्यालय

एरणाकुलम, दिनोक 26 ग्रगस्त 1974 आय**कर**

ष्ट्रादेण सं० 2/74-75—श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की 124वी धारा की उपधारा (1) धौर (2) के अनुसार, मुझे प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए धौर इस कार्यालय के श्रादेश सं० 1/73-74 [सी० सं० 1(9)(बी)जी एल/73-74 दिनांक 12-7-73] के आशिक संशोधन के श्रनुसार, केरल-2, का श्रायकर आयुक्त, मैं, निदेश देता हूं कि 20-8-74 से उपर्युक्त अधिसूचना (दिनांक 12-7-73) के श्रनुसूची में निम्नलिखित प्रवृष्टियां भर दी जाएं :——

पद सं० 4, ट्रिच्चूर, कोलम 3, पूष्ठ-3, के नीचे पद 4 के रूप में "ग्रायकर ग्रिधकारी, एफ-वार्ड" जोड़िए।

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124(2) के अधीन आवेश

आदेण सं० 3/74-75--- श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (2) के श्रनुसार मुझे प्रदत्त ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-2, का ग्रायकर श्रायकत,

मै, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के सी० सं० 1(9) बी/जी एंमूर्स् 73-74, दिनांक 12-7-73 (प्रादेश सं० 2/73-74) के प्रादेश में दी गई ग्रन्सुची के कोलम 1 ग्रीर 2 में श्रायकर मण्डल ट्रिच्यूर, के नीचे निम्नलिखित प्रवृद्धियां भर दी जाएं। यह ग्रादेश 20-8-74 से प्रवृत्त होगा। कोलम मं० (1) में श्रायकर श्रिधकारी ई-वार्ड, ट्रिच्यूर के बाद "ग्रायकर श्रिधकारी, एफ-वार्ड, ट्रिच्यूर" जोड़िए। कोलम सं० 2, में, ग्रायकर ग्रिधकारी एफ-वार्ड के सामने "अपर कोलम 2 में बताया गया कार्यभार" जोड़िए।

दिनांक 9 सितम्बर 1974

आयकर

श्रादेण स० 6/74-75—-ग्रायक'र श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 124वी धारा की उपधारा (1) श्रौर (2) के अनुसार, मुझे प्रदत्त श्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-2 का श्रायकर श्रायुक्त, मैं, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के श्रादेश सं० 1/73-74 [सी० सं० 1(9)(बी) जी एल 1/73-74 दिनांक 12-7-73] में दी गई श्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह श्रादेश 16-9-74 के पूर्वाह्र से प्रवृत्त होगा।

- (1) क्रम स० 1. कोलम 3, पद सं० 4, में "श्रायकर श्रधिकारी, वसूली" के स्थान पर "श्रायकर श्रधिकारी, डी-वार्ड" जोड़िए।
- (2) कम सं० 7, कोलम 3, पद सं० 3 में ''श्रायकर ग्रधिकारी, वसूली'' के स्थान पर ''आयकर ग्रधिकारी, सी-वार्ड'' जोड़िए ।

आयकर अधिनियम, 1961की धारा 124(2) के अधीन आदेश

ग्रादेश सं० 8/74-75 श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 124वी धारा की उपधारा (2) के श्रनुसार मुझे प्रदत्त श्रिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-2 का ग्रायकर श्रायुक्त, मैं, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के श्रादेश सं० 2/73-74 [सी० सं० 1(9)(बी)/जी एल/73-74 दिनांक 12-7-73] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह श्रादेश 16-9-74 से प्रवृत्त होगा।

निम्नलिखित मण्डलों के सभी श्रायकर श्रधिकारी उक्त श्रादेश की श्रनुसूची के कोलम (2) श्रौर (3) में निर्दिष्ट कार्यों का पालन करेंगे :—

- (1) श्रायकर मण्डल, कण्णूर ।
- (2) आयकर मण्डल, ट्रिच्चूर ।
- (3) ग्रायकर मण्डल, मट्टान्चेरी ।
- (4) भ्रायकर मण्डल, कोट्टयम् ।

पी० एस० सुद्रमण्यन, आयकर आयुक्त, केरल-2, एरणाकुलम एरणाकुलम, दिनाक 9 सितम्बर 1974

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124(2) के अधीन आवेश

श्रादेश स० 7/74-75—-श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 124वी धारा की उपधारा (2) के श्रनुसार मुझे प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1, का श्रायकर श्रायक्त, मैं, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय की श्रादेश स० 2/73-74 [सी० स० 1(9)(बी)/जी एल/73-74, विनाक 12-7-73] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेगे। यह श्रादेश 16-9-74 से प्रयुक्त होगा।

निम्नलिखित मण्डलो के सभी ग्रायकर अधिकारी उक्त श्रादेश की ग्रनुसूची के कोलम (2) श्रौर (3) में निर्दिष्ट सभी कायो का पालन करेंगे .—

- श्रायकर मण्डल, एरणाकुलम।
- 2 स्रायकर मण्डल, स्रालप्पी।
- 3. श्रायकर मण्डल, कोल्लम ।

एस० टी० तिरुमलाचारी, आयकर श्रायुक्त, केरल-1, कोच्चीन-16 पटना, दिनांक 14 नवम्बर 1974

शुद्धि-पत्र

स० श्राई०टी० XIII-1/64-65—दस कार्यालय के श्राधसूचना स०श्राई०टी० XIII-1/74-75/43133—253 दिनाक 3 सितम्बर, 1974 मे श्रायकर ग्रधिकारी, वार्ड सी, ग्रायकर परिमण्ल-III, पटना के सम्मख मद (1) के अन्तर्वस्तु को निम्नलिखित रूप मे पढ़ा जायगाः—

(1) ग्रायकर श्रिष्ठिकारी, वार्ड-ए तथा बी, श्रायकर परिमंडल III, पटना तथा वार्ड-बी, विणेष परिमडल II, पटना को सौंपे गए मामले को छोड़कर राजस्व जिला पटना के सभी व्यक्ति या व्यक्तिवर्ग जिनका निर्धारण वर्ष 1974-75 से सम्बन्धित तथा निर्धारण वर्ष 1974-75 तक के लिए सभी निर्धारण ग्रब तक नहीं किया गया है।

> जगदीश चन्द, श्रायकर श्रायुक्त, बिहार-1, पटना

नई दिल्ली, दिनाक 16 जुलाई 1974

विषय: स्थापना---राजपन्नित--तैनाती एव स्थानान्तरण--

ग्रादेश स० 30/रा०ग्र०/1974-75—श्री एन० सी० गुप्ता, निरीक्षक की पदोन्नति ग्रायकर ग्रिधिकारी, श्रेणी II के कार्यकारी पद पर ग्रामें ग्रादेश मिलने तक क० 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उसके भार ग्रहण की तिथि से की जाती है।

उसकी (श्री एन० सी० गुप्ता की) पदोन्नति 25-8-73 से मानी जाएगी, तथा उसकी विरष्ठता श्री श्रार० एल० बाली से ऊपर तथा श्री जगदेव सिंह से नीचे नियत की जाएगी जो 25-8-73 से श्रायकर श्रिधकारी नियुक्त किए गए थे।

यह स्पष्ट किया जाता है कि श्री एन० सी० गुप्ता पदोन्नति तथा वरिष्ठता की मानी जाने वाली तिथि के परिणामस्वरूप श्रायकर श्रिधकारी के पद-ग्रहण की तिथि से पहले किसी भी वित्तीय-सुविधा के ग्राह्म नहीं होगे ।

श्री एन० सी० गुप्ता नोट करे, यदि किसी भी समय यह पाया गया कि उपलब्ध रिक्तियो से पदोन्नति श्रधिक है तो रिक्तियो के पुन. विचार के पश्चात् उनका परावर्तन कर दिया जाएगा ।

इस पदोन्नति के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनातियां तथा स्थानान्तरणो का भी तस्कालिक ग्रादेश दिया जाता है :—					
स० सं० श्रधिकारी का नाम	 से	को	विचार कैंफियत		
— - — सर्वेश्री					
1. एन० सी० गुप्ता	नव-नियुक्त श्रायकर श्रधिकारी	जन-सम्पर्क श्रधिकारी तथा सुरक्षा- श्रधिकारी	श्री डी० म्रारं० कपूर के स्थान पर स्थानान्तरित ।		
2. डी० भ्रार० कपूर	जन-सम्पर्क ग्रधिकारी तथा सुरक्षा- ग्रधिकारी	ग्रायकर श्रधिकारी, डि॰ 10(8)	श्री ग्रार० ए० सिंह के स्थान पर स्थानान्तरित ।		
3. श्रार० ए० सिह	भ्रायकर म्रधिकारी डि० 10(8)	म्रायकर म्रधिकारी, डि० 8 (11)	श्री एम० एम० टंडन के स्थान पर स्थानान्तरित ।		
4. एम० एम० टंडन	ग्रायकर ग्रधिकारी, डि० 8 (11)	म्रायकर म्रधिकारी, डि॰ 9(1) तथा 10(9)	श्री ए० एल० गर्ग के स्थान पर स्थानान्तरित ।		
5. ए०एल०गर्ग	ग्रायकर श्रधिकारी, 10(1) तथा 10(9)	भ्रायकर श्रधिकारी (न्यायिक-III)	नवर्निमित प्रभार ।		
6. बी० ग्रार० गुप्ना	ग्रायकर ग्रिधिकारी केन्द्रीय वृत	ग्रायकर भ्रधिकारी, डि० 5 (10) तथा 5 (2)	श्री टी० सी० खुल्लर के स्थान पर स्थानान्तरित ।		
7. टी० सी० खुल्लर	ग्रायकर श्रधिकारी डि० 5 (10) तथा 5 (2)	ग्रायकर ग्रधिकारी स्पैशल वृत-6, डि० 5(1) तथा 5(18)	श्री राजेशर त्यागी के स्थान पर स्थानान्तरित ।		
8. राजेण्वर त्यागी	भ्रायकर म्रधिकारी, स्पैशल वृत- 6 डि० 5(1) तथा 5(18)	स्रायकर म्रधिकारी स्पैशल वृत-2 (म्रतिरिक्त)	श्री हरियांकर श्रायकर श्रधिकारी कम्पनी वृत-4 को श्रतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए ।		
9. कु० सुनीता गादा	ग्रायकर स्रिकारी रेज-2	श्रायकर ग्रधिकारी, दूसरा ग्रतिरिक्त वेतन वृत	श्री एल० श्रीनिवासन, श्रायकर ग्रिधकारी, श्रतिरिक्त वेतन वृत को श्रतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए ।		
10. क्रुं० पामेला भल्ला	श्रायकर श्रधिकारी रेंन्ज-2	ঙি০ 3(12)	श्री गुरचरन सिंह, ग्रायकर ग्रधि- कारी डि० 3(14) को उनके ग्रतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए ।		

श्री सी० एल० सोनी, श्रायकर श्रधिकारी 7(4) नई दिल्ली को श्रगले श्रादेश होने तक श्राण दिनांक 16 जुलाई 1974 से कु० मंजु श्रम्रवाल, आयकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक 1(2), 1(2) अतिरिक्त तथा रिफन्ड (प्रतिदाय) वृत के श्रतिरिक्त प्रभार को भारमुक्त करते हुए डिस्ट्रिक्ट 9(1) के श्रतिरिक्त प्रभार का श्रायकर श्रधिकारी नियुक्त किया जाता है।

श्रीमती ग्रार० राजगोपाल, प्रायकर ग्रिधकारी डिस्ट्रिक्ट 3(20), 3(21) तथा 3(23) को कुमारी विजय लक्ष्मी देशपांडे के स्थानान्तरण तथा बोर्ड (मंडल) के श्रादेश स० फ़० नं० 15/3/7 4-ए० डी०-VI, दिनांक 19-6-74 की शर्तों के श्रनुसार सहायक निदेशक, निरीक्षण (गवेषणा सांख्यिकी तथा प्रकाशन) की नियुक्ति के रथान पर, ग्रितिरक्त प्रभार रपैशल वृत (मर्केल) 8(श्रितिरिक्त) तथा न्यास (द्रस्ट) वृत का श्रायकर श्रिधकारी नियुक्त किया जाता है ।

दिनांक 5 ग्रगस्त 1974

विषय: स्थापना--राजपितत--सहायक श्रायुक्तो की तैनाती एवं स्थानान्तरण---

न्नादेश सं० 35/रा० श्र०/1974-75—दिनाक 5-8-74 से दिल्ली के श्रायकर श्रायुक्तों के प्रभारों के पूनर्गठन के परिणामस्वरूप निम्न-लिखित निरीक्षीय सहायक ग्रायुक्तो को एतद्द्वारा निम्न रूप मे पुनः पदनामित किया गया है :---

सं ० नं ०	श्रधिकारी का नाम				वर्तमान पदनाम	नया पदनाम
- 1. थी	वी०पी० ग्रग्रवाल			•	निरीक्षीय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली रेन्ज-III (3)	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-I(ग्र)
2 श्री	एस० एन० शिन्दे		•	•	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-VII (7)	निरीक्षीय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-I(ब)
3. श्री	एच० एल० सूद		•	•	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज- IV (4)	निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-II (ग्र)
4. श्री	जोध मिह .	•	•	•	निरीक्षीय महायक भ्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज- $\mathbf{I}\mathbf{X}ig(m{9}ig)$	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-II(ब) तथा संपदा-शुल्क, नई दिल्ली ।
5. श्री	प्च० एस० सेठी	-			निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-V (5)	निरीक्षीय सहायक म्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-III(ग्र)
6. श्री	प्रो० एन० मेहरोत्रा			•	निरीक्षीय सहायक म्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-VIII (8)	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-III(ब)
7. श्री	'एल ० भ्रार० व्यास	•		•	निरीक्षीय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली रेन्ज- ${ m VI}(6)$	निरीक्षीय सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-VI(भ्र)
8. श्री	एम० एम ० प्रसाद		•	•	निरीक्षीय सहायक घायकर घायुक्त, दिल्ली, रेन्ज- $\Pi(2)$	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-IV(ब)
9. श्री	ग्म० सी० जोशी	•		٠	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज- $\mathbf{X}\mathbf{I}ig(11ig)$	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक् _{त,} दिल्ली, रेन्ज-IV(स)
10 श्री	जवाहर सिंह	•	•		निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-I(1)	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-V(ग्र)
11. श्री	मतीपी० महाजन	•			निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज $\mathbf{X}(10)$	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली रेन्ज-V(ब)
12. श्री	एम० वाई० एम० के० मेन	न			निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज: संपदा-शुल्क	निरीक्षीय सहायक म्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली, रेन्ज-V(स)

श्रवतार सिह, श्रायकर भागुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

धन-कर आयुक्त का कार्यालय

एरणाक्लम, दिनाँक 26 अगस्त 1974

धन-कर अधिनियम, 1957 को धारा 8(अ) के अधीन आदेश

ब्रादेश सं० 4/74-75---धन-कर श्रिधनियम, 1957 की धारा 8(ग्र) के अन्सार मुझे प्रदत्त श्रधिकारो का प्रयोग करते हुए केरल-2, का धनकर श्रायुक्त, मैं, निदेश दैता हूं कि इस कार्यालय के सी० सं० 1 (9) (बी) /जी एल/ 73-74, दिनांक 12-7-73 (ग्रादेण सं० 3/73-74) के भ्रादेश में दी गई भ्रनुसूची के कोलम (1) भ्रौर (2) मे श्रायकर मण्डल, ट्रिच्चूर के नीचे निम्नलिखित प्रवृष्टिया भर दी जाएं। यह निदेश 20-8-74 से प्रवृत्त होगा।

कोलम सं० (1)में श्रायकर ग्रधिकारी, ई-वार्ड, ट्रिच्च्र, के नीचे ''श्रायकर श्रधिकारी एफ-वार्ड, ट्रिच्चूर'' जोड़िए ।

कोलम सं० (2) में भ्रायकर ग्रधिकारी, एफ-वार्ड के सामने "अपर कोलम (2) में बताया गया कार्यभार" जोड़ए।

एरणाकुलम, दिनाँक 9 सितम्बर 1974

धन-कर अधिनियम, 1957 की धारा 8 के अधीन आदेश

श्रादेश मं० 10/74-75—धन-कर श्रिधिनियम, 1957 की धारा 8 के श्रन्मार मुझे प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए धन-कर श्रायुक्त, मैं, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के श्रादेश सं० 3/73-74 [सी० सं० 1 (9)बी/जी एल/73-74, दिनांक 12-7-73] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह श्रादेश 16-9-74 के पूर्वोह्न से प्रवृत्त होगा।

निम्नलिखित मण्डलों के सभी श्रायकर श्रधिकारी उक्त श्रादेश के कोलम (2) श्रीर (3) में निर्दिष्ट कार्यों का पालन करेंगे :—

- ग्रायकर मण्डल, कण्णूर।
- 2. श्रायकर मण्डल, ट्रिच्च्र ।
- 3. ग्रायकर मण्डल, मट्टानचेरी ।
- 4. भ्रायकर मण्डल, कोट्टमम ।

पी० एस० सुब्रमण्यन, धन-कर श्रायुक्त, केरल-2, एरणाक्लम

एरणा कुलम, दिनांक 9 सितम्बर 1974

धन-कर अधिनियम, 1957 की धारा 8 के अधीन आदेश

श्रादेश सं० 9/74-75—धन-कर श्रिधिनियम, 1957 की धारा 8 के श्रनुसार मुझे प्रदत्त ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए धन-कर श्रायुक्त, मैं, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय की श्रादेश सं० 3/73-74 [सी० सं० 1(9) वी/जी एल/73-74, दिनांक 12-7-73] में निम्निलिखित संशोधन किये जार्येंगे । यह श्रादेश 16-9-74 के पूर्विह्न से प्रवृत्त होगा ।

निम्नलिखित मण्डलों के सभी आयकर अधिकारी, उक्त श्राद्देण के कोलम (2) श्रौर (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे :--

- 1. त्रायकर मण्डल---एरणाकुलम ।
- 2. भ्रायकर मण्डल----म्रालप्पी ।
- 3 श्रायकर मण्डल--कोल्लम ।

एस० टी० तिरुमलाचारी, धन-कर श्रायुक्त, केरल-1, एरणाकुलम

उपहार-कर आयुक्त का कार्यालय

्रणाकुलम, दिनांक 26 अगस्त 1974

उपहार-कर अधिमियम, 1958 की धारा 7 (अ) के अधीन आवेश

ग्रादेश मं० 5/74-75—उपहार-कर ग्रिधिनायम, 1958 की धारा 7(ग्र) के श्रनुसार मुझे प्रदत्त श्रिधिनायों का प्रयोग करते हुए केरल-2, का उपहार-कर श्रायुक्त, मैं, निदेण देता हूं कि इस कार्यालय के सीं० सं० 1(9)(al)/जी एल/73-74 दिनांक 12-7-73 (ग्रादेश सं० 4/73-74) के श्रादेश में दी गई ग्रनुसूची में कोलम (1) श्रीर (2) में श्रायकर मण्डल, ट्रिच्च्र के नीचे

निम्नलिखित प्रवृष्टियां भर दी जाएं । यह निदेश 20-8-74 प्रवत्त होगा ।

कोलम सं० (1) में श्रायकर श्रधिकारी, ई-वार्ड, ट्रिच्चूर के नीचे ''श्रायकर श्रधिकारी, एफ-वार्ड, ट्रिच्च्र'' जोड़िए।

कोलम सं० (2) में श्रायकर श्रधिकारी, एफ० वार्ड के सामने "ऊपर कोलम (2) में बताया गया कार्यभार" जोड़िये।

दिनांक 9 सितम्बर 1974

उपहार-कर अधिनियम, 1958 की धारा 7 के अधीन आदेश

आदेश सं० 12/74-75- उपहार-कर अधिनियम, 1958 की धारा 7 के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपहार-कर श्रायुक्त, मैं, निदेश देता हं कि इस कार्यालय के श्रादेश सं० 4/73-74 [सी० सं० 1(9) बी/जी एल/ 73-74, दिनांक 12-7-73] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह निदेश 16-9-74 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

निम्नलिखित मण्डलों के सभी आयकर श्रिष्ठकारी उक्त श्रादेश की श्रनुसूची के कोलम (2) श्रौर (3) में निर्दिष्ट कार्यों का पालन करेंगे :—

- 1. भ्रायकर मण्डल-कण्णुर
- 2. भ्रायकर मण्डल--द्रिच्च्र
- आयकर मण्डल---मङ्गानचेरी
- 4 श्रायकर मण्डल—-कोट्टयम्

पी० एस० सुक्रमण्यन, उपहार-कर भ्रायुक्त, केरल-2, एरणाक्**ल**म

एरणाकुलम, दिनांक 9 सितम्बर 1974

उपहार-कर अधिनियम, 1958 की धारा 7 के अधीन आवेश

आदेश सं० 11/74-75—उपहार-कर ग्रिधिनियम, 1958 की धारा 7 के श्रनुसार मुझे प्रदत्त प्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल, का उपहार-कर श्रायुक्त, मैं, निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के श्रादेश सं० 4/73-74 [सी० सं० 1(9) बी/जी एल/73-74, दिनांक 12-7-73] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह श्रादेश 16-9-74 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा:—

निम्नलिखित मण्डलों के सभी ग्रायकर ग्रिधिकारी उक्त ग्रादेशकी अनुसूची के कोलम (2) श्रौर (3) में निर्दिष्ट कार्यों का पालन करेंगे । :---

- 1. स्रायकर मण्डल, एरणाकुलम ।
- 2. श्रायकर मण्डल, आलप्पी ।
- 3. श्रायकर मण्डल, कोल्लम ।

एस० टी० तिरुमलाचारी, उपहार-कर ग्रायक्त, केरल-1, एरणाकुलस प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निदेश सं० XVI/18/1-ए०/74-75---यतः, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृहय 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर भ्रौर जिसकी सं० सौतापुरम गांव, संकार दुर्ग है जो है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, संकरि दुर्ग में भारतीय रजिस्ट्री-करण ब्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ब्रधीन 16 येप्रिल, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जनव अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, अधिनियम, 1961 (1961 का भायकर की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात :---3-406GI/74

- (1) सर्वश्री मुलु गौन्डर, राजव्यन, जगन्नातान स्रोर पलनिसमि, मक्किरिपालयम, सौतापुरम गांव (अन्तरक)
- (2) वेंकटाजलमः, सौतापुरम गांव को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसदुद्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को वी जाएगी।

एतदब्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दो गई है, प्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

ह्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही म्रर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

धनुसूची

सौतापुरम गांव, सर्वे सं० 181/1सी०, 181/बी०, 179/2बी 179/4वी०, 180/3, 180/6, 181/1ए०, 179/4सी०, 180/2, 180/5, 181/1डी०, 180/4, 180/7, 179/2ए०, 179/3, 154/3, 151/2ए०, 151/2डी०, 184/2, 151/2डी०, 151/2सी०, 154/2, भीर 154/1 का 6.75 एकर भूमि।

मोहर:

के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, तारीख: 21-11-1974। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज∽1, मब्रास

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रगस्त 1974

निद्या सं० भ्र० प० 177/भाय ०ए० सी ०/ए० भार० ४/ 74-75--श्रत:, मुझे ग० सी० राव सहायक आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज चार बम्बई श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 रु० से अधिक है **और** जिसकी सं० सर्वे नं० 7/4, 26/2, 26/5, 28/13, 29/1, 30/2, 30/4, 30/6, 30/7, 31/1, 31/3 है, जो बान्दीवली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुधी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ष्प्रिमिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-4-1974 पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार भन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे म्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या,
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

भ्रतः भव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

(1) श्री फकरुबीन बदरुदीन श्रीर प्रिन्स चेंबर्स

चार मजला श्रन्य कुलाबा पो० ग्रो० के सामने, बम्बई-400005 (अन्तरक)

- (2) श्री प्लेटिनम ज्युबिली इन्पेटमेन्ट लि० खोजा जमातखाना कम्पाजन्ड, खडक बम्बई-400009
- (3) श्रोलिव मिरानडा श्रीर ग्रन्थ । (श्रन्तरिती) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति धाक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

गांव बान्धीवली में जमीन का भाग जिसका सर्वेक्षण नं० 7/4, 26/2, 26/5, 28/13, 29/1, 30/2, 30/4, 30/6, 30/7, 31/1 और 31/3 माप में 34751.25 वर्ग मीटर है।

ग० सो० राव, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक स्राय-कर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 28 ग्रगस्त, 1974। ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई। मोहर: प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०—— म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्रजन रेंज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अक्तूबर 1974

निर्देश सं० ए० पी०- 1 87/म्राई०ए०सी ∙-ए०म्रार०-IV/ 7 4- 7 5 ──श्रत, मुझे श्री ग० सो० राव सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-IV बम्बई ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,'जिसका मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है बाजार भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 53 टि० पि० एस०-II है, जो धाटकोपर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई मे भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 5-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विश्वेख के अनुसार भ्रन्तरित की गई है स्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रोर यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यतः ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः अब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :—

(1) मेसर्स इश्वरदास एच० भाटिया

101-102, कोमल हाऊस, 14, नागिनदास मास्टर रोड बम्बई-1। (भ्रन्तरक) (2) संसकार को० थ्रो० प्रेमाइसांस सो० लि० 53, हिराचन्द देसाई रोड, धाटकोपर, बम्बई-86 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियए जाएं गे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमे ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के स्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या जमीन का सीग या जमीन को गांव वाटकोपर में हैं जिसका श्रंतिम प्लाट नं० 53 है जो टि० पि० एसम II में हैं, और जिसका रिजस्ट्रेशन उप जिला बान्द्रा घाटकोपर में है श्रौर जहां संसकार नामकों बिल्डिंग (ए० बी० श्रौर सी०) खड़ी है, माप में 1847 वर्ग मीटर श्रौर घिरा है उत्तर की श्रोर से बम्बई—श्राग्रा रोड द्वारा दक्षिणी की श्रोर से श्रंतिम प्लाट नं० 53/ए० द्वारा, पूर्व की श्रोर से हिराचन्द देसाई रोड द्वारा और पश्चिम की श्रोर से सान कवासी जैन कोन फरन्स की संपत्ति द्वारा।

ग० सो० राव, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 1-10-1974। मोहर:

1-10-1974। **शर्जीम रे**ज-4, बम्बई ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ग्र० ई० 1/783-1/ग्रप्रैल 74—ग्रत: मुझे श्री शं० फड़के सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I बस्बई, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- दपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 220, हिस्सा नं० 1 है, जो 185 ग्रागरा रोड, कुर्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16-4-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और व्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमती रशिदा बेगम ईब्राहिम जरीवाला (अन्तरक)
- (2) श्री मुलचंद्र रतनचंद्र जैन श्रौर भ्रन्य (अन्तरिती)
- (3) किराएादार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी या मैंदान के वे दो टुकड़े या भाग जो माप से 254 वर्ग गज है जिसका सर्वे क 220 का खाता कि 38 एवं हिस्सा कि 1 कुर्ला है तथा कन्फर्मींग पार्टी कि 2 के नाम पर है और साथ में जुड़ा हुआ 280 वर्ग गज या उसके समकक्ष जीमन का प्लाट है जिसका सर्वे कि 220 खाता क 39 हिस्सा कि 1 कुर्ला है जो कन्फर्मींग पार्टी कि 1 के नाम पर है और उपरोक्त विणत दोनों प्लाट माप से कुल मिला कर 534 वर्ग गज है साथ में उपरोक्त विणत दोनों प्लाटों पर बनी इमारते या ढांचा सहित म्युनिसिपल नं० 185, नया आगरा रोड कुर्ला बम्बई है और रिजस्ट्रेशन उप जिला बान्द्रा वर्ग सर्वे नं० 220 और हिस्सा नं० 1 धारण कीये हुए है और ये जायदाद निम्न प्रकार से घरी हुई है।

पूर्व में या श्रोर मुख्य श्रागरा रोड, पिंचम में या श्रोर एम० श्रालमेडा का प्लाट, उत्तर में या श्रोर रिशद बेगम का प्लाट नं० 184। दक्षिण में या श्रोर श्रागरा मह जो श्रागरा रोड में स्थित है।

श्री शं० फडके,

तारीख : 4 दिसम्बर, 1974

सक्षम प्राधिकारी,

मोहर:

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-I, बम्बर्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ध्रायकर ध्रायुवत (निरीक्षण) का कार्यालय ध्रर्जन रेंज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

निर्देश म० ए० पी० 198/म्राई० ए० सी० ए० म्रार०-4/74-75---- प्रतः मझे श्री ग० सो० राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) 269-ख के अधीन घारा सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० सी० 1, सी० टी० एस० नं० 647, 648 है, जो स्रो सी अरागांव में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के प्रधीन 10-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिक्ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हिरजी नानजी कोनिया श्रौर श्रन्य, डालिया इन्डस्ट्रिल इस्टेट, 195 नरसी नाथ स्ट्रीट, बम्बई-9। (श्रन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रकान्त श्रार० शाह दरोलाइट इलेक्ट्रिकल्स, 19 भारत इन्डस्ट्रियल एस्टेट, राम मन्दिर रोड, गोरागांव (पूर्व), बम्बई-63। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीश्व और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह सभी जमीन के दुकड़े या जमीन का स्वीग या जमीन जिसका प्लाट नं० सी० 1 जो माप में 1823 वर्ग गज (श्रर्थात् 1466 वर्ग मीटर) ग्रीर जो गांव श्रोसीवरा (श्रन्धेरी) ग्रभी बृहत्तर बम्बई में सामिल, स्थित, मौजूद श्रीर पत्नी हैं श्रीर रिजस्ट्रेशन उप जिला श्रीर जिला बम्बई शहर श्रीर बम्बई उप नगर हैं, जिसका सी० टी० एस० नं० 647-648 श्रीर जो घिरा है उत्तर की श्रीर से जमीन जिसका प्लाट नं० बी०-54 द्वारा दक्षिण की श्रीर से बनाया हुआ रोड द्वारा, पूर्व की श्रोर से जमीन जिसका प्लाट नं० सी-3 द्वारा श्रीर पश्चिम की श्रोर से बना बनाया रीड जिसका चलता नं० 105 द्वारा।

ग० सो० राष, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 6-12-1974

धर्जन रेंज-1V, बम्बई ।

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ए०पी०-199/श्राई०ए०सी०ए० प्रार०-4/74-75— श्रतः मुक्षे श्री ग० सो० राव सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-IV बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 'श्रार' हैं, जो मुलुन्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रुधीन 29-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिते बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री लालजी मेगजी पटेल ग्रौर ग्रन्य ग्राई० टी० एस० कोटेज, राम रतन क्षिवेदी रोड, मुलुन्ड, बम्बई-80 (ग्रन्तरक) (2) श्री लालजी हरिदास रामानी श्रौर श्रन्य रामानी श्रौर कं०, सी० 1, बाबा पादम सिंह भवन, सुलुन्ड, बम्बई-80। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आश्रेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रुयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का वह तमाम दुक्छा या जमीन का स्वींग या जमीन जिसका प्लाट नं० 'ब्रार' जो मुलुन्ड (पिष्चम) में हैं भ्रौर जो रिजस्ट्रेशन उप जिला बान्द्रा जो पहले बम्बई उप नगर जिले में था श्रौर श्रव बृहत्तर बम्बई में है श्रौर माप में 1246.33 वर्ग गज श्रौर जिसका जमीन कर क्लेक्टर की बुक में रिजस्ट्रेशन है जिसमें सर्वेक्षण नं० 306 (श्रंश) श्रौर सर्वेक्षण में 307 हिस्सा नं० 1 (श्रंश) श्रौर म्युनिसिपल भावों एवं करों के निर्धारक एवं संग्रहक 'टी०' वार्ड नं० 2508 (2) डिविजन 'बी' श्रौर घरा है पूर्व की श्रोर से गोरधन दास टी० मंगलदास की जायदाद द्वारा पिष्चम की श्रोर से पांजरापोल की जमीन द्वारा उत्तर की श्रोर से अयंती लाल म० भुट्टा श्रौर श्रन्य की जायदाद द्वारा जिसका सर्वेक्षण नं० 304 द्वारा, दक्षिण की श्रोर से गोक्खवास म० शाह श्रौर श्रन्य की जायदाद द्वारा।

ग० सो० राव, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 14-2-1974 **मोहर:** म्रर्जन रेंज-IV, बम्बई।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय ग्रर्जन रेज 5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1974

निर्देण सं० ग्र० ई० 5/3/2332/74-75—ग्रतः मुझे वि० र० गुप्ते सहायकः भ्रायकर श्रायक्तः (निरीक्षण), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 , का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० पुराना स नं० 316 श्रीर नया स० नं० 320 (श्रंग) है, जो चेम्बूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृ्त्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृ्त्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री डि॰ जे॰ महुदावाला ग्रौर ग्रन्य (अन्तरक)
- (2) सर्वेश्री शामजी खिमजी छेडा स्रौर रावजी खिमजी छेडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृक्कारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में निए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि का वह तमाम दुकडा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले में अभी रिजस्ट्री उपजिला एवं जिला बम्बई नगर तथा उपनगर में चेम्बूर बृहत्तर बम्बई में स्थित है एवं रिजस्ट्री उपजिला बान्द्रा का सी० टी० एस० ऋ० धारण किए हुए है, जो माप से 6680.68 वर्ग मीटर (7990 वर्ग गज) अथवा उसके लगभग है एवं 140 एकड़ तथा 12 1/2 गुंथा या उसके लगभग भूमि (ईस्टर्न एक्सप्रेस हायवे में गई हुई 7 एकड़ तथा 34 गुंथा कम भूमि) का एक भाग है स्त्रीर जुना सर्वेक्षण ऋ० 316 एवं नया सर्वेक्षण ऋ० 320 का एक भाग है सथा निम्नप्रकार से घरा हुआ है :---

पश्चिम में या श्रोर सेक्टर नं० ७ में 30 फिट निर्धारीत श्रन्तर्गत

रोड़ से ।

्रपूर्व में या श्रोर सेक्टर नं० 7 में 30 फिट निर्धारीत श्रन्तर्गत रोड से।

दक्षिण में या स्रोर क्रष्ठ भाग सेक्टर नं० 7 में प्लाट नं० 10, 11 स्रोर 12 जमीन से स्रोर कुष्ठ भाग सेक्टर नं० 7 में 30 फिट निर्धारीत स्नन्तर्गत रोड़ से ।

उत्तर में या श्रोर सेक्टर नं० 7 में 30 फिट निर्धारीत श्रन्तर्गत रोड से ।

> बि० रे० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

विनांक: 10 विसम्बर 1974। ग्रर्जन रेंज, 5 बम्बई। मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०————आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-V, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० घ्र०ई०-5/1/2330/74-75—प्रतः, मुझे वि० र० गुप्ते सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज-V बम्बई अयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० पुराना सं० नं० 316 और नया सं० नं० 320 है, जो चेम्बूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19.4.74.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही की शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित यिक्सयों, अर्थात्:—

- (1) श्री डि॰जे॰ महुदावाला ग्रौर ग्रन्य ट्रस्टी (अन्सरक)
- (2) सर्वेश्री शामजी खिमजी छेडा श्रौर रावजी खिमजी छेडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए ≱त वृद्धारा कार्यवाहियां करता हूं ग्रै। उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्स होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा यह भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले में, श्रभी रजिस्ट्री अपजिला एवं जिला बम्बई नगर तथा उपनगर में चेम्बूर बृहत्तर बम्बई में स्थित है एवं रजिस्ट्री उप जीला बान्द्रा का सी० टी० एस० ऋ० धारण किए हुए है, जो माप से 7995.08 वर्गमीटर (9662 वर्ग गज) ग्रथवा उसके लगभग है एवं 140 एकड़ तथा 12 1/2 गुंधा या उसके लगभग भूमी ईस्टर्न एक्स-प्रेस हाइवे म कई धुई 7 एकड़ तथा 34 गुंथा कम भूमि का एक भाग है भ्रौर जूना सर्वेक्षण ऋ० 316 नया सर्वेक्षण ऋ० 320 का एक भाग है तथा निम्नप्रकार से घिरा हुन्ना है ग्रर्थात् पश्चिम में या म्रोर:--कुछ भाग सरकार की जमीन से श्रौर कुछ भाग सेक्टर नं० 7 के प्लांट नं० 46, 47 श्रौर 48 धारण किये हुए जिमन से पूर्व म या श्रोर कुछ भाग सेक्टर नं० 7 में निर्धारित 30 फीट ग्रन्तर्गत रोड़ से श्रौर कुछ भाग निर्धारित 90 फिट म्युनिसिपल रोड़ से । दक्षिण में या श्रोर सेक्टर नं० 7 में 30 फिट निर्धारित अन्तर्गत रोड़। उत्तर में या श्रोर सेक्टर नं० 7 में 90 फिट निर्धारित म्युनिसिपल रोड़ से ।

> वि० र० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज-V, बम्बई

तारीखः 10 दिसम्बर,1974।

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

न्नावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक भागमर भागुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भागम रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1974

तिवेंग सं० घ० ई० 5/2/2331/74-75—यतः, मुझे वि० र० गुप्ते सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई घायकर मधिनियम, 1961(1961

का 43) की धारा 269 ख के ब्राग्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० पुराना स० नं० 316 भौर नया स० नं० 320 (भ्रांश) है, जो चेम्बूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मिधिनियम, 1908 (1908 का 17) के श्रिधीन 19-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और यह कि धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे धन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर मिंघनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

बौर यत: भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 शा 43) के भ्रष्ट्याय 20-क के शक्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

मतः भव, धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, भ्रायकर उपचारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात:---

- 1. श्री डि॰ जे॰ महुजवाबाला ग्रीर भ्रन्य (भ्रन्तरक)
- 2. सर्वेश्वी शामजी खिमजी छेडा ग्रीर रावजी खिमजी छेडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्मवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति भाक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आकोपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों, जो आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

धमुसूची

भूमि का यह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले में, प्रभी रिजस्ट्री उप जिला एवं जिला बम्बई नगर तथा उपनगर में चेम्बूर बृहसर बम्बई में स्थित है एवं रिजस्ट्री उपजिला बान्त्रा का सीक्टी॰ एस॰ कि॰ धारण किए हुए है जो माप से 6737-54 वर्गमीटर (8058 वर्गगज) प्रथला उसके लगभग है एवं 140 एकड़ तथा 12 1/2 गुंथा या उसके लगभग भूमि (इस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे गई हुई 7 एकड़ तथा 34 गुंथा कम भूमि) का एक भाग है प्रौर जूना सर्वेक्षण क॰ 316 एवं नया सर्वेक्षण क॰ 320 का एक भाग है तथा निम्न प्रकार से धिराए हुआ है:——

- (अ) जहां तक इन्डेघर से संलग्न नक्यों पर लाल रंग का क्षेत्रफल रेखाओं से तथा सेक्टर ऋ० 7 में चित्रित 'ए' भूमि का टुकड़ा पिचम में या और :—
 सरकार की जमीन से पूर्व या ओर कुछ भाग 90 फीट निर्धारित म्युनिसिपल रोड से भीर कुछ भाग व्लौट नं० 45 धारण किए हुए जमीन से दक्षिण में या और सेक्टर नं० 7 के ब्लाट नं० 22, 23 और 27 उत्तर में या भीर सेक्टर नं० 7 में निर्धारित 90 फीट म्युनिसिपल रोड से।
- (ब) जहां तक इन्डेंचर से सलग्न नक्यों पर लाल रंग की क्षेत्रफल रेखाओं से तथा सेक्टर नं० 2 में चिह्नित 'बी' भूमि का टुकड़ा पिश्चम में या क्योर ईस्टर्न एक्सप्रेस हायवे से पूर्व में या क्योर सेक्टर मं० 1 श्रीर 2 के बीच 44 फीट निर्धारित म्युनिसिपल रोड से दक्षिण में या क्योर सेक्टर नं० 1 श्रीर 2 के बीच 44 फीट निर्धारित म्युनिसिपल रोड से उत्तर में या श्रीर ईस्टर्न एक्सप्रेस हायवे।

वि० र० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बस्बई

तारीख: 10 दिसम्बर 1974

मोहर:

4-406 GU74

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०⊷

ध्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बिहार

पटना, विनांक 28 सितम्बर 1974

निवश सं० 3-98/ग्रर्जन/73-74/85---यतः, मृक्षे, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर धर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने था कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० थाना नं० 157 वार्ड नं०-11 प्लोट नं० 656 है, जो केन्टोनमेन्ट, हजारी बाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1909 का 16) के भधीन 6-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के टचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिपल से ऐसे दुश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे मन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या;

से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यतः श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों. श्रयातु:----

1. श्री मानीक फरदुनजी कपाडिया (2) श्रीमती दौलत मानीक कपाडिया सा०—श्रेडलाह निवास पोस्ट/जिला— हजारीबाग (श्रन्तरक) 2. श्रीमती गंगा देवी जौजे—श्री रधुनाय प्रसाद सार्के---लेपो रोड, बोडुम बाजार पोस्ट/जिला—हजारी बाग (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति धाक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी श्रम्य स्थित द्वारा श्रश्चोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43)के ग्रध्याम 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला "बेडलाह निवास" के साथ 9.93 एकड़ जमीन थाना नं 157 हो । नं --- 194/365 वार्ड नं । 1 प्लोट नं ---656 सा । ---कैन्टोनमेन्ट, हजारी बाग ।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

ता**रीख** 28-9-1974 मोहर :

4. राजेन्द्र किराना स्टोर्स

6. विश्वकर्मा वाच हाउस

जे० एन० डायरी फार्म

10, सेन्ट्रल भार्ट स्टुडियो

(वे व्यक्ति जिनके प्रधिभोग

में सम्पत्ति है ।

 हसन मैनफाक्चरर 9. मलय रेफिजेरेटर

5 दुर्गा प्रेस

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) का कार्यालय ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 21 श्रक्तूबर 1974

निर्देश सं० III-89/मर्जन | 74-75 | 1027---यतः, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, बिहार, पटना, भायकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० सर्किल नं० 9, सीट नं० 39 प्लौट नं० 997 म्रादि है, जो म्रार० के० भट्टाचार्या रोड, पटना में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिघिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन 22-4-74 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि थचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के क्षाच्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रह्मीम विस्मलिबित व्यक्तियों, अर्घात् :---

- (1) 1. श्रीसुधांशुभट्टाचार्या बल्ब—र्व० श्री ग्रक्षय कूमार भट्टाचार्या
 - 2. डा० शनील चन्द्र भट्टाचार्या द्वारा-श्रीमती वानी बनर्जी जीजे--डा० ग्रमरेन्द्र नाथ बनर्जी
 - 3. श्रीमती सुभा भट्टाचार्या जौजे—स्व० श्री ललेख नाय भट्टाचार्या सभी--- एक्जीवीशन रोड पटना के निवासी हैं। (अन्तरको)

(2) 1. श्रीमती ग्रसर्फी देवी (3) 1. मो० इक्राहिम जौजे--श्री राजेश्वर प्रसाद शर्मा 2. श्राटो डिजिल सेन्टर सा०---सुल्तानपुर 3. रेक्सीन हाउस

थाना--मोकामा, पटना

2. श्रीमती शैल कमारी जौजे--श्री जय प्रकाश शर्मा सा०-खब गांव

थाना—इसलामपुर, पटना

3. श्रीमती हेमलता जौजे---श्री बिपिन बिहारी शारदा सदन चाँद मारी रोड, पटना-20

4. सीता पति देवी जौजे---श्री राम पदारथ शर्मा सा०---हरिपुर, थाना, बछवारा बेगुसराय ।

 श्रीमती शारदा देवी (मासा) श्री बिपिन बिहारी

शारदा सदन, चान्दमारी रोड पटना-20 । (श्रन्सरितियों) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सूनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान भौर जमीन, रकवा करीब 5 1/2 कट्डा स्थित ग्रार० के० भट्टाचार्या रोड, पटना, हो० नं० 963 पुराना, 202 घौर 202 "भ्र" (नया) सर्किल नं० 9, वार्ड नं०-2 (पुराना) 10 (नया), सीट नं० 39 ग्रीर प्लौट नं० 996।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटमा

तारीख:29-10-1974

मोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269^घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 ग्रन्तुवर 1974

सं०-JXI-91/प्रर्जन/74-75/1049---यतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) , भ्रजन रेंज, बिहार, पटना, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लोट नं० 783, 784 है, जो सराय धेला, धनबाद में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधाकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना;

ग्रीर यत: श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण भेरे द्वारा ग्रभिलिखित किए गए हैं।

म्रत: मन, धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपद्यारा (1) के श्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित:——

- 1. एम० एस० जे० डोसा स्टेट्स प्रा० लि० शान्ति भूक्षन पो०/जिला—धनबाद (ग्रम्तरक)
- 2. एम० एस० वी० के इनवेस्टमेट्स 12—रालाण्ड रोड. कलकत्ता-600020 (ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति हारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्यावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा श्रागे यह अधिस्थित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन तूचना दी गई है, श्राक्षे ों की सूमवाई के समय सूने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पन्दीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो झायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिमाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12,18 एकड़ जमीन सा० सरायधेला, धनबाद, प्लौट नं०--783,784 ।

> ज्योतीम्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बिहार, पटना,

तारीख : 31-10-1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा

भायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) का छार 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 अक्तूबर 1974

निर्देश सं०-III-90/अर्जन/74-75/1048—यतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

शौर जिसकी सं० का वर्णन दस्तावेज नं० 5152/1112(9) है, जो मानपुरा (रिविलगंज) सारण में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सारण में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सारण में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 20-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः सब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती सैल कुमारी देवी जौजे-श्री सिद्धमाय पाण्डेय
- 2. श्रीमती जानकी देवी जीजे श्री कामता तिवारी सा०— मानपुरा, पो०—कोपा जिला —सारण (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लालमुनी देवी जीजे श्री भागवत प्रसाद तिवारी (प्रोपराइटर) तिवारी दीक फिल्ड सा०/पो०—मीलगंज बाजार 24—परगना (प० बंगाल) (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तसम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 48 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब-करीब 8 बीघा जमीन सा० मानपुरा घौर विरामपुरसा थामा रिविलगंज, जिला—सारण दस्तावेज नं० 5152/1112 (9) विनांक 20-4-74 के धनुसार ।

> ज्योतीन्द्र माथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रजीन रेंज, बिहार, पटना

तारीख 31-10-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—— सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
प्रजीन रेंज, बिहार, पटना,
पटना, दिनांक 31 अक्तूबर 1974

निर्देश सं० III-92/भ्रर्जन/74-75/1054---यतः, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2.69-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है, ग्रीर जिसकी सं० थाना न. 23 स्नाता नं० 42 व्लीट नं० 116 है जो मैनपुरा, वानापुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित मे बास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

क्तः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की खपभारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती सुरीन्द्र कौर जौजे श्री प्यारे सिंह कंकड़ बाग रौड़, पटना-20 (प्रनारक)
- 2. एम०/एस० राजीय कमल इन्डस्ट्रीज बेली रोड, पटमा-1 पार्टनर्स :---
 - 1. श्री कमल कुमार लोहिया
 - 2. श्रीवी० के० गुक्ला
 - 3. श्रीमती राधा लोहिया
 - 4. श्रीमती प्रकाश लोहिया

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधिया तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

हमार्थे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 2 त्रिषा 8 कट्ठा 16 धुर सा०—मैनपुरा, थाना— फुलबारी, जिला पटना, तौजी नं० 185/92, थाना नं० 23 खाता नं० 42, प्लौट नं० 116।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 31-10-1974

मोहर :

प्रकप आई० टी० एम० एस० -

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कामलिय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैयराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 धन्तूबर, 1974

सं० म्रार० ए० सी० 37/74-75--यतः मुझे, एस० बाल सुन्नमण्यम् श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 時7 43) धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-ह० से प्रधिक है जिसकी सं 0 20-12, बालाजीनगर, बिट-II है, जो नेल्लुर में स्थित है (धीर इससे उपाबद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नेल्लुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) को पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रधीन 25-4-1974 उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के क्षिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रसिफल का पन्द्रह प्रसिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अम्सरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किय गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- वारानासी गगाधर सरमा, पुत्र सिवय्या, जनवाडा मौजा. कोल्र, साल्क, नेल्लूर जिला। (श्रन्तरक)
- पायडी वेंकय्या, पुरिनी मौजा, नेस्लूर जिला ।

(धतरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वी का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति :--नं० 20-12 बालाजी नगर, नेस्लूर बिट-II पंश्रायत, नेस्लूर-2, क्षेत्रफल 46 ग्रंकनम या 3,212 वर्गफीट।

एस० बाल सुत्रमण्यम् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 22-10-74

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की छारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) हैवराश्राद, भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद दिनांक 9 विसम्बर, 1974

सं० ग्रार० ए० सी० 57/74-75--यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की आरा 269-ख के ग्रधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित 25,000/-रु० से मुख्य भीर जिसकी सं० 7-3-189 से 193, मिरणी चलली है, जो नीजामाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णे रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नीजामाबाव में भारतीय रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 27-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यभाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रीर यह कि **ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय** वाया गया ऐसे प्रम्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से लिखित में वास्तविक रूप से कथित उक्त ग्रम्सरण नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर श्रिविमयम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 नरसागौड सुपुत्र नरसा गौड, स्सान जुमरात बाजार, नीजामाबाद ।

(स्रन्तरक)

2 श्री सेन शेही वेंकटराजम सुपुत्र एर नं० 47, बागबामी गल्ली, नीजामाजाव ।

(প্রন্ ্রা)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति ों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आकोपों की सुमवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पाकिरण: --इसमें प्रयुक्त मान्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुसूची

संम्पत्ति:---नं० 7-3-189 से 193 मीर 7-3-199/3 मीर 7-3-199/7 स्थान मीरची कंपीड, नीजामाबाव।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-12-74

मोहर:

प्ररूप भाई०-टी०-एन०-एस ----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 17 दिसम्बर, 1974

सं० ग्रार० ए० सी० 61/74-75---यतः मुझे, के० एस० श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 1-5-4, नायडू पेटा है, जो सुल्लूरपेटा तालूका में स्थित ह (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सुल्लूर पेटा मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

ग्रीर यतः ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेर द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

 स्वर्गीय श्री बेझवाडा मुन्तुस्वामी नायडु पुत्र शेशय्या नायडू नं० 1-1-44, नायडू पेटा, नेल्लूर जिला ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जी० श्रादी नारायना
 - (2) श्रीजी० उपेन्द्राबान् (पुत्र)
 - (3) श्री जी० वरद राजुलू (पहला भाई)
 - (4) श्री जी० कासी विश्वनाथम, (नं० 3 का पुत्र)
 - (5) श्री जी० श्रीनिवासुलु (नं० 3 का पुत्र)
 - (6) श्री जी० विठलराव (पुत्र स्व० वेंकट कृष्णय्या)
 - (7) श्री जी० सत्यनारायण राव --
 - (8) श्री जी० वेंकट सुब्बाराव ----वही-----
 - (9) श्री जी० सूर्यं नारायना
- ----वही----

-वही---

- (10) श्रीजी० रोधा कृष्णय्या पूत्र राघवय्या
- (11) श्री जीं० सुरेण बानु (नं० 1 के पुन्न)

वारा : प्रीयम् जीव प्रीक्षणस्य प्रस्ता प्रस्ता

मैसर्स जी० पी०एन०एन०एण्ड सन्स, नायबुपेटा मुल्लरपेटा, तालूक , नेल्लूर जिला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से से 45 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किए गये प्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति, के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

. एतद्द्वारा ग्रागे यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपों के सुनवाई समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसर्में प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो झायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के झध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस आध्याय में दिया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति : - कृष्णावेनी रायसमिल, 14 वां वार्ड, ब्राह्मण स्ट्रीट, नायञ्च, पेटा, (1-5-4, नायञ्च पेटा), मुल्लूर तालूका, नेल्लूर जिला। क्षेत्रफल: 320 अंकनम्।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-12-74

मोहर:

5-406 G.I/74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर भ्रायुक्तं (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर, 1974

सं० ग्रार० ए० सी० 47/74-75—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 5-4-100×101, एम० जी० रोड, हैं, जो सिकदरावाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के

प्रधीन 5-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर बनाना;

और गतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

होमी के० बेंगाली, द्वारा मेंसर्स कि0 होरमुसजी
 148, सिकन्वराबाद।

(पन्तरक)

- नोशीर के० बेंगाली पुत्त स्त्र०
 यशवीर घंढ़ा पुत्न राम रख घंहा,
 20, सीरा कम्पाउड, सिकंवराबाद
 टाटा मिल्स कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोस।
 बिल्डिंग 1-बी प्लाट नं० 2-5, परेल, बम्बइ-12
 (अन्तरिती)
- 3. होमी के० बंगाली, 148, पश्चिम परेड, सिकंदराबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह मूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसव्दारा कार्यवाहियां भूक करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इ.स. सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्शारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जायेगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति : --5-4-100 \times 1**0**1,+श्रोल्ड नं० 8577, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद । क्षेत्रफल 962 वर्गगज।

> के० एस० वेंक्षटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

मोहर:

तारीख: 26-11-74

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

सं० श्रार० ए० सी० 63/74-75—यत: मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक **है** श्रीर जिसकी सं० 16-3-991/1 है, जो मलकपैट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 18-4-74 को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है भीर यह कि धन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्सरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्रीमती डी० वेंकटलशामी, पति डी० एस० रेड्डी, मकान नं० 2-2-15/49, बाग श्रम्मर पेट, हैदराबाद-7 (ग्रन्तरक)
- 2. कुमारी बी० लक्ष्मीदेबी भ्रौर मिस वि० विज्यालक्ष्मी बी० बी० सुबय्या की पुत्तियां हाऊस नं० 3-3-13/2, काची गूडा, हैदराबाद-27 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतब्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि को हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाए और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे क्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विथा गया है।

अनुसुची

संपत्ति:—घर नं० 16-3-991/1 नागारजूना सागर रोड, मलकपेट हैदराबाद

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-12-74

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर, 1974

सं० ग्रार० ए० सी० 58/74-75---यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रु० से अधिक है **ग्रीर** जिसकी सं० 7-3-187; 188 और 189/8 और 9 है, जो मिरची काम्पौड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-4-1974

सम्पत्ति उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

- 1. नरसा गौड पुत्र नरसा गौड वीकली बाजार, निजामाबाद
- 2 श्रीमती सेनी सेट्टी सावित्रम्मा पत्नी एस० वकटराजमी, बगबान गली, निजामाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तल्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसदृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सूनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्सी पैरा के अधीन सूचमा धी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति :---नं० 7-3-187; 188 भीर 199/8 और 9 मिरची काम्पौड, निजामाबाद, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज।

> कै० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदरा्बाद

तारीख: 9-12-74

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यात्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 25 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी० ए० 5/ग्रमलनेर/ग्रप्रैल 74/14674-75--यत: मझे एच० एस० प्रवैलख, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका से ग्रधिक है **बाजार** मूल्य 25,000/- रु० श्रीर जिसकी सं० नं० 15 है जो श्रमलनेर, जिला जलगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमलनेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 10 श्रप्रैल 1974 की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनसार ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना भ्रौर/या ;
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

अत : श्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री श्रानंदा निवा चौधरी, श्रमलनेर, जिला जलगांव (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री विनायक भास्कर शिदे,
 - (2) श्री फकीरा भास्कर शिंदे,

ग्रं० पा० कर्ती श्रीमती सालुंकाबाई मु० भास्कर शिंदे, श्रमलनेर, जिला जलगांव (श्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बाएा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह श्रधिसूचित किया जात। है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों भ्रौर पदों का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 15, श्रमलनेर, जिला जलगांव। क्षेत्र:—7 एकड़ 12 गुंठा।

एच० एस० श्रवैलखं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 25 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज,

60/61- एरंडवना कर्वे रोड, पूना 411004, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० सी०ए० 5/ग्रप्रैल-74/शेवगांव/147/74-75— यत:, मुझे, एच० एस० श्रवैलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25000/-रुपये से अधिक जिसकी सं० सर्वे कमांक 19/2, 19/3तहसील शेवगाांव है जो जिला श्रहमदनगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, शेवगांव में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18 अप्रेल 1974 को पूर्वोक्त कें उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेर द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जवाहर चंद, नानक चन्द श्राहुजा, शेबगेंस, तहसील शेबगांव जिला श्रहमदनगर, श्रभी का पता 82, गांधी मार्केट, किंग्ज सर्कल, बम्बई-22 (श्रन्तरक)
- 2. श्री उत्तम गणपत तिवारी, शेबगांव तहसील शेबगांव जिला श्रहमदनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे श्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन वरूर खुर्द गांव में तहसील शेबगांव जिला श्रहमदनगर।

सर्वे कमीक 19/2 क्षेत्र 7 एकड़ 19 गुंठे उसमें कुएं के पानी का हक्क।

सर्वे क्रमांक 19/3 क्षेत्र 7 एकड़ 19 गुंठे उसमें कुएं के पानी का हकक।

फीहोल्ड ---

एच० एस० श्रबैलखा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 2 दिसम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 60/6।, एरंडवाना, क्वें रोड, पूना-411004, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० सी०ए०/5/अप्रैल-74/शोलापुर/149/74-75-यतः, मुझे, एच०एस० अवैंखख आयकर अधिनियम, 1961(1961का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है और और जिसकी सं० सर्वे कमांक 273/4, 275/1, 275/2, 276/2 प्लाट नं० 1, 3 और 4 है जो शोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शोलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 अप्रैल 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रितिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रिशित अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्री शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अत, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थासः—

- मै० महेश टैक्सटाईल प्रोसैंसर्स
 पार्टनर—श्री के० भ्राप्त० राठी, इंडस्ट्रीयल इस्टेट,
 शोलापुर। (श्रन्तरक)
- श्री साईबाबा काटन वैस्ट स्पीनिंग मिल पार्टनर—श्री पी० ग्रार० राठी इंडस्ट्रीयल इस्टेट णोलापुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्रबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे क्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह, सर्वे कमांक 2,73/4, 2,75/1, 2,75/2, 2,76/2 प्लाट कमांक 1, 3 श्रीर 4

क्षेत्र 4350.22 वर्ग मीटर्ज

बिल्डिंग बिस्टम्रंप क्षेत्र 14000 वर्गफीट्स 3 बरसके पहले बांधी हुई। फीहोल्ड।

> एच०एस० श्रवैलख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 6 दिसम्बर 1974

प्ररूप प्रार्थ० टी० एन० एस० --

क्षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 दिसम्बर, 1974

सं० ग्रार० ए० सी० 62/74-75---यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर करने सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से ग्रौर जिसकी सं० 1-5-4 नायडू पेटा है, जो सुलूरपेट ता० में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यलय मुल्लूरपेटा मे भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 5-4-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार भन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफ्ल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर यह कि मन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-जिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयशर अधिमियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

- श्री बेझवाडा सन्यनारायना पुत्र मुश्रू स्वामी नायडू
 - (2) सतीश कुमार
 - (3) श्रवन कुमार सभी नायडूपेटा के निवासी हैं।

2. (1) श्री ग्रादी नारायना

- (2) श्री उत्पेदा बाबू पृत्व जी० म्रादी नारायना
- (3) मुरेण बानू पृत्र जी० ग्रादी नारायना
- (4) श्रीवरद राजूलू पुत्न वरद राजुलू
- (5) श्रीकाशी विश्वनाथम् पुत्न वरदराजुलू
- (6) श्री श्रीनिवासुलु पुत्र वरद राजुलू
- (7) श्री विठल राव पुत्र वेंकट कृष्णय्या
- (8) श्री सत्यनारायना पुत्र वेंकट कृष्णय्या
- (9) श्री वेंकट सुब्बाराव पुत्न वेंकट कृष्णय्या
- (10) श्री सूर्य नरायनाराव पुत्र श्री वेकट कृष्णय्या
- (11) श्री राधा कृष्णय्या पुत्र जी० रामय्या नायडू

सभी नायडू पेटा के निवासी हैं जो सुल्लुरपेटा तालूका नेल्लूर जिलामे हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्रद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपस्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :--कृष्णवेनी रायस मिल, 14वां वार्ड ब्राह्मण स्ट्रीट, 1-5-4 मुल्लूर पेटा, नेल्लूर जिला।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-12-74

मोहर :

(म्रन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कार्यालय 60/61-एरंडवना कर्वे रोड, पूना पूना-411004 दिनांक 13 दिसम्बर 1974

निर्वेण सं० सी० ए० 5/श्रप्रैल 74/हवेली-II/150/74-75:— यत:, मृझे, एच० एस० श्रवेलख, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे प्लाट नं० 1, फा० प्ला नं० 289, स० नं० 518/1 है, जो भवानी पेट मुंजेरी, पूना में स्थिति है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हवेली-II में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 15 श्रप्रैल 1974 को

को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्म से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

6-406-G.I/74

थतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1 (1) श्रीमती किशनीबाई रामचंद मायानी, 4/ए० गीता को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी सिने-गान स्ट्रीट, पूना-1।
 - (2) श्री हीरानंद टिकमदास भायानी, जवाहर ग्रपार्टमेंटस्, ग्रागरवाल कालुनी, भवानी पेठ, पूना-2।
 - (3) श्रीमती वीणा किशनचंद हरजानी, मनस-क्राझील।
 - (4) श्री चेलाराम टिकमदास मायानी, गुरूनानक नगर, पूना-2।
 - (5) श्री भगवान टिकमदास मायानी, 4/ए० गीता को-ग्रांपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, सिनेगान स्ट्रीट पूना-1।
 - (6) श्री मोहन टिकमदास मायानी, कालेज, पनामा
 - (7) श्रीमती गोदावरी होटचंद हरजानी, हांकांग,
 - (8) श्रीमती लाज तथा पारी भगवानदास चुगानी मनीला।
 - (9) श्री चभू रामचंद मायानी, हांगकांग।
 - (10) श्रीमती कलावती दौलतराम साहनी, मीरपुरी महल, प्लाट नं० 9, 406/23, नाना रोड, पूना-2।
 - क 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 श्रौर 10 के लिए कांस्टीट्यूटेड घटानींज 1 श्रौर 2।

- (11) श्रीमती धूरू वशक्षेत्र मायानी, हीमगिरी बिल्डिंग, प्लाट नं० 4, पदम टेकड़ी पेडर रोड, बांबे-26।
- (12) श्री वाणदेव टिकमदास मायानी, हीमगिरी बिल्डिंग, प्लाट नं० 4, पदम टेकड़ी पेडर रोड, बांबे-26।
- (13) श्री शाम रामचंद्र मायानी, 4/ए० गीता को-श्रापरेटिव हार्ऊासंग सोसाइटी सिनेगान स्ट्रीट, पूना-1।
- (14) श्री जयिकशन रामचंद्र मायानी, 4/ए० गीता को-ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, सिनेगान स्ट्रीट, पूना-1।
- (15) सुरेश रामचंद्र मायानी, 4/ए०, गीता को-श्रापरेटिव हार्ऊिसंग सोसाइटी सिनेगान, स्ट्रीट पूना-1।
- (16) कु० ईष्वरी रामचंद्र मायानी, 4/ए०, गीता को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी सिनेगान, स्ट्रीट, पूना-1।
- (17) कु० जया रामचंद्र मायानी, 4/ए०, गीसा को-भ्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी सिनेगान स्ट्रीट पूना-1।
- (18) कु० शीला रामचंद्र मायानी, 4/ए० गीता को-ग्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी सिनेगान स्ट्रीट पूना-1।

% 13, 14, 15, 16, 17 ग्रीर 18 ग्रज्ञान के लिए, पालन कुर्ती माता-किणनीबाई रामचंद्र मायानी, उपर लिखा हुन्ना क्रमांक 1। (श्रन्तरक)

- (1) श्री रामचंद उक्तमचंद मीरपुरी, 406/23, नाना पेठ, पूना-2।
 - (2) श्री मोती राम परमानन्द रामचंदानी, 845, भवानी पेठ, पूना-2।
 - (3) श्रीमती सुंद्री भागचंद रामचंदानी, 845, भवानी पेठ, पूना-2।
 - (4) श्रीमती राधा कलाचंद जसवानी, 448/49, भवानी पेठ, पूना-2। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किये जायेंगे भौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भ्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, ब्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भवानी पेठ, पूना-2, फीहोल्ड, खुली जगह, फाइनल प्लाट नं० 289 का सब-प्लाट:—-

क्रमांकः 1 पूना म्यूनिसिपल कोन्नापरेटिव के कक्ष में। सं० क्र• 518/1, मुंजेरी में।

क्षेत्रफल:-13,365 वर्ग मीटर्स।

एच० एस० श्रवेलख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेज, पूना।

दिनांक 13 दिसम्बर 1974 । मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर, 1974

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/2469/74-75 — यतः मुझे श्रार० किल्णनमूर्ति, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), वैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० रिक्त स्थान नं० 19 (पराना नं० 9) है, जो I मैन रोड, जथमहल एक्सटेन्शन, बैंगलूर-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर-9 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन दस्तावेज नं० 18 1 श्रीप्रैल 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे धारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री युवराज केदारेन्द्र देव, वाधवान नं० 1 मैन (ग्रग्नान्तरक)
- 2. श्री टी० ए० सीताराम नं० 25, 1 मैन रोड, जयमहल एक्सटेन्शन बैंगलूर-6

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना थी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त स्थान नं० 9 (पुराना), (नया नं० 19), 1 मैन रोड, जयमहल एक्सटेन्शन, बैंगलूर-6 (67'--80') सीमा:

पूर्व : वीरेन्द्र क्षुमार की सम्पत्ति पश्चिम : डा० भ्राग्नहोत्नी की सम्पत्ति उत्तर : नामजोशी की सम्पत्ति दक्षिण : 20 फीट रोड

आर० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बैंगलूर

दिनांक: 30 भ्रप्रैल 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

60/61, एरंडवना, कर्वे रोड पूना-411004 पूना-411004 दिनांक 25 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी० ए०-5/ग्रमलनेर/ग्रप्रेल 74/145/74-75— यत:, मुझे, एच० एस० भवैलख,

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिग्नस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है भीर जिसकी संग् नंग 1389 है, जो नांदेड, ता॰ ग्रमलनेर जि॰ जलगांव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमलनेर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5 श्रप्रेल 1974

उचित को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मूल्य प्रतिफल के दृश्यमान के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्सरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री अब्दुल रश्रुफ तथा राजाबापू, अब्दुल कसीम देशमुख, नावेड, ता० अमलनेर, जि० जलगांव (श्रन्तरक)
- 2. श्री बालमुकुंद नंदलाल दोशी, 11/17 नवजीवन सोसायटी, लॉमंग्टन रोड, बंबई-8 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपीं की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

नांदेड, ता० श्रमलनेर जिला जलगांव का शेत जमीन, सं० नं० (गट) 1398

क्षेत्र: 4 हेक्टर - 29 म्रार० याने 10 एकड़ 29 गुंठा

एच० एस० **अवैलेख,** संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 25 नवम्बर 1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बैंगल्र

बैंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/2363/74-75—यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सैट न० 7 है, जो II स्टेज, राजाजीनगर, बैंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेच नं० 80 में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन 4 अप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्रफल के लिए राजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखाल व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री बोरय्या सुपुत्न लेट सिपाय बोरय्या नं० 5 एम०, लक्ष्मीनारायणपुरम, III ऋास, श्रीरामपुरम, बांगलूर-21 (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुठ्यप्पा सुपुत्र मुक्त्गेण मुदलियार नं० 8, साथवाबानगर, 1 त्रास, श्रीरामपुरम बैंगलूर-21 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैंट नं० 7, 11 स्टेज, राजाजीनगर (केथमारनहल्ली सर्वे नं० 81) $45' \times 100' = 4500$ वर्ग फीट, दस्तावेज नं० 80/74-75/4=4=74.

आर० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी साहयक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बैंगलुर,

दिनाक: 30 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

धंगलूर, दिनांक 30 नवम्पर 1974

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/2587/74-75—यतः मुझे ग्रार० किष्णमूर्ति, श्रसहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है किस्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक ह ग्रौर जिसकी ग्रौर जिसकी सहं० सर्वे नं० 60, 60/2, 20/2बी०, 60/2सी, 60/2ए०, 60/2बी०, 60/2सी० है, जो निम्बेकायपुर, विदरहली होव्ली, 17 एकड़ 23 गुन्टे होसकोट बालेक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, होसकोट दस्तावेज नं० 424 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2 श्रपैल, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम-1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री (1) पटेल के० मारप्पा सुपुत्र लेट के० कपन्ना जोगुपाल्या (2) हनुमय्या सुपुत्र मुनिवेन्कटप्पा बेश्निगेनहल्ली, किष्णराजपुर होव्ली, जिला बैंगलूर (अन्तरक)
- 2. श्री के० हेच० वकेन्टरानगय्या मुपुत्र हरिदासकु, I क्रास, नहरू नगर बैंगलूर-20 (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसब्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रिप्त इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 60, 60/2, 60/2ए, 60/2बी, 60/2सी निम्बेकायपुरा, बिदरहल्ली होय्ली, होसकोटे तालुक 17 एकड़ 23 गुन्टे । दस्तावेज नं० 424/2ढ नवम्बर, 1974

आर० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बैंगलुर

दिनांक: 30 नवम्बर 1974

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०———— भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज बैंगलूर का कार्यालय बैंगलर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं सी० श्रार० 62/2412/74-75—यतः मुझे ग्रार० कृष्णमूर्ति, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), वैंगलूर-27 आयकर अधिनियम,

1961(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 450 है, जो 20 'बी' कास, III. बलाक, जयनगर, बैंगलूर-11 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर-11 दस्तावेज नं० 347 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1098 का 16) के श्रिधीन 24 श्रप्रैल 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के खिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्वतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री ए० एस० पनिडत सुपुत्र एस० पी० पनिडत
 ८/० मैंस्स ए० एस० पनिडत एण्ड कम्पनी 938, नगरथपेट, बैंगलूर (म्रन्तरक) श्री एल० चन्द्रा सुपुत्र बी० एस० कलितान्गदेव नं० 450, 20-'बी०) कास 111 ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर। (ग्रन्तरिती)

3. श्री बी० एम० ललितान्गदेवा (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-श्रक्ष किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 450, '20-बी०' क्रास, III ब्लाक, जयनगर, बगलूर-11।

पू० प० 60' उ० द० 40' क्षेत्रफल 2400 वर्ग फीट सीमा:—

पू० : डा० एम० भ्रप्पाजी का मकान नं० 452। -

प० : 20-'बी' क्रांस रोड।

उः श्री कृष्णमूर्ति का मकान नं० 449।

दः : सैट नं० 451।

दस्तावेज नं० 347/74-75 ता० 24 म्रप्रैंल 1974।

श्रार० कृष्णामूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 28 नवम्बर 1974 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी० भ्रार०-62/2425/74-75—यतः मुझे, भ्रार० कृष्णम्ति,

1961 (1961 आयकर अधिनियम, 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं०सर्वे नं० 86/7 है, जो 1 एकड़ 11 गुन्टे यशवन्तपुर गाँव, बैंगलौर नार्थ तालुक में स्थित है (फ्रौर इसक्षे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय राजाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 648 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29 श्रप्रैल 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलखित व्यक्तियों, अर्थातुः—- श्री टी० बी० बैयन्ना सुपुत्र श्री वेनकटप्पा, 200, सुक्रमन्यपुरम, बैंगलूर-10

(ग्रन्तरक)

2. सी० कन्ना रेड्डी सृषुत्र चिन्नपा रेड्डी, 83, IV ब्लाक, जयनगर , बैंगलूर-11

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तौ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्यत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

ा एकड़ 11 गुन्टे जमीन, सर्वे नं० 86/7, यशवन्तपुर गांव, बैंगलूर नार्थ तालुक।

दस्तावेज नं० 648/29-4-1974।

श्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 30-11-1974 सहायक म्रायकर म्राय्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बैंगलोर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेस्ज, बैगलूर

बैंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सि० ग्रार० 62/2426/7475---यत: आयकर अधिनियम, 1961 श्रार० कृष्णम्ति, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 155, 156, 59 है, जो श्रोल्ड सन्तेपेट, मैसर में स्थिति है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैसूर, दस्तावेज नं॰ 337 में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 अप्रैल 1974 को पूर्वीन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, भव, धारा 269-ग के अमुसरण में, मै, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7—406 GI/74

- 1. (1) श्री जी० बी० विमला
 - (2) श्रीजी० बी० पद्मक्मार
 - (3) कमला
 - (4) निर्मला
 - (5) स्वर्गा
 - (6) सुषीला
 - (7) किमोर
 - (8) यीना वेबी, 43, जयलक्ष्मीपुरम्, मैमूर ।) (श्रन्तरक)
- श्री के० नागम्मा एंड सन्स, 439, श्रोल्ड सम्तेपेट,मैसूर
 श्री श्रार० रामास्वामी, (ग्रन्तरिती)
 - (2) श्री ग्रब्दुल्ला

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

एतद्क्षारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान नं० 155, 156 श्रौर 59, श्रोल्ड सन्तेपेट, मैसूर । दस्तावेज नं० 337/74-75, 121-125 वर्भ ता० 24-4-74

> श्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी

विनांक : 30-11-74 सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) मोहर: श्रजन रेम्ज, श्रीमलर। प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सि० श्रार० 62/2462/74-75---- यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) एम० एफ० मुन्शी, श्रायकर श्रिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठिक है और जिसकी सं० 10/29 है, जो क्रेसेन्ट रोड (रेसकोर्स रोड, क्रास) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 25-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

कौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्मवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत: अय, द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-च की उपघारा (1) के अद्योन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्री राधवेन्द्र राष पूर्नव्या नं० 10, क्रेसेन्ट रोड, बैंगैलूर (श्रन्तरक)
- 2. श्री हेय० वेनकटम्याप्पा, 160, कमब्बनपेट, बैगलूर (म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां मुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुमवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्दारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पवों का, जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

खाली जगह नं० 10/29, क्रेसेन्ट रोड, रेसकोर्स रोड क्रास, बैंगलूर।

$$\frac{105'+116'}{2} \qquad \frac{40'+49'}{2}$$

दस्तावेज नं० 421/74-75/25-4-1974

आर० कृष्णमूर्ति, दिनाक : 30-11-74 सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मोहर:

श्रर्जन रेन्ज, बैंगलर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

बैंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1974 निर्देश सं० सी० श्रार० 62/2417/74-75—यतः, मुझे, ग्रार० कृष्णमूर्ति, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), वैंगलूर, आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 17/20 है, जो स्पेनसर रोड, क्वीवल्यान्ड, टौन, बैंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बैंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17 श्रप्रैल 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के भारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- l. (1) श्री ए० एल० **बाह्या इ**सारायन
 - (2) मास्टर ए० बी० तन्गवेल,

17/3, स्पेनसर रोड, क्लीवय्यान्ड टीन, बैंगलूर (ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पापन्ना सुपुत्र मैसूर तिम्मन्ना
 - (2) श्रीमती गनगम्मा पत्नि पापन्ना

र्ने० 22, यमुना भाई रोड, माधवनगर, बैगलूर (ग्रन्तरिती)

3. मैं० पवर एण्ड पंवर (वह व्यक्ति, जिसके श्रिविभोग में सम्पक्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अग्नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 17/10, स्पेनसर रोड, बँगलूर। सीमा:---

पू० : 17/3, स्पेनसर रोड, प० : 17/9, स्पेनसर रोड, उ० : 3/6, स्पेनसर रोड, द० : स्पेनसर रोड। दस्तावेज नं० 197/74-75।

श्रीर० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रैंज, बैंगलुर।

दिनांक 30 न**वम्ब**र 1974। मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) लखनऊ दिनांक 21 नथम्बर, 1974

निवेश सं० 39-एस०/म्रर्जन--यतः, मुझे, विशम्भरनाथ प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी स्०बी० 39 है जो, टी० जी० नार्थ चांदगंज हासिंग स्कीम निरालानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 24-4-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्म-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप

से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अस, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सईवा ताज

(प्रसर्क)

2. श्रीमती शांति देवी

(भन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं :---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:---

- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक किता प्लाट नं० बी० 39 जिसका माप 11361 स्क्येयर फिट है और जो कि टी० जी० नार्थ चांधगंज हाऊसिंहग स्कीम (निराला नगर) रखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ

तारीख: 21-11-74

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण,

मोहर:

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण)अर्जन रेज लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निदेश सं० 30-एम०/ग्रर्जन-यतः, मुझे, विशम्भर नाथ अधिमियम, 1961 (1961 軒 43) आयकर की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक बाजार भ्रोर जिसकी सं० है, जो मुहल्ला रिजवी-कां जीनपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जौनपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 9-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अन, थारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्वात्:---

- 1. श्रीमती धनी देवी श्रीर श्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. श्री मंगल प्रसाद ग्रीर ग्रन्थ (ग्रन्सरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एतमुद्धारा कार्यमाहियां मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के प्रति आक्षोप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किसा तीन मजिला मकान जा कि मुहल्ला रिजवी खां जीनपुर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, गक्षम प्राधिकारी

तारीख: 12-11-74 सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) मोहर: ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1974 निदेश सं० 28-एम०/श्रर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है जो, ग्राम दान पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रमरोहा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10-4-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनामा।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही गुक करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

भतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री कुंबर जीत सिंह ग्रीर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वीरेंद्र क्षुमार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एलद्दारा कार्यवाहियों गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतथुद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कलमी श्राम का बाग जो कि 10.56 एकड़ है श्रौर जो कि ग्राम दान पुर जिला मुरादाबाद में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवस (निरीक्षण)

तारीख: 12-11-74 ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप आईं ०टी ०एन ०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

PART III-SEC. 1]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनांक 10 श्र**क्टूबर** 1974

निदेश सं० 28-एम०/ग्रर्जन—यतः, मुझे, के०एन० मिश्रा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० है जो, जि० इलाहबाद

ग्रौर जिसकी सं० है जो, जि० इलाहबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इलाहबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 8-4-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभ्रोन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री मोहन मुरारी लाज

(अंतरक)

2. श्री माधव लाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान जिसका क्षेत्र फल 225 वर्ग गज है श्रीर यह जिला इलाहबाद में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-10-1974

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सम्बार

कार्यां त्या, सत्नामक जासकर भागुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज, लखनळ

लखनऊ, दिनांक 30 नवम्बर 1974]

12-जी ०/ग्रर्जन--यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है है जो, मु० भदरा गंज जि० जिसकी सं० बदायुं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के बदायं में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन 24-4-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति क। उचित बाजार मूर्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्रित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या छससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिस किए गए हैं।

अतः, अब, श्रारा 269-ध के अमुसरण में. मैं आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीन निम्निषिद्यत व्यक्तियों, अर्थान:—

1. श्री शैदा हुसैन और मन्य

————— (भ्रग्तरेक)

🤼 श्री गया प्रसाद

(शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिये एतद्दारा कार्यवाहियां शरू कल्ता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस मुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतत्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त मब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक किता मकान जो कि मुहरूला भदरा गंज जिला बदायुं में स्थित हैं।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 30-11-74 सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण मोहर: श्रर्जन रेंज, लखनऊ प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक, 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 40-एस०/ग्रर्जन--यत , मुझे विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और सं० 26 है जो, भ्रलोर्प बाग इलाहाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 8-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकार बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 8 - 406 GI/74 । श्री विपन विहारी श्रीवास्तवा

(ग्रन्तरक)

2. डा० सुभाष चन्द्र ग्रौर श्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जो सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना की गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

एक किता प्लाट जो कि 40×80 है श्रौर यह श्रलोप बाग इलाहाबाद में स्थित है इसमें एक कमरा भी है।

विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 28-11-74

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक, 25 नवम्बर, 1974

निदश सं० 42-एस०/ग्रर्जन--यत:, मुझे, बिशम्भर नाथ, श्रिधिनियम, (1961 ग्रायकर 1961 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है ग्रौर है जो, मौजा-श्रदिलनगर में स्थित **भ्रौ**र जिसकी सं० है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) प्रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) **के ग्रधीन** 16-4-74 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यम।न प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यत: भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही णुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्नत: ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, धर्षात:—

- 1. श्रीमती जय रानी देवी
- (अन्हर्क)
- 2. मैसर्स-साह इन्वेस्टमेंट कम्प०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह ऋधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षोपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख औरस्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा श्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्व वर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

एक किता कृषिक भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 बीघा है, मौजा ब्रादिलपुर जिला-लखनऊ में स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक: 25-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ, का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 26 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 41-एस०/प्रर्जन---यत:, मुझे विशम्भर नाथ, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मल्य 25,000/- ६० से मधिक है ग्रीर जिसकी सं० 72 से 75 तथा 79 से 81 है जो, ग्राम खपरड़ा जिला नैनीताल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नैनीताल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-4-1974 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री परसी रोलैंड शर्डी
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शशी प्रभा देव व प्रन्य
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियक्ष किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कृषिक भूमि जो कि 359 नाली है और जिसमें एक कच्चा मकान है और यह ग्राम खपरा जिला नैनीताल में स्थित है।

> विशम्भर नार्थ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 26-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिवांक 29 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 32/म्रार०/म्रर्जन---यत :, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की धारा 269-ख के अधीन प्राधिकारी सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० रो अधिक है और है जो, जिला मरादावाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भ्रमरोहा मे भारतीय रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908 (1908) के प्रधीन 27-4-74 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर **मिनिय**म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- 1. श्री राम बहादूर श्रौर श्रन्य
- (ग्रन्तरेक)
- 2. श्री राम किशोर ग्रौर ग्रन्य
- (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक किला मकान जो कि जिला मुरादाबाद में स्थित है।

विधाम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 29-11-1974

प्रारूप आई०टी०एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 31-एम०/ग्रर्जन---यत :, मुझे, विशम्भर नाथ 1961 भ्रायकर ग्रधिनियम. (1961 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25.000/-रुपये से अधिक है उचित बाजार म ल्य है जो, ग्राम वरगावा में स्थित है श्रीर जिसकी सं० (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण **प्रिधिनियम** 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है **कि यथापूर्वोक्त** सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का (11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. य० पी० फाईनेंसीयल कारपोरेंशन
- (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स मिरर फार्म प्राईवेट लि॰
- (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृद्धारा कार्यवाहियां मुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों दिय कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पराके अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त गब्दों और पवों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

एक प्लाट जो कि 11887 वंग फीट है श्रौर यह ग्राम वरगावा जिला लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 30-11-74

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांर्क 26 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 30-ए/श्रर्जन---यत :, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० ---- है जो, श्रवमगरि गंज में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 24-4-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिप्तियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब घारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थीतः —

1. श्री विजय बहादूर श्रौर अन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्राशा रानी ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतय्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक किला मक्षान जो कि 250 वर्ग गज में है श्रौर मुहल्ला अवमगरि गंज बरेली में स्थित है।

विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 26-11-74

मोहरः

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लखनऊ का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 27 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 14/अर्जन जे०—यत:, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पये से अधिक हैं और जिसकी सं० नं० 153 है, जो मुहल्ला बिहारी पुर धोल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है, , रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अग्निनयम, 1961 (1961का 43) के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- 1. श्रीमती गिरजा देवी स्कसेना
- (ध्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जमना देवी श्रीर श्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्बारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि 200 वर्ग गज में मुहल्ला विहारीपुर धोल बरेली में स्थित है श्रीर उसमें श्रन्य इस प्रकार हैं:--

- ग्राऊंड फ्लोर—तीन कमरे, एक ड्राईग रूम, एक रसोई घर दो शोचालय एक स्नान घर न
- फ्रास्ट फ्लोर—तीन कमरे एक शोचालय स्नान घर एक स्टोर ।

विशम्भर नाय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 27-11-1974

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

ध्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 38-एस०/प्रर्जन--यतः, मुझे, विशम्भर नाथ म्रधिनियम, भागकर 1961 (1961 軒 43) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं०.....है, जो मुहल्ला मिर्जापुर श्रहाता वोतिया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गोरखपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाजत भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयथा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्रायकर प्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की श्रार 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयोत:— 1. श्री हरिण चन्द्र ग्रीर अन्य

(श्रन्तरकः)

भीमती भारदा देवी और भन्य

भ्रन्**त**रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह ग्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए धाक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुमें जाने के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयंकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान श्रीर प्लाट जो कि मुहल्ला मिर्जापुर श्रहाता स्रोतिया जिला, गोरखपुर में स्थित हैं।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-11-1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) क ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायव श्रायकार शायुक्त (निरीक्षण) गर्मन भेंच, नम्बन्छ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 37-एस०/ग्रर्जन-यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, श्रायरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000 हपये से अधिक है और जिसकी सं० पुराना नं० 651, नया 111071 हे, जो दरयावाद इलाहाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के ग्राधीन 8-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितयों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः श्रव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिथीत् :----

श्री वरम दीन ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)

श्री सालिग राम द्विवेदी श्रौर श्रन्य (श्रन्तरिती)
 9—406GI/74

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सृचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा शाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्क किसा 'मकान दो मंजिला जो कि मुहल्ला दरयावाद इलाहाबाद में स्थित है ।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

तारीख: 12-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर क्षधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15 नवम्बर 1974

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/392/74-75--यतः, मुझे सिंह सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्नर्जन रेंज चण्ड़ीगढ़ ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है श्रौर जिसकी संख्या भूमी है जो काराबारा, तै० में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1974 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) घोर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए शुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) भाग सिंह पुत्र श्री हरी सिंह कारा बारा, लुधियाना । (ग्रम्सरक)
- (2) मै० न्यू इण्डिया कालोनाईजर्ज, 55, भदौड़ हाऊस, लुधियाना द्वारा श्री बाक्त कृष्ण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सृचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतब्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनिथम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 7 कनाल 1 मरला जो कि तर्फ काराबारा तहसील सुधियाना पर स्थिति है। (जैयदाद जैसी कि रिजस्ट्री-कर्ता लुधियाना शहर के कार्यलय में प्रप्रैल, 1974 में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1045 में लिखा गया है) खेवट नं० 1164/1265, खातौनी नं० 20/24 किला नं० 20/5।

जी० पी० सिह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 15 नवम्बर 1974

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०———— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

PART III-SEC. 1]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15 नवम्बर 1974

निदेश स० एल० डी० एच०/सी०/189/74-75/ ----यतः, मुझे जी० पी० सिंह सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिल बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है श्रीर जिसकी संज्या बाडेवाले में जमीन का एक टुकड़ा है जो तहसील लुडियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीइत विलेख के धनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्य-धाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा मिमिलिखित किए गए हैं। ग्रतः श्रम, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर प्रधिगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:---

- (1) मेंजर श्रवसार सिंह पुत्र सरदार बुहादर कैपटन जसवन्त सिंह पुत्र सरदार जगत सिंह, निवासी (खेवटदार बाड़ेवाल श्रवाना) 238, माड़ल टाऊन, लिधयाना। (श्रन्तरक)
 - (2) (i) श्री नछत्तर सिंह, पुत्रान्य श्री जागीर सिंह,
 - (ii) श्री सुरजीत सिंह पुत्र सरदार हजारा सिंह
- (iii) श्री दलजीत सिंह, निश्वासी फतेह पुर श्रवाना तहसील, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के प्रति घाक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी व्यक्ति द्वारा, ध्रश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ब्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ब्रन्तरिती को दी जायंगी।

एतद्कारा भागे यह श्रिष्ठसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अपनित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ध्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पवों का, जो भायकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

खेती बाड़ी की भूमी क्षेत्रफल 3 बीगा 16 बीसवा खेवट नं० 268 खतौनी नं० 279, खसरा नं० 261, गांव बाड़ेबाला ब्रावाना में स्थिति है तहसील और जिला लुधियाना।

जी० पी० सिंह

तारीख: 15 नवम्बर 1974 मोहर: सह

4 सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज , चण्डीगड़ ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

ग्रर्जन रेंज चण्डीगढ

चण्डीगढ़, विनांक 6 नवम्बर 1974

निवेश सं० सी०एच०डी०/84/74-75/ जी० पी०सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 50 सैक्टर 21-ए, है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रशैल, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पशि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भच्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

भतः, अम, घारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्रीमती सुशीला देवी लूथरा पत्नी श्री एच*ा स्त*० लूथरा निवासी मकान नं० 89, माडल टाऊन, यमुना नगर, जिला स्रम्थाला (हरियाणा)।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री श्रमर सिंह पुत्र श्री दलेला राम निवासी मकान नं० 50 सैक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्क्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

मकान नं० 50, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रण वण्डीगरू

तारीख: 6 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/208/74-75/ यतः, मुझे जी० पी० सिंह सहायक भ्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज चण्ड्रीगढ़ मायकर म्रधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269 ख के धाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से मधिक है श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 11-डी०, सराबा नगर है जो लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनसार धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिप्ती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गथा हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रातः श्रान, धारा 269-ग के श्रानूसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निसित व्यक्तियों, श्राप्तत् :— (1) ढाक्टर ग्रवतार सिंह पुत्र डाक्टर रघुबीर सिंह पंजाब ऐगरीक्सचरल यूनिवर्सिटी, सुधियाना।

(ग्रतन्तरक)

(2) श्रीमती नरिन्दरजीत कौर पत्नी सरदार हरपाल सिंह, सहेड़ फारम बलासपुर जिला रामपुर (यु०पी०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एकद्वारा कार्यवाहियाँ करता हुं:---

जमत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यिव कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० डी०-11, सराबा नगर, लुधियाना।

जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहाथक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , चण्डीगढ़

तारीख: 11 नवंग्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 26 श्रन्तूबर 1974

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/391/74-75/ ---यतः, मुझे जी० पी० सिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- ह० से उचित बाजार न्नौर जिसकी संख्या मकान नं० बी-XIX/552 पी० समतरी रोड़ है जो लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि भन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रौर/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यतः श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों म पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

पत . भन, धारा 209ना के अनुसरण में, प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--

(1) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री सीता राम, निर्वासी समितरी रोड़, सिविल लाईन्ज, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) एस० एम० जैन सभा रजिस्ट्ररड सिविल लाईन्ज, लुधियाना द्वारा श्री राम रकशपाल, संजानची 428, कालेज रोड़, सिविल लाईन्स, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के एतदुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की श्रवधि, जो भी श्रवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एसव्हारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे ग्रौर उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति की, जिसने ऐसा भाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्वारा भ्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, घाक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान जोकि नं बी-XIX/552पी ः; समतरी पोइ, सिविल लाईन्ज, लुधियाना।

जैसे कि रिजिस्ट्री कृत के विलेख नं० 1652 मई 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी०पी० सिंह

तारीख: 26 ग्रन्तूबर 1974

राक्षम प्राधिकारी

मोहरः

सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, चण्ड़ीगढ़

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1974

निदेश सं० सी०एच०डी०/83/74-75 :---यतः, मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अजन रेंज चण्डीगढ़ म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रु० से उचित बाजार मूल्य भ्रौर जिसकी संख्या शाप कम फ्लैटनं० 19,सब्जी मन्डी,सक्टर-26, है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपा**बद्ध** श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) कि श्रधीन 1974, अप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात भ्रधिक है और यह कि भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्राथकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

ग्रौर यत: ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रत: श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, ग्रर्थात् :--- (1) श्री राम गोपाल सोफत, पुत श्री गण्डा राम, 1046 सीमटर 8-सी० चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) (i) श्री इन्द्रर जीत सिंह पुत्र श्री बजन सिंह, (ii) श्रीमती ग्रमरत कौर गिल पुत्री श्री प्रीतम सिंह गिल द्वारा श्री वखतावर सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह, गोव ग्रीर डाकखाना ग्रम्बारा तहसील जगरावा, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के एतद्ढाराकार्यवाहियां गुरु करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख गौर स्थान नियत किए जाएंगे ग्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप-कम-फ्लैट नं० 19, सब्जी मन्डी,सैक्टर 26, घण्डीगढ़।

जी० पी० सिह

तारीख: 30 अन्सूबर 1974

मोहरः

974 सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **श्रायुक्**त (निरीक्षण)

भ आयगर्यानुगरं (गरायान) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ् प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

श्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15 श्रमतुबर 1974

निदेश सं० बी०जी०ग्रार०/1/74-75/ जी० पी० मिह महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ़ श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रीर जिसकी संख्या 1/10 भाग प्लाट नं० 15 का है जो न्यू फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के श्रधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, प्रप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है कुौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 1) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यत आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के णब्दो में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रत : ग्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रर्थान :--- (1) श्री एम॰ एल॰ मुखी पुत्र श्री महेश चन्द १-५/३७ लाजपत नगर नहें दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती मालती दीवान पन्तनी डाक्टर एस० पी० दीवान 1007, सैक्क्टर 27-बी०, चण्डीगढ़।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के द्रार्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रिप्त इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न्यू फरीदाबाद में दिल्ली मथुरा मेव रोड पर गड़ीर फैक्टरी के सामने, होलीडे-इन के नजदीक बलाक 'ए' सैक्टर 11, माड़ल टाऊन, प्लाट नं० 15 (क्षेत्रफल 5219 वर्ग गज) का 1/10 भाग प्लाट का कुल क्षेत्रफल 5219 वर्ग गज है।

पूर्व: खाली प्लाट नं० 17-ए, श्रौर 19-ए,

पश्चिम : रोड़

उत्तर:खाली प्लाटनं० 13-ए।

दक्षण: रोड़।

जी० पी० सिह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 15 ध्रमतूबर 1974

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ध**(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनाक 15 भ्रक्तूबर 1974

निदेश स० बी०जी०ग्रार०/2/74-75/ --पतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, चण्डीगढ

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269 खन के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुल्य 25,000/-रु० से उचित बाजार श्रौर जिसकी संख्या 1/5 भाग प्लाट नं ० 15, है जो न्यू फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, श्रद्रैल,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए राजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई श्रीर मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियो को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 1) या श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यत : ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

अत : अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, श्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों. ग्रर्थात् :---10--406G1/74

(1) एचा० एल० बस्त्रणी पुत श्रीदीनानाथ के०-107, कालकाजी, नई दिस्ली।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती मलती दिवान, पत्नी डाक्टर एम० पी० दिवान 1007. सैम्टर 27-बी०, चण्डीगरू।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां श्र्रूकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्य ब्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह भ्राधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे भ्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भ्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भ्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैराके अधीन सूचना दी गई है. आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ऋधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो श्रायकर **प्रधिनियम**, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न्य फरीबाबाद, दिल्ली मथुरा मेन रोड़ पर, होलीडे-इन के नजदीक बलाक 'ए' मैक्टर 11 माङ्ल टाऊन, सैक्टर 11 में प्लाट नं० 15 (रक्बा 5219 वर्ग गजका 1/5 भागप्लाटका कुल क्षेत्रफल 5219 वर्ग गज है।

> पूर्व : खाली प्लाट नं० 17-ए, ग्रीर 19-ए पश्चिम: रोड

उत्तर खाली प्लाट न० 13-^ए दक्षिण : रोड

> जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख . 15 भ्रम्तूबर 1974

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनोक 15 श्रक्तूबर 1974

निदेश सं० बी०जी०ग्रार०/3/74-75/ — प्रतः, मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण ग्रजैन रेज, चण्डीगढ़ ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मृत्य 25,000/- के से ग्रिधिक है

भीर जिमकी संख्या 1/5 भाग प्लाट नं० 15 है जो न्यू फरीदाबाध में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्बगढ़ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत
विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है भौर यह कि धन्तरक (ग्रन्तरकों) भ्रौर ग्रन्सरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
किथा नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रौरयतः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

अतः श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रबात :--- (1) श्री एम० के० जैन, पुत्र श्री फतेह चन्व .5-ए 4-ए, दरीया गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मालती दिवान परनी डाक्टर एस० पी० दिवान, 1007, सैंक्टर, 27-बी, चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति धाक्षेप, यवि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियोपर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावंर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतय्द्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आर्गे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथी का, जो आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वही ग्रधी होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न्यू फरीदाबाद में, दिल्ली मथुरा मेंग रोड पर, गडोर फैक्टरी के सामने, होलीडे-इन के नजदीक ब्लाक 'ए' सैक्टर 11 माडल टा ऊन में प्लाट नं० 15 (रक्बा 5219 वर्गगज) का 1/5 भाग प्लाट का कुल क्षेत्रफल 5219 वर्ग गज है।

पूर्व: खाली प्लाट नं० 17-ए ग्रीर 19-ए,

पश्चिम: रोड।

उत्तर:खाली प्लाट 13-ए।

दक्षिण: रोड।

जी० पी० सि ह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, चण्डीग

तारीख: 15 भ्रम्तूबर 1974

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

> भारत सरकार सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रोंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1974

निदेश सं० बी०जी०ग्रार०/4/74-75/ ∽--पतः मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रज चण्डीगढ़ ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विम्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-€0 से ग्रधिक श्रीर जिसकी संख्या 1/5 भाग प्लाट नं० 15-ए है जो न्यू फरीवाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बस्लबगढ़ में भारतीय रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, प्रप्रैल, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पुठयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) के भिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यत: श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः पव, धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :---

- (1) श्रीमती ग्रमर कौर पत्नी श्री राम लाल,सी०-2/11, पीती फारम, जगाधरी। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मालती दिवान पत्नी डाक्टर एस० पी० विवान, 1007, सैक्टर 27-बी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां कह करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबझ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

एतद्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति ४स सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतप्दारा ध्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचनादी गई है, ध्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदा का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

न्यू फरीदाबाध में, दिल्ली मथुरा मेन रोड पर होली छे-६न के नजदीक क्लाक 'ए' सैक्टर 11, माडल टाऊन में प्लाट नं० 15 का 1/5 भाग प्लाट का कुल ऐरिया 5219 बर्गगज है। पूर्व: खाली प्लाट नं० 17-ए ग्रीर 19-ए।

पश्चिम: रोड।

उत्तर: खाली प्लाट नं० 13-ए,

दक्षिण: रोड।

जी०पी०सिह्, सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 15 अन्तूबर 1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), मोहर: अर्जन रेंज, चण्डीगढ प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालम, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज चण्डीगढ़

> > चण्डीगढ, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1974

निदेण सं० बी०जी०श्रार०/5/74-75-यत., मुझे जी०पी०सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चन्डीगढ़ (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 1/5 भाग में प्लाट नं० 15-ए० है, जो न्यू फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रमैल,

के पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर धेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उप-धारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरिकशन लाल, पुत्र श्री मेहर चन्द, 358, लाजपत नगर, जालन्धर। (ग्रन्तरक) (2) श्री हंस राज पुत्र श्री रौनक राम, गांव श्रीर डाक खाना मुन्क, जिला संगरूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एसव्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो, हो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुमवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(मित्ती 5219 वर्ग टाऊनगज)

न्यू फरीदाबाद में दिल्ली मथुरा मेन रोड पर गडौर फैक्टरी के सामने होलीडे इन के नजदीक ब्लाक 'ए॰' सैक्टर 11, माडल हाऊस, प्लाट नं॰ 15 का 1/5 भाग प्लाट का कुल ऐरिया 5219 धर्ग गज है।

पूर्व : खाली प्लाट नं० 17-ए० ग्रीर 19-ए०।

पश्चिम : रोड ।

उत्तर : खाली प्लाट नं • 13-ए०;

दक्षिण : रोड ।

जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 15-10-1974।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 10 श्रक्तुबर 1974

निदेश स० बी०जी० आर०/9/74-75—यत:, मुझे जी० पी० सिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक), अर्जन रॅज, चण्डीगढ आयकर प्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है और जिसकी सं० फैक्टरी गंड जो प्लाट नं० 56 सैक्टर 6, एन० आई० टी० है जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वल्लबगढ़ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत ग्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय था किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यतः ब्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पात्त के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए है।

भता अब धारा 269-ग के प्रानुसरण में, मैं, श्रामकर प्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- (1) मैं० पार्डनर सर्पोटस वर्क्स प्रा० लि० जालन्धर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ऊषा मोहिन्द्रा पत्नी श्री बरह्य स्वरूप मोहिन्द्रा, निवास 5/120, नैशन हट, रेलवे रोड, फरीदाबाव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए एतद-बारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप यदि कोई हो, तो:----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ध्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख ध्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ध्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपीं की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी शैड प्लाट न० 56, सैक्टर 6, एन० श्राई० टी० फरीवाबाद। घिरा हुआ इस प्रकार है:——

> उत्तर: फैक्टरी (प्लाट नं० 57), विक्षण: सड़क 100' (इसके पीछे सैक्टर 4 मुख्होता है); पश्चिम. फैक्टरी (प्लाट नं० 55), पूर्व: सड़क 60'.

> > जी०पी० सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, वण्डोगढ़

नारीख: 10-10-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगळ, दिनांक 1 5 ग्रक्तूबर, 1974

निर्देश सं० बी०जी०श्रार०/10/74-75—यतः, मुझे जी० पी० सिह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनयम,

(1961 43) की धारा 269-er 1961 विशवास के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अधिक 25,000/- रुपए श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 68 में श्रन०एच० न० 1, है जो फरीदा-बाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
इन से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत: अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात :---

(1) श्री शिव लाल पुत्र श्री वावन राम.
 15/52, करोल बाग, नई विल्ली । (ग्रन्तरक)

(2) श्री जुगल किशोर भाटिया पुत्न श्री ईश्वर दास, 5-एल०/20-ए०, एन० ग्राई० टी० फरीदाबाद। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यिष कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

ह्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

(मिन्ती 1200 वर्ग गज)

फरीदाबाद में मै० फलवीनेटर के नजवीक रेलवे रोड प्लाट नं० 68 ग्रान० एच० नं० 1

> पूर्व: खाली जमीन पश्चिम: रेलवे रोड उत्तर: प्लाट नं० 69 वक्षण: प्लाट नं० 67 1

> > जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, चण्डीगढ़ा

तारीख: 15-10-1974।

प्रदेष आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1974

निदेश सं० बी० जी० श्रार०/11/74-75—यत., मुझे जी० पी० सिंह सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ श्रायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फैक्टरी, बिल्डिंग जो प्लाट नं० 347 व 348 सँक्टर 24, इन्डस्ट्रीयल डिवालपमेंट एरिया में स्थित है जो फरीदा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रिजरट्री हत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पृष्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपश्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) रोशन लाल गुप्ता पृक्ष श्री चिमन लाल गुप्ता, बी०एच०-4, ऐन० डी० ऐंस० ई० 🌃, नई विल्ली। (ध्रन्तरका)
- (2) मै॰ फरीदाबाद सपीनिग एैण्ड बुलन मिल्ज, (प्रा॰) लि॰ 130, कौटन स्ट्रीट, कलक्षला। (भ्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यवि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फैक्टरी बिल्डिंग जो प्लाट नं० 347 और 348, सैक्टर 24, इन्डसट्रीयल डिवेंलपर्मेन्ट ऐरिया, फरीदाबाद में स्थित घरा हुआ इस प्रकार है ——

पूर्व: सड़क 40'

पश्चिम : प्लाट नं० 345; उसर : प्लाट नं० 349; दक्षिण . सङ्क्ष 100'

> जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रजेन रेंज, **पण्डी**गढ

तारीख: 10-10-1974।

प्रसप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1974

निवेश सं० सी०एच०डी०/97/74-75—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी एस० सी० घो० नं० 84-85, सैक्टर 17-सी० है, जो चण्डीगढ़ (1/2 भाग) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, ग्राप्रैल.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिपत्न के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से, ऐसे दृष्यमान प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपत्न, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (स्त्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए कए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री काशमीरी लाल गिलहोतरा. मतवना श्री किशोर लस्ट फाजिलका

(ग्रन्मरकः)

(2) श्रीमती रामा गुप्ता पत्नी श्री लखशवीर गुप्ता, 79-बी०, माइल टाऊन, पटियाला !

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी **करके पूर्वोक्**त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्यारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

एस० सी० श्रो० नं० 84-85, सैक्टर 17-सी०, चण्डीगढ । (1/2 भाग)

जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 9-10-1974।

प्ररूप आर्ड० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त</mark> (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निदेश सं० एल० डी०एच०/सी०/209/74-75:---यतः, मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्ता उचित बाजार मृध्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० डी०-10, सराबा नगर, है जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर जिससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, ग्रप्रैल को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ना पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से बिधल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही मुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अनीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) डाक्टर भवतार सिंह, पुत्र डाक्टर रघ्बीर सिंह, पंजाब ऐगरीक्लचरल यूनिविसिटी, ल्धियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा सेठी, परनी श्री रूमेश सेठी निवासी 350-हीरा सिंह रोड लिधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० डी०-10, सराबा नगर, लुधियाना।

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 11 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, विमांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सि० म्रार० 62/2481/74-75-- यत[.] मुझे भ्रार० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण (बैंगलूर) आयकर अधिनियम 1961

(1961का 43) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 108 है, जो दिवान सुरप्पा लेन चिकपेट, बैंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय गान्धीनगर वैंगलुर दस्सावेज नं॰ 140/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1974

उचित पुर्वोक्त सम्पत्ति कें याजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए रिजस्ट्रीकृत के विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **ज**चित वाकार मूल्य, **उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमा**न प्रतिफल का -पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अर्न्तारती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय याकिसी धन याअन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िधपाने के लिए भूकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं :

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

1 श्रीमती (1) गण्याबाई (2) गण्याबाई पत्नी के० पुखराज जैन (2) के० पुखराज जैन, 108 दिवान सुरप्पालेन चिकपेट बैंगलूर।

- 2. सुन्दरा देवी मूबा पत्नी श्री कालूराम मूबा, धेवर, (अन्तरिती) राजस्थान।
- 3 (1) प्रकाश ट्रेडिंग कार्पेरिशन (2) नेमि कुमार एण्डकस्पनी। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचनाके उत्तर में विए गए आ क्षेपों,यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत विए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमे ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैराके अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकान जो नं० 108, दिवान सूरप्प लेन , चिकपेट, बैगसूर में स्थित हैं। सीमा:--

- दूकान जो प्रकाश ट्रेडिंग कम्पनी के अधीन हैं —— पू०: खुली जगह ग्रीर कुन्दन मार्केट
 - प ः ग्रन्तरक की सम्पत्ति

 - उ० रास्ता
 - द० अन्तरिती को विकाष्ट्रभाव्कान
- 2. दुकान जो जे० नेसि कुमार के अधीन है—
 - खूली जगहऔर कुन्दन मार्केट
 - प० अन्तरक की सम्पत्ति
 - उ०: अन्तरिती की सम्पत्ति
- द०: काल्रुराम मुधा की सम्पत्ति

दस्तावेज नं० 140/7-4-74

श्रार० फुब्णम्ति,

तारीख: 30-11-74

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण

मोहर '

ग्रर्जन रेंज. बैगल्र।

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगल्र, दिनांक 30 नवम्बर 1974

सी० ग्रार० 62/2182/74-75--म्रायकर भायक्त यत: मुझे, भार० कृष्णमूर्ति, सहायक (निरीक्षण), बैंगलूर प्रायकर भ्रिधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 108 है, जो दिवान सुरफा लेन, चिकपेट बैंगलर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यासय बैंगलर दस्तावेज 141/74-75 में नं० भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन भ्रप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर यह कि अम्सरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

 (1) श्रीमती गज्याबाई पत्नी लेट कस्तूरचन्द कुन्दनमल, (2) गज्याबाई पत्नी के० पुखराज जैन (3) के० पुखराज जैम, 108, वीवान सूरफा सेन चिकपेट, बैंगसूर (श्रम्तरक)

- श्री प्रेम चन्द मूथा पुत्र नेमिचन्द मूथा, बेवर, राजस्थान (श्रन्तरिती)
- 3. (1) मैं मिथलाल सम्पतराज एण्ड कं०, (2) कस्तूरचन्द कुन्दनमल (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएंगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियागया है।

अनुसूची

दो दूकान जो न० 108, दिवान सूरफा लेन, चिकपेट, बैंगलूर में स्थित हैं।

- 1. दूकान जो मिथलाल सम्पत्तराज के प्रधीन है।
- 1. पू० के० कालूराम मुधा की सम्पत्ति

प०: ग्रन्सरिती का बुकान

उ०: मन्तरक की सम्पत्ति

द०: मामुलपेट रोड

2. प्रकान जो के पी जैन के श्रधीन है --

पु०: ग्रन्तरिती का दुकान

प०: अस्तरक का दुकान

उ०: भ्रन्तरक की सम्पत्ति

द०: मामलपेट रोष्ट

श्रार० कृष्णमित

तारीख: 30-11-74

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

मोहरः

ग्रर्जन रेंज, दैगलुर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)**का कार्यालय ग्रर्जन रेंज बैंगलूर

वैंगलूर दिनांक 30 नवम्बर 1974 सी०म्रार०-62/2555-ए०/74-75--यत. निर्देश म्झे, म्रार० कृष्णमूर्ति, सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), वंगलुर प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 新 43) की धारा के अधीन सक्षम 269-₹4 को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- र० से अधिक है **ग्रोर** जिसकी सं० 213 है, जो ${
m IV}$ मैं γ रोड, चामराजपेट, बैगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनग्डि, बैगस्र-4 दस्तावीज नं० 661 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) पूर्वोक्त सम्पति के के ग्रधीन 15-5-1974 को उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयगान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-फल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत आयकर आधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ध्रायक्षर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्षर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिधित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपजारा (1) के अजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री के० ग्रार० पांडुरंग से 127, रामा विश्वमा, वासकी टैम्पल स्ट्रीट विश्वेश्वरपुरम्, बैंगलूर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वै० सी० चैन्नरासप्पा, $47/1,\ V$ मैन रोड चामराजवेट, वैगलूर (भ्रन्तरिती)
 - 3. श्री एम॰ वी॰ वेंकटरामय्या सेट्टि (यह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 195 नया नं 213, ग्रौर नया नं 230, IV मैन रोड, चामराजपेट, बैगलूर।

पू॰ प॰. 30', उ॰ द॰: 108'

पूर्व: सट्टर रनगप्पा कामकान

पश्चिम: एम० एस० ननजुनुष्टमा का मकान

उत्तर: कनजरवेनसी लेन

दक्षिण: Iv मैन रोड, भामराजपेट

न्नार० कृष्णमूर्ति, स**क्षम प्राधिकारी**

तारीख: 30-11-1974 सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर श्रर्जन रेज, बैगलर। प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय बर्जन रेंज बैंगलूर

क्षेंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/2480/74-75— यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आककर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० 108 है, जो देवन सूरप्पा लेन, चिकपेट, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दस्तावेज नं० 139/74-75 गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकार बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

क्षीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

जत: अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती गण्णाबाई पत्नी स्व० श्री कस्तूरचन्द कुन्दनमल
 - (2) गजाबाई परनी श्री पुखराज जैन,
 - (3) के० पुखाराज जैन, 108 विवान सुरप्पा लेन चिकवेट, बैंगलूर (अन्तरक)

- कालाराम मूया सुपुत्र श्री अवलदास मृथा, बेबार राजस्थान। (अन्तरिती)
 - (1) मैं० महेन्द्रकुमार ललित कुमार एण्ड कम्पनी
 - (2) मदनलाल भोरमल एण्ड कम्पनी
 - (3) प्लासटिक सेल्स कार्पेरिशन

(वह व्यक्ति, जिसके अधिक्षोग में सम्पत्तिहै) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् एतवृद्वारा कार्यवाद्वियाँ मुक्त करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा । स्पद्धीकरण-:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यक्ष

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यक्षय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

तीन दुकान मुनिसिपल नं० 108, दिवान सूरप्पा लेन, चिकपेट, बैगलूर ।

दूकान जो मदनलाल भोरमल एण्ड क० के अधीन है:--पूर्व : खाली जगह और कुन्दन मार्केट

पश्चिम : ग्रन्तरक की सम्पत्ति।

उत्तर : सुनदेवी मूथा का दुकान । दक्षिण : अस्तरिती का दुकान ।

 तूकान जो महेन्द्रकुमार लिलतकुमार एण्ड क० के प्रधीन हैं:→ पू० : खाली जगह ।

प०: अन्तरक और पी० मुथा की सम्पत्ति:

उ०: ग्रन्तरिती का युकान ।

दूकान जो ग्लास्टिक सेल्स कार्पॅरिशन के ग्रधीन है:---

पू:खाली जगह

प:पी० मूथा की सम्पत्ति

उ: मन्तरिती का दुकान

व : मामलपेट रोड स्ट्राकेस संव 190/9-4-3

दस्तावेज नं ० 139/8-4-74

आर० कृष्णमूर्ति, सक्षम मधिकारी

विनांक 30-11-74 सहायक श्रायकर **भावुक्त (निरीक्षण)** मोहर : श्रजैंस रेन्ज, बैंगलूर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28-11-1974

निवेश सं अमृतसर/पी ०एच ०एल ०/एपी-1366/74-75---यत: मुझे बी० भ्रार० सागर श्रायक२ श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक ग्रोर जिस की संव धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नव 1 ग्राप्रैल 1974 लिखा है, जो गांव रूढ़का खुर्द में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्वश्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, फिल्लोर में भारतीय रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख श्चनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (भ्रन्सरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने के लिए सुकर बनाना; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

धौर यत : श्रायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाही शक करने के कारण मेरे द्वारा श्रिधिलिखित किए गए हैं।

अत: श्रव, धारा 269-ग के धनुसरण मे, मैं, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात् :---

- (1) श्रीमती दलीप कौर विधवा वुकन वासी गौराया त० फिल्लौर (श्रन्तरक)
- (2) श्री करनेल सिंह पुत्र जोगित्र सिंह बासी लिलियां त० फिल्लीर (श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिक्रोग़ में ग्राधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा भागे यह भिधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भिधीन सूचना दी गई है, भिक्षेपों की सुनवाई के भ्रमय सुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा।

स्पन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फिल्लीर में लिखा है।

> वी० श्रास्० सागर सक्षम **प्रधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर ।

तारीख 28-11-74 मोहर्: प्ररूप धाई० टी० एम० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, ग्रमुतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं ० ग्रम्तसर/जालंधर/ए०पी० 1367/74-75--यतः म्झे बी० भ्रार० सागर भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-व० से अधिक है स्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 691 अप्रैल 1974 लिखा है, जो भाहर वाग जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उरावब अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, प्रप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित मुख्य के बाजार प्रतिफल के द्श्यमान लिए विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिक्षीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए। था, खिपाने के लिए सुकर बनाना;

स्रोर यत: श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं

आतः भ्रम, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपवारा (1) के ग्रजीन निम्नलिखत व्यक्तियों, ग्रथितु :---

- (1) किवार नाथ पुत्न निहाल चंद पुक्त गणेश दास ई० जे० 260 चाहर वाग , जालंधर (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीण सोंधी पुत्र राम लाल मोंधी पुत्र नियामत राय, एन० डी, 84 विकास पुरा, जालंधर (अंतरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह ब्यक्ति जिसके श्रिधभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो (बह ब्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के प्रति प्राक्षेप, यदि कोई है तो .--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

एतव्यारा यह प्रधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के अपर में किये गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख धौर स्थान नियत किए जाएगे धौर उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमे ऐसा श्राक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूववर्ती पैरा के अधीन स्चमादी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो घायकर ग्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 व में यथापरिभाषित है, वहीं घर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

सम्पत्ति नं० ई० जे० 260 साहर वाग जालधर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 691, अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालंधर में लिखा है

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निवेश सं० अमृतसर/जालंधर/एपी-1365---यतः मुझे वी०

श्रार० सागर आयकर श्रिषिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 423 अप्रैल 1974 लिखा है, जो नजदीक माइल टाउन जालंधर में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बींणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ग्रप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक

है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-

लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, छिपाने के सिए सुकर बमाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- श्री मोहिंदर सिंह जमाल पुत्र जगत सिंह 373/8, सैंद्रल टाऊन, जालंधर । (श्रन्तरक)
- क्षेत्र कुमार पुत्र रौंकी राम ग्रौर विजय कुमार पुत्र तेलू राम हिस्सेवार गोपाल भायल मिल्क, 7 नसँरी रोड माडल टाऊन, जालंधर (ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रक्रिक्तोप में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 423, ग्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालंधर में लिखा है ।

> वी० आर० सागर, सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, श्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ग्रमृतसर/जालधंर/ए०पी०-1368/74-75---यतः मुझे वी० ग्रार० सागर

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है भौर जिसकी श्रौर जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 462 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो एम० टी० रोड़, जालंधर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्र अनुसूची में ग्रौर पूणं रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालंधर

में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, श्रिशैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कचने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनामा;

और यत; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 12--406G1/74

- (1) श्री केवल फ़ुल्ण गोयल पुत्र मिलखी राम गोयल जालंधर। (अन्तरक)
- (2) सरोज बाला पत्नी श्री रतन सिंह, सोहन लाल पुत्न नागीना सिंह एन० डी० 73 विक्रमपुरा जालंधर। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ब्युवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतस्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पस्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 462, अप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालंधर में लिखा है। वी. श्रार० सागर सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/ए०पी०-1369/74-75--- यतः मुझे बी० श्रार० सागर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक श्रीर जिस की सं० सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 195 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो नजदीक ब्रस स्टैण्ड, क्यूरथला में स्थित है (ग्रार इससे उपावन्ध श्रनुसुची में ग्रार पूर्ण रूप से बर्णिस है, रजि-स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिम्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अंनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोदत सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के भव्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1)के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कलावंती पत्नी स० भरपूर सिंह, कश्रूष मार्फत हरदयाल सिंह, जनरल पावर श्रदानी वासी कांगी भवन, कपूरथला । (श्रन्तरक)

- (2) राधा स्वामी सत संघ घर वियास (रजिस्ट्रर्ड सोसेस्ट्रर्टी मार्फत श्री एस० एल० सोडी) (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभाग में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति जिसके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विने के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एलब्हारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सूनकाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 195, श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, क्पूरथला में लिखा है।

> वी० श्वार० सागर, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

तारीख: 28-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज श्रमृतसर कार्यालय अमृतसर दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथ ला/ए०पी०-1370/74-75---यतः अधिनियम, मुझे वी० श्रार० सागर **आय**कर (1961 का 43) की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है भ्रौर जिस की सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 224 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीयदिजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 1974, भर्पेल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि य यापुर्वोषत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ब्रिज मोहन, मदन मोहन, यश पाल, राकेश कुमार पुत्र नत्थु राम वासी लाहौरी गेट, क्यूरयला (ग्रन्तरक)

- (2) मैसर्ज नित फाऊलड लिमिटड, सुल्तानपुर रोड, कपूर-थला (मार्फत श्री श्रार० ग्रार० सोंधी, मैनेजिग डायरैक्टर, कपूरथला) (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ञ है)।

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्श्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया काता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे भ्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2249 घप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, कपूरथला में लिखा है ।

> वी० ग्रार० सागर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख 28-11-74 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर दिनाँक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० अमृतसर/फिल्लौर/ए० पी०-1371/74-75--यतः, मुझे वी० ग्रार० सागर भ्रायकर श्रधिनियम 1961,(1961 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है **ग्रौर जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 188**, श्रप्रैल 1974 में लिखा है, जो गांव रामपुर तहसील फिल्लीर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्र ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, ग्रप्नैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ्ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-तय पाया भया लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अत: अब धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) गुरशरन सिंह पुत्र ईश्वर सिंह पुत्र बहादुर भगत सिंह वासी फिलौर इस समय रेलवे गार्ड, अजमेर। (अन्तरक)

- (2) गुरवास राम पुत्र रला राम रतन चन्द एण्ड राम भ्रासरा, सुखदेव करतार चन्द पुत्र श्री गुरदास राम पुत्र रला राम वासी नगल खेरा, तहसील फगवाड़ा द्वारा श्री सन्त राम (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह ब्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, नो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आकेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 188, श्रप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर।

तारीख: 28-11-74

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 28 नवम्बर 74

निदेण सं० श्रमृतसर/फिल्लौर/ए० पी०-1372/74-75—-यतः मुझे वी० श्रार० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से प्रधिक है भ्रौर जिस की सं० धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 262 भ्रप्रैल 1974 लिखा है, जो गांव थाल्ला में स्थित है (श्रौर इससे पायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, श्रप्रैल को सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान

प्रभाग के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के कीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्राय-कर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यत: श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रद्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जम के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

भतः श्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिष्ठ-नियम 1961 (1961 का 43)) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:---

(1) श्री निर्मल तेज सिंह पुत्र श्रजीत सिंह पुत्र गुरिदत्ता सिंह वासी थाला त० फिल्लौर । (अन्तरक)

- (2) श्री हरवंसा सिंह कलवंत सिंह पुत्र दरवारा सिंह वासी थाला त० फिल्लौर (श्रन्तरित)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में मिच रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एसवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह मधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के क्रजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अंतरिती को बी जाएगी।

एसद्द्वारा ग्रागे यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई हैं ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित ह. वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 262 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

दिनांक: 28-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— हर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भागकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यांक्षय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

> श्चर्जन रज, श्रमृतसर अमृतसर, तारीख 28-11-1974

निदेश सं० श्रमृतसर/जालंदर/एपी-1377/74-75---यतः मझे बी० भ्रार० सागर, आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ४० से भ्रधिक है श्रीर जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 656 भ्रप्रैल 1974 लिखा है, जो किंगरा, जालंधर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, (रजिस्ट्रीकर्ता) श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, अप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख ग्रनुसार भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमात ग्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे **ग्र**म्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बमाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क मध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गर्य हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-

- (1) श्री गुरबचन सिंह चीमा पुत्र जगत सिंह, भूपिंदर सिंह, मिनन्दर सिंह, जितदर सिंह पुत्र गुरवचनसिंह मार्फत श्री श्रमरजीत सिंह, मैनेजिंग डायरैक्टर, मैसर्ज मिड लैण्ड फाइनैंस (प्रा०) लिमिटेड, लल्ली बिल्डिंग, जी० टी० रोड, जालंधर (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्ज मिड लैण्ड फाइनैंस (प्रा०) लिमिटेड, (मार्फत श्री अमरजीत सिह, मैंनेजिंग डायरैक्टर) लल्ली बिल्डिंग, जी० टी० रोड़, जालंधर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभाग में श्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेंगी।

एदव्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो तस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 656 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, जालंधर में लिखा है

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 28-11-74

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०——— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर अमृतसर, तारीख 28-11-1974

निदेश सं० श्रमृतसर/जालंधर/एपी-1378/74-75--यतः मुझे वी० श्रार० सागर आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, मूल्य 25,000/- र० से उचित बाजार ग्रौर जिस की सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1082 श्रप्रैल 1974 लिखा है, जो गराह रोड़, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रकरण भ्रधियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974, अप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिएप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई भ्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

श्रीर यत : ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 4)3 के श्रध्याय 20-क के खब्दों म पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए है।

न्नत: ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, ग्रर्थात्:---

- (1) श्री बसन्त कौर पत्नी साधु सिह पुत्र राम सिह निवासी बाऊरा जिला जालन्धर (अन्तरक)
- (2) रेशम सिह पुत्र गुरबखश सिह पुत्र भ्रतर सिह निवासी बहारवाल तहसील नवां महर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह ब्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपो, यदि कोई हो, के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा ग्रागे यह ग्रिधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रिधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रिधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1082 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 28-11-1974

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-

आयक्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयम्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०श्रार/जालन्धर/ए०पी०-1379/74-75-यत:, मुझे बी० भ्रार० सागर, आयकर अधिनियम, 269-घ के अधीन 1961 (1961 का 43) की धारा सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य से अधिक ₹ भ्रौर जिसकी 25,000/-रु० धरती का टकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1083, प्रप्रैल 1974 लिखा है, जो गराह रोड़ जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) आंर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्हरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात :—

- 1. श्रीमती बंसत कौर पुत्नी साध् सिह पुत्र राम सिह निष्मिति। भाऊरा, जिला जालन्धर । (श्रातरक)
- 2. श्री हरदीश सिंह पुत्र रेशम सिंह नियासी बाहारवाल तहसील नवां सहर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई त्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्ह्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को थी जाएगी।

एतथ्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अग्निनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1083 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, श्रमतसर

दिनांभ: 28-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 29-ए/ग्रर्जन-यतः, मुझे, विशम्भरनाथ, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी संव सीव-126/31, 1 से 10 है, जो बीव एनव रोड लखनऊ में स्थित है (ब्रीए उससे उपाबद्ध धन्सूची मे ब्रीए पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीवर्ही श्रधिकारी कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्द्रोफरण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजर दृष्टित विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

असः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——
13—406 GI/74

श्रीमती सरोजनी मुट्टु

(ग्रम्तरक)

2. श्री भ्रव्दल कैयम भीर भ्रम्य

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान न० सी०-126/31 जो कि बी० एन० रोड लखनऊ में स्थित है।

्विशस्भ रनाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

तारी ब: 21-11-74 सहायक भायकर श्रायक्त (मिरीक्षण) भोहर भाजन रैज, लखनऊ। प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

क्षायंकर किंकियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269-ध (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं० ए एस म्रार/एपी-1361/74-75---यतः, मुझे बी॰ मार॰ स.गरआयवर ४६ तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है **भौर** जिसकी सं० 1/2 कोठी नं० 1260 सी० एल०, जी० टी० रोड, धमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 475, धर्मैल 1974 लिखा है जो 1260 सी० एल०, जी० टी० रोड, ध्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमुतसर में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मप्रैल, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोनत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमाम प्रतिपक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपक्ष का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर पत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-म के भरदों में पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के बारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भत: अब, घारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:—

- (1) श्री बलवन्त राय पुत्र ज्ञान चन्द नागपाल, 139, डिफैन्स कालौनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुलक्षणा ग्रग्नवाल पत्नी चरंजीय लाल, 53, दयानद नगर, ग्रमृतसर श्रीर किशोरी लाल, श्रशोक कुमार पुत्र जिया राम खुल्लर, (ग्रन्तरिती) 51, कटरा शेर सिंह, ग्रमृतसर।
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। वह (व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति (वह श्यक्ति जिसके बारे में में रुचि रखता हो अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कौई हों, तौ:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सें किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितखद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूषित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोटी नं० 1260 सी० एल०, जी० टी० रोड, समृतसर जैंसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 475, स्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, समृतसर में लिखा है कोटी के पिछली तरफ।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी,

तारीखः 28-11-1974 । सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) मोहरः अर्जन रेंज अमृतसर प्रका आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 15 ब्रक्तूबर, 1974

निदेश सं०एस०एम०एल/ 16/ 74-75-यतः, मुझे जी पी० सिंह, सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भण्डीगढ् मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रुपये से अधिक भौर जिसकी सं० प्लाट स्टेशन बारड में है, जो छोटा शिमला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में भारतीय रजिस्ट्री-**करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 1974,** अप्रैल को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार ष्ट्रभ्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री**इत** विलेख के अमुसार अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिप ल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के रिए प्रतिपक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के भाद्यों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नालिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नरायण दास पुत्र श्री रामू, गांव बुल्लर, सहसील जुब्बाल, जिला शिमला। (ग्रन्तरफ)

- (2) सर्वेश्री
 - (i) सुरेश चन्द्र भलायक पुत्रान श्री राम दियाल (ii) रूमेश चन्द्र भलायक भलायक,गांव भट्टी तहसील असुनार सैन, जिला शिमला
 - (iii) विनोव कूमार सिंघापु रे पुत्रान श्री भगत सिंह (iv) सुशील कुमार सिंघा सिंघा, गांव मागुस ≻तहसील कुमार सैन जिला शिमल।
 - (v) सतीम कुमार भलायक पुत्रान श्री हरी चन्द (vi) मुगोल कुमार मलायक भलायक, गांव भुट्टी तहसील कुमार सैन, जिला मिमला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यितियो पर सूचना की सार्म ल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थादर सम्पत्ति में हिस्द दृ विसी अन्य ध्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसृचित निया जाता है कि इसस्यावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में निए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत निए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टोकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों और पशें का, जो आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में स्थापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्टेशन बारड छोटा शिमला में——खसरा नं० 292, 293 श्रीर 294 मिन्ती 1090 वर्ग गज 35 वर्ग फुट, जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 214 श्रील, 1974 को सब-रिजस्ट्रार शिमला के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी,

तारीखः 15-10-1974। सहायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) मोहरः प्रजन रेंज, चण्डीगढं प्ररूप चाई० टी० एन० एस०--

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, विनांक 30 नवम्बर, 1974 निवेश सं अंशिक्यार 62/2362/74-75---यत: मुझे, मार० कृष्णमूर्ति, सहायक भायकर मायुक्त, (निरीक्षण) बैंगलूर, मायकर मधिनियम, 1961(1961 का 43)की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से श्रधिक नया नं 18 इमारत सहित है, जो म्नलसूर रोड, बैगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-नगर, बैंगलूर, दस्तावेज नं 114/74-75 में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यत: ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रिधिलिखित किए गए हैं।

भत: श्रब, घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, ध्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात :—

- श्रीमती शकुन्तला पक्षी श्री एम०टी० सुबरत्नम शिपस्माणा,
 700-ए, IV मैन रोड, पार्सी कोलोनी संबर्ध-14 (मन्तरक)
- 2. श्रीमती बीं व्यू वसन्ता, परनी बीं एस उर्मापति, प्लाट नं 28 सीं एक्सटेंशन ग्रानगोलमल, तिलक्षवाड़ी बेलगाम (ग्रन्तिरती)
 - 3. श्री घार० सी० परी (वह व्यक्ति जिसके घछि-भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति धाक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यवतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरताक री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित निया जाता है कि इस श्यावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख श्रीर श्यान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तिती को दी जाएगी।

एतदहारा भ्रागे यह श्रिधसूचित विया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूषवर्ती पैरा के श्रिधीन सूचना वी गई है, श्राकेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पटीकरण: - इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो भायकर श्रिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापित्भाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमसधी

प्लाट नं सी-1,पुराना नं 5ए/3, मया नं 18, मलसूर रोड, बैंगलूर, इमारत सहित।

सीमा:---

उत्तर: प्लाट 'डी' श्रीमती कनगमाल का

दक्षिण: 16' रास्ता

पूर्व: श्रीमती सुशीला का प्लाट नं० सी-2

पश्चिम: 25' विशाल रास्ता

दस्तावेख नं० 114/74-75

मार० क्रध्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बैंगलूर।

सारीख: 30-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैगलूर

बैगलर, दिनांक 25 नवम्बर, 1974 निदेश सं० सी०श्रार०-62/2360/74-75---यतः मुझे मार० कृष्णमति. सहायक ध्रायकर आयुक्त (निरक्षिण), बैगल्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 **5**T 43) सक्षम की धारा 269-ख के अधीन प्राधिकारी को, यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है भौर जिसको सं० खुली जगह सर्वे नं० 230 भीर 231 है, जो डोड्रिगुन्टा, भावस टीन, बैगलूर में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बैगलूर दरतायेज नं०67/74-75 में भारतीय रजिरदीय रुप नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-4-1974 पुर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिरट्रीष्ट्रत दिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत इधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्टरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर अत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोधत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत: अब, द्यारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमती के एन० भाग्यलक्ष्मी, नं० 9, कैमब्रिष्ण रोड़ श्रलसूर, श्रलसूर-8 (माहति सिनेमा के पास) (श्रन्सरक)
- 2. श्री धार० सम्पतराज, 1056, VII मैन रोड श्रीराम-पुरम, धँगलूर-21 (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िकसी अन्य ध्यवित द्वारा, अधोष्ट्रसाक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

खुली जगह सर्वे नं० 230 भीर 231, डोड्डिगुम्टा, काकस टौन, बैगलूर। क्षेत्रफल 90'×60'=5400 वर्गफीट दस्तावेज नं० 67/74-75 तारीख 3-4-74।

> ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रेंज, बैंगलूर।

तारीख: 25-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

भायकर अधिनिसम, 1961 (1961 या 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) का कायशिय धर्जन रेंज, धमतसर

धमतसर, दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निवेश संब ए एस झार०/जालन्धर/एपी०-1363/74-75-स्तः, मुझे यी मार० सागर,

स्रधि नियम 1961 (1961 की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से अधिक है मौर जिसकी सं० घरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 68 मप्रैल, 1974 लिखा है, जो गांव लिदरां, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जारन्धर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधि-**प्रधि**नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974 प्रप्रैल, की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल. निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अत: अब, घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) सर्वश्री ज्ञान सिंह ग्रीर पूर्ण सिंह पुत्र हरनाम सिंह श्रूसी गांव लिंदरां ग्रीर प्यारा सिंह पुत्र भगत सिंह, वन्ती, गान्ती ग्रीर चिन्ती पुत्रियां श्री हरनाम सिंह, गांव लिंदरां (जालन्धर)। (अन्तरक)
- (2) श्री हरिकशन लाल पुत्र त्रिज लाल पुत्र ग्रमींचन्द, 452, न्यू जबाहर नगर, जालन्धर। (अन्तरितीं)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशित की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के मास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित! को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुमवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पध्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर किवियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 68 मप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकृत भ्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-11-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ध्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 28 दिसम्बर 1974

निदेशां सं० ए एस प्रारं०/एच एस पी०/एपी०-1362/74-75--यतः, मुझे घी० झार० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ह० से अधिक है धौर जिसकी संव धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नंव 13, भप्रैल 1974 लिखा है, जो गांव भेहतपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भ्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)रिअस्ट्रीकर्ता घधि-कारी के कार्यालय बलाचौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, प्रप्रैल, को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिशाने के लिए शुकर बनाना।

और यतः आयकरं अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) के अडगाय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यं। बाह्या शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अंब, घारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री हाकम सिंह पुत्र वजीर सिंह सैनी गांव मेहतपुर, त॰ वलाचौर, जिला होशियारपुर। (भन्तरक)
- (2) श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री रन सिंह पुत्र श्री वजीर सिंह ग्रीर श्री करतार सिंह पुत्र श्री छज्जू पुत्र श्री रमन गांव मेहतपुर। (अस्तरितीं)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर हैं।

(वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति की सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अबोह्रस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख सें
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसके ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आओपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

धनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्लिख नं० 13, भन्नैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, वलाचौर में लिखा है।

> वी० आर० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज अमृतसर

तारीख: 28-12-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायकत (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, प्रमृतसर

षम्तसर , दिनांक 28 नवम्बर, 1974

निदेश सं० ए एस भ्रार० कि पी एल० एपी०-1364 74-75-
यतः, मुझे बी० ग्रार० सागर, आयक्तर अधिनियम, 1961
(1961. का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम

प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- ६० से अधिक है

पौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 147

प्राप्तेल 1974 लिखा है, जो नजदीक सिविल होस्पीटल, कपूरथला
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजत
है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन
1974, ग्रील,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोक्टल विलेख के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निर्मल सितन्द्रा सिंह पत्नी डा॰ सितदरा सिह पूजी शार॰ बी॰ दीवान सुन्वर दास सूद पुत स्वर्गीय हरनाम दास वासी 27, राजपुर रोड, दिल्ली-6 मार्कत श्री शमशेर सिंह पुल श्रार० बी० दीवान देवी सिंह मार्फत जे० एन० सिंह एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड, वासी श्रार० बी० प्रकाश चन्द रोड श्रमृतसर।

(जी० ऐ० धाफ दी वैनडर)।

(अन्तरक)

- (2) श्री दिविदर कुमार जैदका पुत्र लाला तेलू राम पुत मेहर चन्द वासी हरनाम नगर, कपूरथला । (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिद्योग में अद्योहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को धी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे ध्यवित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: स्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 147 ग्राप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

> धी० म्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-11-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैगलोर

बंगलर, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी० ग्रार० नं० 62/2364/74-75-यतः, मुझे, ग्रार० छ्रष्णपूर्ति सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) बैंगलोर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से अधिक है भीर जिसको सं० सैट नं० 6 है जो II स्टेज, राजाजीनगर, बैंगल्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बैंगल्र, दस्तावेज नं० 81 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4 ग्रमेल 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनसार अनिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है अर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराष्ट्रिक नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बोरय्या सुपुत्र श्री केट मिनाथ बोरय्या, एम० 5, लक्ष्मीनारायणपुर, III काम, श्रीरामपुर, बैंगलूर-21 । 14-406 GU74

2. श्री एम० गन्गाधरन, 9, लक्ष्मीनारायणपुर, श्रीराम्पुर वैंगलूर-21। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे य्यंक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सैंट नं० 6, II स्टेज राजाजीनगर, बैंगलूर-10। हिबीजन नं० 3। दस्तावेज नं० 81/74-74/4-4-74। क्षेत्रफल $45'\times100'=4500$ वर्ग फीट।

श्चार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, बैंगलूर।

दिनांक: 30 नवम्बर 1974।

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

कायकर अधिनियम, 196) (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर भायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भ्रमतसर

अमतसर, दिनांक 28-11-1974

निदेश सं० धमतसर/पठानकोट/एपी-1374/74-75--यतः मुझे बी० ग्रार० सागर आयकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं छौर जिसकी सं० 1/2 भाग कोठी छांगु रोड पठानकोट, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 60 अप्रैल 1974 लिखा है, जो ढांगु रोड़, पठानकोट, में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के भ्रधीन 1974, भ्रप्रैल को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण किखित में बासतिक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, पी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) जमना दास सेठी पुक्ष ठाकुर दास मार्फत मैसर्ज असमा दास कस्त्री लाल, ढांग रोड़, पठानकोट (ग्रन्सरक)
- (2) श्री कस्तूरी लाल पुत्र श्री शिव नाथ ग्रब टिम्बर मधैंट, 36 वजीर बाग, श्रीनगर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (यह प्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में क्षि रखता हो (यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियाँ मुख्यकरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना भी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे य्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यिवत को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/2 भाग कोठी ढांगु रोड़, पठानकोट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 60, ग्रप्रैल, 1974 को रस्ट्रिकिती भधिकारी पठानकोट में लिखा है।

> सी० धार० सागर सक्षम प्रधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, धमतसर।

तारीख 28-11-1974 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलीर

बैंगलर. दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी ब्रार० 62/2401/7475—यत:, मुन्ने, ब्रार० कृष्णामूर्ति, सहायक ब्राक्यर प्रायुक्त (निरीक्षण), कैंगलूर, श्रायक्षर श्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्राधक है ब्रोर जिसकी सं० सर्थे ने० 29, 30, 31 धौर 34 है, जो कौंग्रेहरूली, कृष्णराजपुरम होबली बैंगलूर सैंट तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विश्वात है), रिजस्ट्रीकर्म श्रीधकारी के कार्यालय, बैंगलूर सैंट तालुक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को० 15 श्रील 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है प्रीर यह कि अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरितों (प्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत आयकर भिधितयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने के लिए सुकर बनाना भीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 1) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यस : श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीकलिखित किए गए हैं।

ग्रत : प्रब, घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रिधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, ग्रथित :—

- श्री श्रद्धल श्रजीज कुष्णराजपुरम, दैगलंर सौत ताल्क (अन्तरक)
- 2 श्री एम० क्रुज्जस्था, **फ्**ण्ल डिपो हुनुमन्तपुरा, II मैन **रोड**, श्रीरामपुरम बैंगलूर-21 (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्दारा यह श्राधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे मं० 29, 30, 31 भीर 34, कौडेहल्ली, कुष्णराजपुरम होब्ली, बैंगलूर सौत तालुक

श्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भाजन रेंज बैगसूर

दिनांक: 30 नवम्बर 1974

प्ररूप ग्राई ब्टी ब्एन ब्एस ब्-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रजन रज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28-11-1974

निर्देश सं० श्रमुतसर/जालन्धर/एपी-1375—यतः, मुझे बी० श्रार० सागर आवकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु० से श्रधिक है धौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 657 भप्रैल 1974 लिखा है, जो राम नगर, जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974, भ्रप्रैल को पूर्णिक्स सम्पत्ति के जित्रत बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ष्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरका) धौर धन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, भ्रौर/या;
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या झायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना ।

भीर यत:, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43). के भ्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए है।

भ्रतः, भ्रव, धारा 269-ध के भ्रनुसरण में, मैं भायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसरज दोग्राबा बिलडरज (प०) लिमिटेड जालन्धर द्वारा श्री शाम कुमार भारद्वाज जी० ए० शाफ

- लक्ष्मी देवी पत्नी प्रेम पाल और भीरा देवी पत्नी गाम कुमार मारफत सत पाल पंडित एण्ड को० परापरटी डीलरज जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) जोगिन्वर कौर पत्नी सोहन सिह श्रौर सोहन सिंह पुन देहरा सिह गांव श्रौर पोस्ट शाफिस जगतपुर तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई स्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवझ है)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति भांक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा, म्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जायेंगे शौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह भ्रधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

घरती जैसा कि रजिस्होकृत विलेख न० 657 श्रप्रैल 1974 को रजिस्होकर्ता श्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> वी० श्रार० साग**र** सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 28-11-1974 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक भ्रायकर मायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० भ्रमतसर/जालंधर/एपी-1376/74-75-यतः, आयकर ममे वी० श्रार० सागर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 653 धप्रैल 1974 लिखा है, जो किंगरा, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, जालंधर भे भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, प्रप्रैल को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से हेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उबत अन्तरण लिष्टित में दास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्राह्माय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) गुरवचन सिंह चीमा पुत्र जगत सिंह, भूपिंदर सिंह, मनिन्दर सिंह अतिन्द्र सिंह पुत्र गुरवचन सिंह मार्फत श्री श्रमरजीत सिंह, मैनेजिंग डायरैक्टर, मैसर्ज मिड लैण्ड फाइनैस (प्रा०) लिमिटेड, लल्ली बिल्डिंग जी० टी० रोड़, जालंधर। (श्रन्तरफ)
- (2) मैसर्ज भिड लैण्ड फाइनैस (प्रा०) लिमिटेड, (मार्फत श्री ग्रमरजीत सिंह मैनेजिंग डायरैक्टर) लल्ली बिल्डिंग, जी० टी० रोड़, जालंधर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उंक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्यावर सम्मति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेतों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एनद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-कृ में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 653 श्रप्रैल 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, जालंधर में लिखा है।

वी० भ्रार० सागर सझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख : 28-11-1974 मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-1, बैंगलूर बैंगलूर दिनांक 30 नवस्वर 1974

62/2366/74-75--- यतः,

निर्देश सं० सी० धार०

किया गया है ---

मुझे, भार० कृष्णामूर्ति, सहायक श्राक्यर श्राय्वत (निरीक्षण) बैगलुर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रु० से अधिक है भीर भौर जिसकी सं० सैंट 1 भौर 2 है जो III स्टेज, राजाजीनगर बैंगल्र में स्थित है श्रौर(इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बैंगलूर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 4-4-1974 की को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी वरने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बमाना।

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री टी० किनगस्या सुपुत्र लेट सिपाय बोरण्या, एमेक 5, लक्ष्मीनारायणपुरम, III कास, श्रीरामपुरम बैंगलूर-21 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ए० पन्चाकरम सुपुत्र धरमुगम, मं० 16/1, घ्रोकली पुरम. बैंगलूर (श्र तरिनी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो सो:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैराके अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्डीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 1 भ्रोर 2, III स्टेज, राजाजीनगर भैंगलूर, डिबीजन 3, $60' \times 90' = 5400'$ क्षेत्रफल। दस्तावेज नं० 83/74-75 दिनांक 4 भ्रप्रेल 1974।

भ्रार० कृष्णामूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज बैंगलुर।

विनाक: 30-11-74

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण),

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 9-एच०/म्रर्जन—यतः, मुझे, विशम्भरनाथ, सहायक भ्रायकर भ्रायकत निरीक्षण लखनऊ भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269 खके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- १० से अधिक है है जो, क्वीन्टन रोड, में स्थित है श्रीर जिसकी सं० (भौर उससे उपाबढ़ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन 29-4-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित मे भारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत भ्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धध्याय 20-क के गरदों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रभिलिखित किए गए हैं।

मतः भव, धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मै, श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित ध्यन्तियों, अर्थात्:— 1. श्री हेमन्त दास व श्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स हरमन्विर रिलीजस एण्ड चैरिटेबिल सोसायटी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति धाक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (म) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य ध्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किए जाएंगे धौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा धाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को वी जाएगी।

एतद्द्वारा ग्रागे यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट 10 कच्चे मकानो सहित, जिसका क्षेत्रफल 22,180 वर्ग फुट है, क्वीन्टन रोड, लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाय सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जम रेंज, लखनऊ

सारीख: 21-11-1974

मोहुर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए सी क्यू/सी/217/74-75—यत:, जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, चण्डीगढ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० भृमि है, जो तर्फ काराबारा तै० लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इसरो उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लिधयाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974 धप्रैल को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) के अध्याय 20-क के सन्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः, अब, धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः –

- 1. श्री भाग सिंह पुत्र श्री हरी सिंह तरफ कारा देौरा, लुधियाना (ग्रन्तरक)
- मै० न्यू इन्डिया कालोनाईजरजं, लिधियाना द्वारा श्री बाल कृष्ण 55-भदौड़ हाऊस, लिधियाना (श्रन्तरिती)
 भो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीख से 45 दिन की अविधाया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविधा बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को जिसे पूर्ववर्गी पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पद्दों का, जो आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन जो कि तर्फं कारा बारा, लुधियाना में है क्षेत्रफल 8 कनाल है :--

(जैयदाद जैसी कि रजिस्ट्रीकर्ता लिधयाना शहर के कार्यालय में प्रप्रैल, 1974 में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 755, में लिखा गया है)

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 15-11-1974

मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st November 1974

No. Γ -31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector, A. B. Majumdar, to officiate as Assistant Commandant No. 11 Bn. Central Industrial Security Force, Durgapur with effect from the forenoon of 31st October, 1974, who assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of the same date.

The 25th November 1974

No. F-32015(1)/6/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint It. Col. K. Parthasarathy as Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai, on re-employment with effect from the forenoon of 6th November, 1974, until further orders.

The 4th December 1974

No. F-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector Sheo Raj Singh to officiate as Assistant Commadant/Central Industrial Security Force, Telephone Instrument Factory, Naini (Allahabad), with effect from the forcation of 25th November, 1974, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.Id.—The President is pleased to appoint Inspector Bisad Sarkar, to officiate as Assistant Commandant/(Junior Administrative Officer). Central Industrial Security Force, Eastern Zone with Hqrs. at Calcutta with effect from the forenoon of 23rd November, 1974, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

The 10th December 1974

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector M. K. Chopra to officiate as Deputy Superintendent of Police, Intelligence Wing, Central Industrial Scurity Force with Hqrs. at New Delhi with effect from the forenoon of 22-11-1974, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

The 13th December 1974

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector V. Mulidharan to officiate as Vice-Principal, Central Industrial Security Force Training College, Hyderabad with effect from the afternoon of 30th November, 1974 who assumed the charge of the post with effect from the same date, vice Shri K. B. Nair, who on transfer to Thumba, relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of the same date.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector G. S. Nurpurl to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Uranium Corporation of India Limited with Hqrs. at Jaduguda with effect from the forenoon of 1st December, 1974, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector M. L. Abrol to officiate as Assistant Commandant No. 13 Battalion, Central Industrial Security Force, Heavy Engineering Corporation. Ranchi with effect from the forenoon of 30th November, 1974 who assumed the charge of the post with the same date, vice Shri S. M. Saini, who on transfer to Baroda, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of the same date.

No. F-38013(3)/15/74-Ad.I.—On transfer to Bhilai, Shri M. L. Khurana, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant 11 Battalion Central Industrial Security Force, Durgapur with effect from the afternoon of 30th September, 1974.

L. S. BHIST Inspector General

DIRFCTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE

FORCE

New Delhi-110001, the 2nd December 1974

No. O.II-25/69-Fstt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRPF, Lt. Col. U P Sinha relinquished charge of the post of Commandant 3rd Signal Bn CRPF on the afternoon of 27-10-1974.

The 3rd December 1974

No. F.3/1/74-Estt.(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis, Shri P. K. Menon, Assistant Commandant as Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. He handed over charge of the post of Assistant Commandant 34th Bn. CRPF on the forenoon of 16th Oct. 1974 and took over charge of the post of Commandant 53rd Bn. CRPF on *ud-hoc* basis on the afternoon of 21st Oct. 1974.

The 6th December 1974

No. 4/49/72-Ests.—Consequent on the expiry of one month's notice served on him the services of Shri Sarjit Singh, Dy S.P. (Coy. Commander) 27th Bn., CRP Force are terminated with effect from 19th September, 1974.

No. O.II-127/72-Estt.—Consequent on his reversion to Army, Major A. L. Teri, handed over the charge of the post of Assistant Commandant 2nd Signal Bn., CRP Force, Hyderabad on the afternoon of 21st November 1974.

No. O.II-1023/72-Ests.—Consequent on his appointment as Company Commander on deputation in the ITBP, the services of Shri D. K. Shaima, Dy. SP (Coy. Commander) 4th Bn., CRP Force are placed at the disposal of the ITBP w.e.f. the afternoon of 31-10-1974.

The 7th December 1974

No. O.II-117/71-Estt.—The President regrets to notify that Shi P. K. Vellayudhan Assistant Commandant 42nd Bn. CRPF expired on 18-11-1974.

The 9th December 1974

No. O.II-976/74-Estt (CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Binod Bihari Jena, as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the afternoon of 3rd October, 1974.

2. Dr Binod Bihari Jena, is posted to 39th Battalion, C.R.P. Force.

The 10th December 1974

No. O.II-979/74-Estt.(CRPF).—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Sanjoy Kumar Ray, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 2nd October, 1974.

2. Dr. Sanjoy Kumar Ray, is posted to 58th Bn., CRPF.

The 12th December 1974

No. O.II-966/74-Estt. (CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Ashok Kumar Das, as Junior Medical Officer in the CRP Force on *ad-hoc* basis initially for a period of one year w.e.f. the forenoon of 25th September, 1974

2. Dr. Mohammad Saqib, is posted to 10th Bn., CRPF.

No. O.II-970/74-Estt. (CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Mohammad Saqib, as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis, initially for a period of one year with effect from the forenoon of 27th September 1974.

2. Dr. Mohammad is posted to 10th Bn., CRPF.

No. O.II-975/74-Estt. (CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Bamadev Mohanty, as Junior Medical Officer in the CRPF, on ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 28th September 1974.

2. Dr. Bamadev Mohanty, is posted to Group Centre, CRPF, Kishangarh (Raj.).

No. O.II-963/74-Fstt. (CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Multani Ram Lamba as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 11th November 1974,

2. Dr. Multani Ram Lamba is posted to Group Centre CRPF, Jammu.

The 13th December 1974

No. O.II-958/74-Estt.(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. SHRINATH PURAN-DARE. as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 30th September, 1974.

2. Dr. Shrinath Purandare, is posted to RTC.I., CRPF, Barwaha (M.P.).

No. O.II-16/74-Estt.—The President is pleased to appoint Shri B. Varma, an IPS Officer of UP Cadre on deputation as DIGP, in the CRP Force.

2. Shri Varma took over charge of the post of DIGP, CRPF. Srinagar on the forenoon of 26th November 1974.

S. N. MATHUR Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA

New Delhi-110011, the 6th December 1974

No. 25/23/74-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri P. K. Saha, a grade IV officer of the Indian Statistical Service as Research Officer in the office of the Registrar General, India in a temporary capacity with effect from the afternoon of 12th November 1974 until further orders.

2. The headquarters of Shri Saha will be at New Delhi,

The 11th December 1974
No. 25/2/74-RG(Ad.1).—In continuation of this office
Notification No. 12/2/74-RG(Ad.1), of 19th October, 1974,
the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of
Shri R. Y. Revashetti as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Director of Census
Operations, Karnataka till 28-2-1975 on the existing terms and
conditions,

No. 25/32/74-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri G. S. Kanekal, Deputy Secretary, Karnataka Pa-Commission, Bangaloro as Deputy Director of Census Operations, Karnataka in an ex-officio capacity with effect from the afternoon of the 7th October, 1974 upto the 31st December 1974.

BADRI NATI

Dy. Registrar General, India ex-officio Dy. Secy

New Delhi-11, the 11th December 1974

No. 25/2/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/2/74-RG(Ad.I), dated 15th October 1974 the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri B. S. Narsimha Murthy as Dy. Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kannataka till 28th February 1975 on the same terms and conditions.

BADRI NATE Dy. Registrar General, Indi cum-Dy. Secy

INDIA GOVERNMENT MINT

Calcutta-700053, the 5th December 1974

No. P-157/13420 —Shri R. N. Neogy, Permanent Deput Accountant, India Government Mint, Alipore, Calcutt 700053, is appointed as Bullion Registrar in the same d par ment on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 840-1,000-F.B-40-1,200 in an officiating capacity with effect from the afternoon of November 30th 1974 until further order vice Shri K S. Subramaniam, retired.

D. C. MUKHERJE. Master of the Min

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL RAJASTHAN & CHANDIGARH, JAIPUR

Jaipur, the 6th December 1974

No. Admn.II/G-SIM.—The following Section Officers of the office of the Accountant General, Rajasthan & Chandigard Jaipur are appointed as officiating Accounts Officers until further orders from the dates noted against each:—

S/Shri

- 1. Sampat Lal Mathur-6-11-74 (A.N.).
- 2. Behari Lal Verma—6-11-74 (A.N.).
- 3. Brii Behari Lal Saxena-6-11-74 (A.N.).
- 4. Shyama Sharan-6-11-74 (A.N.).
- 5. Madan Gopal Thavani-8-11-74 (F.N.).
- Kani Ram Vyas—8-11-74 (F.N.).

BALDEV RA

Senior Dy. Accountant General (Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH—I: GWALIOR

Gwalior, the 4th December 1974

No. Admn.I/3135.—The Accountant General, Madhy Pradesh-I has been pleased to ampoint the following permit nent Section Officers as Accounts Officer in officiating capacit from the dates mentioned against each until further orders:

S/Shrl

- 1. Virendra Singh-28/10/1974 Forenoon.
- 2. V. G. Phadke-28/10/1974 Forenoon.
- 3. Hari Singh-28/10/1974 Forenoon.
- 4. M. M. Kumbhare-31/10/1974 Forenoon.
- 5. M. L. Bhutana-26/11/1974 Forencon.

M. M. NARASINGHAM

Dy. Accountant General (Admn

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL **OMMERCE WORKS & MISC., NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1974

No. Admn.I/2(1)/IV/8539-54.—The Accountant General, Commerce Works & Misc., New Delhi, is pleased to promote Shri S. K. Ghosh, Section Officer, as Accounts Officer in officiating capacity in the office of the Sr. Dy. Accountant General, Commerce Works & Misc., Calcutta with effect from 30-7-1974 (F.N.) until further orders.

P. N. MALAVIYA, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR SOUTH EASTERN RAILWAY, CALCUTTA

Calcutta, the 1st November 1974

Shri Amiya Kanti Bishayec, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chlef Auditor, South Eastern Railway has been promoted to officiate as an Audit Officer in that office from the forenoon of the 4th September 1974 until further orders.

H. S. SAMUEL, Chief Auditor

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR NORTH FASTERN RAILWAY, GORAKHPUR

Gorakhpur, the 6th December 1974

No. Admn./4-1/64.- The following permanent members of the Subordinate Railway Audit Service officiating as Audit Officer have been appointed in a Substantive Capacity w.c.f. the dates noted against each to the post of Audit Officer:—

- 1. Sri P. N. Misra-1-12-73.
- 2. Sri K. K. Sood-1-12-74.

O. P. GOEL, Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 4th December 1974

No. 40011(2)/74/AN-A:—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation—

Sl. Name with Roster No.	Number	Grade	Date from which transferred to pen- sion establishment.	Organisation	
Sa ₁ va _S hri					
1. Bhagwati Prasad (P/203)		. Permanent Accounts Officer	28-2-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meetut.	
2, A.N. Khera, (P/431) .		. Permanent Accounts Officer	28-2-75 (Å N.)	Controller of Defence, Accounts, Central Com- mand, Meerut (on deputa- tion to SIU, Ministry of Finance (Defence) Now Delhi).	
3. Dalip Singh (P/584) .		. Permanent Accounts Officer	31-1-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts (Pensions), Alla- habad.	
4. Bireswar Biswas (O/80)	· · · · ·	Officer	31-1-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts (Pensions), Alla- habad.	

The 5th December 1974

No. 63012-C(4)/74/AN-II.—The President is pleased to promote, on temporary basis asd until further order, the undermentioned Permanent Accounts Officer to fill up the vacant posts in the Time Sacle of the I.D.A.S. (Rs. 400—400—450—480—510—EB—700—40—1100—50/2—1250) with effect from the dates shown against each and to designate them as A.C.D.A.:—

Name

Date of appointment as ACDA

Shri R. L. Narasimhan—24-6-74 (FN), Shri G. C. Chatterjee—21-6-74 (FN).

S. K. SUNDARAM,

Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-1 the 26th November 1974

No. 4/74/M.—On attaining the age of superrunuation (i.e. 58 years) Dr. (Mrs.) B. Barretto, tempy. Asstt. Sugrcon Grade I, Ammunition Factory, Kirkee (Permt. Asstt. Surgeon Grade II) retired from the service w.e.f. 30-4-74 (AN).

R. M. MUZUMDAR, Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE Calcutta-16, the 27th November 1974

No. 50/74/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Das, Offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman) retired from service with effect from 1st April, 1974.

M. P. R. PILLAI, Assisant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Simla, the 4th January 1975

No. 23/3/74-CPl.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 decreased by four points to reach 331 (Three hundred and thirty one) during the month of November 1974 (Converted to base: 1949=100, index for the month of November, 1974 works out to 402 (four hundred and two).

K. K. BHATIA Director

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION Dhanbad, the 10th December 1974

No. Adm.12(5)FA/74.—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri Binod Kumar, Assistant Engineer, Welfare Works Division No. II, Kalla, Asansol relinquished charge on the afternoon of 19-10-1974.

R. P. SINHA

Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE (DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE)

New Delhi, the 3rd December 1974

No. 19/40/72-SD(R).—Consequent on the abolition of the posts in the Social Welfare and Rehabilitation Directorate with effect from the 2nd December, 1974, the President has been pleased to place the services of Shri J. S. Sawhney, an Accounts Officer of the C.&.A.G., and at present on deputation as Deputy Director (Accounts) in the said Directorate, on the basis of the option exercised by him, at the disposal of the Social Welfare Directorate, Delhi Administration on deputation basis with effect from the 2nd December, 1974.

T. S. N. SWAMI Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT (OMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 5th December 1974

No. A.19018/156/74-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri Kailash Nath, a quasi-permanent Small Industry Promotion Officer in the Office of the D.C.S.S.I., New Delhi to officiate as Assistant Director (Gi. II) in the Office of the D.C.S.S.I., New Delhi, on an ud-hoc basis.

He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 11th October, 1974.

No. A/19018/153/74-Admn./G.—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri T. Rajagopalan, a Small Industry Promotion Officer, Extension Centre, Trichur (under Small Industries Service Institute-Trichur) to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Extension Centre, Trichur, with effect from 16th September, 1974, upto 2nd November, 1974, vice Shri E. P. Jacob, granted leave.

No. A.19018/126/74-Admn.(G).—On reversion to the Post of Superintendent, Shri P. Arunachalam relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in the SISI, Goa with effect from the afternoon of 9-8-1974.

K. V. NARAYANAN Director (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

ORDER

SUBJECT:—Cancellation of Customs copy of licence No. P/M/2590098/C/XX/32/M/29/P. I. I. dated 11-8-1969 issued to M/s. Chemi Dyes Manufacturers, Bombay-64.

M/s. Chemi Dyes Manufacturers, 15/27, Sainath Lane, G. B. Road, Malad, Bombay-64 was granted the above mentioned licence by this office for the Import of Dyes Intermediates as per Appendix 24 of the Red Book.

The firm applied for grant of Duplicate Customs purpose copy of the above mentioned licence on the ground that the original licence was lost. It has been stated that the licence was not utilised by them for the balance amount *i.e.* Rs. 50,978.10 P. In support of their claim M/s. Chemi Dyes Manufacturers, Bombay-64 have filed affidavit.

I am satisfied that the original Customs Copy of the licence has been lost and direct that a duplicate Customs Copy of the licence should be issued to the applicant. The original Customs copy of the licence mentioned above is cancelled.

(Issued from file No. NSF/9/OD 68/EPC.III)

Dy Chief Controller of Imports and Exports for Jt. Chief Controller of Imports and Export

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 3rd December 1974

IMPORT AND EXPORTS TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/146/61-Admn.(G)/5585.—The President is pleased to appoint Shri N. C. Rustogi an officer officiating in the Selection Grade of the C.S.S. as Joint Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 26th September, 1974, until further orders.

B. D. KUMAR Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-20, the 3rd November 1974

No. FST.I-2-(617).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 17th October, 1974 and until further orders, Shri Laxmi Swaroop Sehgal as Assistant Director, Grade II (P&D) in this Organisation.

B. N. BASU Dy. Director (Admn.)

Bombay, the 11th November 1974

No. 3(2)/73-74/CLB-II.—In exercise of the powers conferred on me by sub clause (i) of Clause 5 of the Cotton Textile (Export Control) Order, 1949, I hereby direct that the following amendment shall be made in the Textile Commissioner's Notification No. 3(2)/73-74/CLB-II, dated 18th September 1974, namely:—

In the said Notification for the words figures and mark, "This notification shall take effect from the 1st January, 1974" the words, figures and mark "This notification shall take effect from 1st January, 1975" shall be substituted.

K. I. NARASIMHAN Industrial Advisor

Bombay, the 25th November 1974

No. CLBI/5/74.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textile (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLBI/5/65/A, dated the 4th March, 1966, namely:—

In the Table appended to the said Notification, in column No. 2 against Serial Number 10 for the figures, word, and letters "21A and 21B" the figures, mark, word and letters "20, 21A and 21B" shall be substituted.

G. S. BHARGAVA Joint Textile Commissioner

Bombay-20, the 4th November 1974

No. EST.I-2(390).—Shri I. B. Dutt, Additional Textile Commissioner in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, relinquished charge on the forenoon of 1-9-1974 on his retirement from Government service and being granted refused leave for 62 days from 1-9-1974 to 1-11-1974.

S. K. BAGCHI Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 28th November 1974

No. A-1/1(1006).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri P. M. R. Namboodri, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay, to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office at Bombay with effect from the forenoon of 31st October, 1974 and until further orders.

The appointment of Shii Namboodri as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 6th December 1974

No. A-1/1(991).—Shri S. K. Desai, Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay has been reverted to the post of Head Clerk in the office of the Director of Inspection, Bombay with effect from the forenoon of 9th September, 1974.

The 9th December 1974

No. A-17011(77)/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri B. N. Ghosh, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.e.f. the afternoon of the 19-10-1974, until further orders.

S. K. JOSHI.

Deputy Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 2nd December 1974

No. A-15/28(430)/74.—In supersession of the notification No. A-15/28(430)/74, dated 22nd May, 1974, the President is pleased to appoint Shri Γ. V. Anantanarayanan, a permanent Grade I officer of the Central Secretariat Service, to officiate in Selection Grade of the service for the period from 1st May, 1974 to 14th July, 1974 and in that capacity to officiate as Director (Complaints and Public Relations) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, for the aforesaid period.

The President is further pleased to appoint Shri T. V. Anantanarayanan, a permanent Grade I officer of the Cantral Secretariat Service and officiating Selection Grade officer of the service as Director (Complaints and Public Relations) with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders.

The 9th December 1974

No. A-15/28(140)/74.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Joshi a permanent Grade I officer of the Central Secretariat Service, to officiate in Selection Grade of the Service with effect from the forenoon of 1st December, 1974.

The President is further pleased to appoint S. K. Joshi, a permanent Grade I officer of the Central Sccretariat Service and officiating Selection Grade Officer of the Service as Director (Complaints and Public Relations) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 1st December, 1974, until further orders.

The 12th December 1974

No. A-1/1(752).—The President is pleased to appoint Shri G. Raman, Assistant Director of Supplies (Grade I), Grade III of the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies, Grade II of the Indian Supply Service in the same Directorate General at New Delhi with effect from the afternoon of 22nd November, 1974 and until further orders.

The 16th December 1974

No. A-6/247(288)/60-II.—The President has been pleased to appoint Shri Joginder Lall, Assistant Inspecting Officer (Engs.) to officiate as A.D.I. in Engs. Branch. Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of the 3-12-74.

Shri Joginder Lall relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the N.I. Circle in the afternoon of 2-12-74 and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Engg.) in the Headquarters Office of the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi in the forenoon of the 3-12-74.

BALWANT SINGH Dy. Director (Adınn.)

New Delhi-1 the 13th December _1974

No. A-1/1(933).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Surendra Singh, Junior Field Officer (Progress) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the afternoon of 30th November, 1974 and until further orders.

The appointment of Shri Surendra Singh as Assistant Director (Grade II) is purely on temporary basis and subject to the results of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

BALWANT SINGH Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd December 1974

No. A19012(64)/73-Fstt.A.—Shri D. Ram, Permanent Senior Technical Assistant is promoted to officiate as Mineral Officer (Statistics) in the Indian Bureau of Mines on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2nd Nov. 74 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY, 81. Administrative Officer for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-13, the 3rd December 1974

No. 264(23/D)V(II/19B.—The ad-hoc appointment of Shri A. N. Tewari to the post of Driller in the Geological Survey of India is regularised with effect from the forenoon of the 30th September, 1974, until further orders.

Shri A. N. Tiwari was holding ad hoc appointment to the post of Driller in the Geological Survey of India in the scale of pay of Rs, 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- with effect from 29-3-72.

No. 2222(SP)/19A.—Shri Satya Prakash, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/— in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13-9-1974, until further orders.

The 6th December 1974

No. 51/62/19A.—Shri A. K. Chowdhury, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 8-11-1974, until further orders.

The 13th December 1974

No. 40/59/C/19A. -Shri S. P. Mukherjec, Superintendent, Geological Survey of India on reversion from the post of Administrative Office: in the Inspectorate of Vehicles (Eastern Zone), Ministry of Defence is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad-hoc basis with effect from 14-11-1974 (F.N.), until further orders.

C. KARUNAKARAN Director General

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY BOTANICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 4th December 1974

No. BSI-69/2/74-Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director-in-Charge, Botanical Survey of India, hereby appoints Shri M. L. Mukherjee, permanent Office Superintendent, Botanical Survey of India, to officiate as Junior Administrative Officer, Central Office, Botanical Survey of India, in the revised pay-scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, with effect from the afternoon of 30th November, 1974, until further orders.

D. G. MOOKHERJEA Senior Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 4th December 1974

No. 29-12/72-Estt.—The following persons are appointed to the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation in a temporary capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

Sl No. Names Date of appointment

Or. N. D Bhattacharya—28-11-74 (F.N.)
 Sm. Minati Ghosh (II)—30-11-74 (F.N.)

S. P. DAS GUPTA Director

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

(PLANNING AND DEVELOPMENT UNIT)

New Delhi-1, the 9th December 1974

No. 3(9)68-D(S).—Shri P. Palit Accounts Officer in the office of Accountant General Central, Calcutta has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the office of Regional Engineer (East), All India Radio, Calcutta with effect from 16-9-1974 (F.N.) till further orders.

T. R. SABHARWAL Deputy Development Officer (Admn) for Director General

New Delhi, the 11th December 1974

No. 1/2/60-SII.—Shri Y. G. P. Desai, Sr. Administrative Officer (ad-hoc), All India Radio, Bombay retired from service with effect from the afternoon of 30-11-1974 on attaining the age of superannuation.

I. S. PANDHI Section Officer for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 4th December 1974

No. 12-1/74-Admn.I.—In supersession of this Directorate's Notification of even No. dated the 5th Novenber, 1974 the President is pleased to appoint Shri Hardayal Cupta, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretarist Service as Section Office, in the Directorate General of Health Services in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 9th October, 1974 to the afternoon of the 8th November, 1974.

No. 35-46/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. C. Jana, Audit Office in the office of the Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta, to the post of Accounts Officer in the Office of the Scrologist & Chemical Fxaminer to the Government of India, Calcutta, with effect from the forenoon of the 1st November, 1974, and until further orders.

2. Shri B. C. Samaddar relinquished charge of the post of Accounts Officer in the Office of the Serologist and Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta on the forenoon of the 1st November, 1974, on reversion to the Office of the Accountant General, West Bengal, Calcutta.

The 10th December 1974

No. 5-2/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. B. Nag, Office Superintendent, Hospital for Mental Diseases, Ranchi to the post of Administrative Officer at the same Hospital, on an ad-hoc basis with effect from the afternoon of the 11th November, 1974, and until further orders.

No. 34-18/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. A. Ratra in a substantive capacity to the post of Matron at the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the 2nd June, 1972.

No. 17-25/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint S/Shri P. K. Dutta and R. P. Hinnaria in the substantive capacity to the posts of Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation, with offect from the 6th December, 1967 and 28th August, 1973 respectively.

No. 34-20/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Khub Chand, Accountant, Safdarjang Hospital, New Delhi, in the post of Assistant Administrative Officer at the same Hospital with effect from the forenoon of the 4th November, 1974 vice Shri Khinparmal Bhimani, on leave up to the 11th January, 1975.

No. 19-15/74-Admn.I.—The Director General of Health-Services is pleased to appoint Shri S. George, Assistant Accounts Officer, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, to the post of Administrative Officer at the same Institute, with effect from the forenoon of the 31st October, 1974, on an ad-hoc basis, and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Administrative Officer, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, Shri S. George relinquished charge of the post of Assistant Accounts Officer, at the same Institute on the forenoon of the 31st October, 1974.

No. 1-4/71-A lmn.I.—The President is pleased to appoint Shri Λ K. Adh'a, Assistant Engineer (Public Health), at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, to the post of Sani ary Engineer at the same Institute in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th October, 1974, and until further orders.

Consequent upon his appointment to the post of Sanitary Engineer, Shri A. K. Adhya, relinquished charge of the post of Assistant Engineer (Public Health) in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, on the forenoon of the 16th October, 1974.

No. 2-9/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. G. Mokashi, Lecturer in Physiothrapy, A I India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Fombay in the post of Chief, Physiothrapy Department at the same Institute with effect from the forenoon of the 4th November, 1974 vice Shri M. L. Chainani on leave up to the 21st December, 1974.

The 12th December 1974

No. 19-35/70-Admn.I.—Consequent on his appointment as Reader in Medical Chemistry at Banaras Hindu University, Dr. P. D. Sethi relinquished charge of the post of Lecturer in Pharmacology at the JIPMER, Pondienerry on the afternoon of the 15th July, 1974.

No. 9-20/74-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance in the Director General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Kumari T. Michael, Clinical Instructor, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the afternoon of the 27th August, 1974.

S. P. JINDAL Deputy Director Administration

New Delhi-11, the 16th December 1974

No. 7-108/74-CHSII.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. Jamal Yosuf, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry on the afternoon of the 14th November, 1974.

R. N. TEWARI Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 30th November 1974

No. 34-37/73-CHS.I.—Consequent on his transfer on his own request, Dr. T. R. Mediratta, an Officer of G.D.O. Grade I of the Central Health Service, relinquished charge of the post of Medical Officer under the Central Government Health Scheme, Meerut on the afternoon of the 21st September, 1974 and assumed charge in the same capacity under the Central Government Health Scheme, Delhi on the same day *t.e.* on the afternoon of 21st September, 1974.

G. PANCHAPAKESAN
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 28th November 1974

No. 6-32/74-DC.—The Director General of Health Services is pleased to confirm Shri S. K. Mukherjee in the post of associate Bucteriologist Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from 1st July, 1972.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Feridabad, the 6th December 1974

No. F.4-6(18)/74-A.I.—Shri N. L. Kantha Rao, Asstt. Marketing Officer, Group I, Guntur, is promoted to officiate as Marketing Officer, Group I, on a purely temporary and ad-hoc basis, in the Directorate of Marketing and Inspection at Ongole, with effect from 8-10-1974 (F.N.) until further orders.

No. F.3/234/66-AF.I.—Shri U. D. Pande, Assistant Marketing Oeffier Group I, at Bombay, has been appointed to officiate as Marketing Officer. Group I, in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay on purely temporary and ad-hoc basis with effect from 3-10-74 (F.N.), until further orders.

The 7th December 1974

No. F.3/141/73-AF.I.—Shri T. M. Karunakaran, Assistant Marketing Officer, Group I, Alleppey, has been apopinted to officiate as Marketing Officer, Group I, in the Directorate of Marketing and Inspection at Cochin, on ad-hoc basis, with effect from 30-9-74 (A.N.) until further orders.

DEPARTMENT OF C.D. & CO-OPERATION The 12th December 1974

No. F.5/11/69-D.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification Customs No. GSR 1421 published on 31-8-1963 in the Gazette of India, I hereby authorise the following officer to issue Certificate of Grading in respect of Walnuts Shelled and Inshell or both, which have been graded in accordance with the provisions of the Inshell and Shelled Walnuts Grading and Marking Rules, 1963 as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) for three months, from the date of issue of this notification.

Name and Designation

Shri B. B. Sarkar-Assistant Marketing Officer.

N. K. MURALIDHARA RAO Agricultural Marketing Adviser

CENTRAL WATER AND POWFR COMMISSION (WATER WING)

New Delhi, the 30th November 1974

No. A-19012/518/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Kumar Ambwani, Supervisor to officiate as an Extra Asstt. Director in the Central Water and Power Commission on a purely temporary & ad-hoc basis. He will be entitled to draw his pay in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 as Extra Assistant Director on an ad-hoc basis, with effect from 14-11-1974 (F.N.) until further orders.

Shri Kumar Ambwani took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission (WW) with effect from the above date and time.

The 4th December 1974

No. A-32014/7/74-Adm, V.—In continuation of this Commission's notification No. A-12017/1/72-Adm.V (Vol. II), dated the 12th July, 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints the following Research Assistants, to the grade of Assistant Research Officer (Scienin the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40_1200, on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period upto 31-12-1974 with effect from the dates as shown against each, or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Shri H. C. Ganesh Rao-1-10-74 to 31-12-74.
- 2. Shri Ch. Bhujanga Rao-1-10-74 to 31-12-74.
- 3. Shri K. A. Ismail-1-10-74 to 31-12-74.
- 4. Shri V. K. Balakrishna-1-10-74 to 31-12-74
- 5. Shii D. M. Khambete-1-10-74 to 31-12-74.
- 6. Shri A. G. Phansalkar-1-10-74 to 31-12-74.

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated 4-10-1974, the Chairman, Central Water and Power Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto 31-12-1974 from the dates shown below against each, or till such time the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Shri V. Ramanathan-28-11-74 to 31-12-74.
- 2. Shri I. Z. Poonawala-28-11-74 to 31-12-74.
- 3. Smt. Valsala Kumari-28-11-74 to 31-12-74.
- 4. Shri A. G. Kale-28-11-74 to 31-12-74,

The 6th December 1974

No. A-12017/1/72-Adm.V(Vol.II).—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V.(Vol.II) (i), dated the 17th Oct., 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Research Assistants to the grade of Assistant Research Officer (Engg.) tific-Chemistry Group), in the Central Water and Power Commission (Water Wing) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and

ad-hoc basis. for further periods as shown below against each, or till the the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :-

- Shri M Bhowmik---1-10-74 to 31-12-74,
 Shri M P. Namboodu---1-10-74 to 31-12-74,
 Shri S A Basha---1-10-74 to 31-12-74.

No. A-12017/1/72-Adm.V(Vol. II).—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V.(Vol. II) (ii). dated 17-10-1974, the Chairman, Central Water and Romer Commissions and Commission and Commiss Power Commission hereby appoints the following Research Assistants to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station. Poona, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and ad-hoc basis, for further periods as shown below against each, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :-

- Shri D. D. Soni—1-10-74 to 31-12-74.
 Shri Ranjit Datta—1-10-74 to 31-12-74.

K. P. B. MENON Under Secy. for Chairman

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

(Personnel Branch) Pandu. the 5th November 1974

- 1. E/283/III/129 PIII(O).—Shri R. Baruah, DSK (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as Asstt Controller of Stores with effect from 16-9-1974.
- 2 F/283/III129 PIII(0).—Shri P. C. Gope, DSK (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as Assistant Controller of Stores with effect from 2-10-1974.

M. R. REDDY General Manager

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX Ernakulam, the 26th August 1974

ORDER No. 2/74-75

- C. No. 1(9) (B) GL/74-75.—In exercise of the powers conthe following addition may be made to the schedule. the following addition may be made to the schedule to the above notification dated 12-7-1973.
- 2. Under item-4, Trichur, in col. 3, page 3, add "Incometax Officer F-Ward" as item vi.

ORDFR No. 3/74-75

Order under section 124(2) of the I. T. Act, 1971

C. No. 1(9) (B) GI./74-75.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section 2 of Section 124 of the IT Act. 1961 (43 of 1961) I, Commissioner of Income-tax, Kerala-II, Frnakulam, hereby direct that with effect from 20-8-1974 the following additional entries will be made in cols. No 1 and 2 in the schedule to this office Order C. No. 1(9) (B) GI /74-75, dated 12-7-1973 (Order No. 2/73-74) under the items Income-tax Circle, Trichur.

In Col. No. 1 after the Income-tax Officer, E-Ward, Trichur add "Income-tax Officer, F-Ward, Trichur.

In Col. No. 2 against Income-tax Officer, F-Ward, Trichur add "functions mentioned in Column No. 2 above.

Cochin-16, the 9th September 1974

ORDER No. 6/74-75 INCOME-TAX

conferred on me under sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-II, Frankulam hereby direct that with effect from the forenoon of 16-9-1974, the following amendments should be made to the schedule appended to the Order No. 1/73-74 [C. No. 1-(9)(B)GL/73-74, dated 12-7-1973.] C. No. 1(9)(B)GL/73-74.—In exercise of the

- 1. Sl. No. 1, Col. 3 item No. iv, substitute "Encome-ta Officer, D-Ward in the place of Income-tax Officer, Collection
- 2. Sl. No. 7, Col. 3, Item III, substitute 'Income-tax Officer C-Ward' in the place of Income-tax Officer, Collection.

ORDER No. 8/74-75

Order Under Section 124(2) of the Income-tax Act, 1961

C. No. 1(9)(B)GL/74-75/II.—In exercise of the power conferred on me under sub-section (2) of Section 124 of th Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner a Income-tax, Kernla-II, Ernakulam hereby direct that wit effect from 16-9-1974, the following amendments should b made to this office Order No. 2/73-74 IC. No. 1(9)(B)GL 73-74, dated 12-7-1973.]

All the Income-tax Officers mentioned in the following cit cles, will exercise of the functions mentioned in col. 2 and of the above order.

- Income-tax Circle, Cannanore.
 Income-tax Circle, Trichur.
 Income-tax Circle, Mattancherry.
 Income-tax Circle, Kottaya.

P. S. SUBRAMANYAN Commissioner of Income-tax, Kerala-I Ernuakular

ORDER No. 7/74-75

Cochin-16, the 9th September 1974

Order Under Section 124(2) of the Income-tax Act, 1961 C. No. 1(9) (B) GL/74-75/I.—In exercise of the powe conferred on me under sub-section (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner Income-tax, Kerala I. Ernakulam, hereby direct that witeffect from 16-9-1974, the following amendments should it made to this office Order No. 2/73-74 [C. No. 1(9) (B) GI 73-74, dated 12-7-1973.]

All the Income-tax Officers in the following circles, w exercise all the functions mentioned in col. 2 and 3 of the above order.

- Income-tax Circle, Ernakulam.
 Income-tax Circle, Alleppey.
 Income-tax Circle, Quilon.

Poona, the 8th November 1974 (INCOME-TAX ESTABLISHMENT)

No. Pn-C-14A/74.—1. Shri S. P. Joshi, is hereby confirm as Income-tax Officer, Class II with effect from 20th Septer ber, 1973.

2. The date of confirmation is subject to modification at later date, if found necessary.

> C. N. VAISHNA Commissioner of Income-Poona-J, Poo

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, BIHAR-J, PATN.

Patna, the 14th November 1974

CORRIGENDUM

No. I.T.XIII-1/64-65.—The contents of item(i) agai the I.T.O., Ward/C.I.T. Circle-III, Patna of this office notification No. I.T. XIII-1/64-65/43133-253, dated the 3rd September 1. 1974 shall read as given below :-

(i) All persons or classes of persons within the rever district of Patna, who have not hitherto been ass ed, in respect of all assessments for and upto assessment year 1974-75 excluding those assigned the J.T.Os Ward-A & B. I.T. Circle-III, Patna a ward/B, Special Circle-II, Patna.

> JAGDISH CHAI Commissioner of Income-t Bihar-I, Pa

ORDER No. 10/74-75

Order Under Section 8 of the Wealth-tax Act, 1957

C. No. 1(9)(B)GLI74-75/II.—In exercise of the powers conterred on me under section 8 of the Wealth-tax Act, 1957, I. the Commissioner of Wealth-tax hereby direct that with effect from the forenoon of 16-9-1974 the following amendments should be made to this office Order No. 3/73-74 [C. No. 1(9)(B)GL/73-74, dated 12-7-1973.]

All the Income-tax Officers in the following circles, will exercise the functions mentioned in col. 2 and 3 of the schedule to the above order.

- Income-tax Circle, Cannanore.
 Income-tax Circle, Trichur.
 Income-tax Circle, Mattancherry.
 Income-tax Circle, Kottayam.

ORDER No. 4/74-75

Order under section 8A of the Wealth-tax Act, 1957 C. No. 1(9)(B) Gi_/74-75....In exercise of the powers conferred on me under section 8A of the Wealth-tax Act, 1957, Inches on the under section 8A of the Wealth-tax Act, 1957, I, the Commissioner of Wealth-tax, Kerala-II, Ernakulam hereby direct that with effect from 20-8-1974, the following additional entries will be made in col. No. 1 and 2 in the schedule in this office order of C. No. 1(9)(B)/GL/73-74, dated 12-7-73 (Order No. 3/73-74) under the items Income-tax Circle, Trichur.

Col. No. 1 below Income-tax Officer, E-Ward, Trichur, add "Income-tax Officer, F-Ward, Trichur".

In col. 2 against Income-tax Officer, F-Ward, Trichur add "functions mentioned in Col. No. 2 above.

ORDER No. 9/74-75

Order Under Section 8 of the Wealth-tax Act, 1957

C. No. 1(9)(B)GL/74-75/I.—In exercise of the powers conferred on me under Section 8 of the Wealth-tax Act, 1957 I, the Commissioner of Wealth-tax, hereby directs that with effect from the forenoon of 16-9-1974 the following amendments should be made to this office Order No. 3/73-74 [C. No. 1(9)(B)GL/73-74, dated 12-7-1973.]

All the Income-tax Officers in the following Circles, will exercise all the functions mentioned in col. 2 and 3 of the schedule to the above order.

- Income-tax Circle, Ernakulam.
 Income-tax Circle, Alleppey.
 Income-tax Circle, Quilon.

16-406GU74

S. T. TIRUMALACHARI Commissioner of Wealth-tax, Kerala-I. Cochin-16

ORDER No. 5/74-75

Order Under section 7A of the Gift Tax Act, 1958

C. No. 1(9)(B)GL/74-75.—In exercise of the powers conferred on me under section 7A of the Gift-tax Act, 1958, 1, the Commissioner of Gift Tax, Kerala-II, Ernakulam, hereby direct that with effect from 20-8-1974, the following additional entries will be made in col. 1 and 2 in the schedule to this office Order C. No. 1(9)(B)GL/73-74, dated 12-7-1973 (Order No. 4/74-75) under the items Income-tax Circle. Trichur.

In Col. No. 1 below the Income-tax Officer, E. Ward, Trichur add "Income-tax Officer, F-Ward, Trichur".

In Col. 2 against Income-tax Officer, F-Ward, Trichur add "Functions mentioned in Col. No. 2 above.

ORDER No. 12/74-75

Order Under Section 7 of the Gift-tax Act, 1958

C. No. 1(9)(B)GL/74-75/II.—In exercise of the powers conferred on me under Section 7 of the Gift-tax Act, 1938, I, the Commissioner of Gift-tax hereby directs that with effect from the forenoon of 16-9-1974 the following amendments should be made to this office Order No. 4/73-74 [C. No. 1(9)-(B)GL/73-74, dated 12-7-1973.]

All the Income-tax Officers in the following Circles, will exercise the functions mentioned in col. 2 and 3 of the schedule to the above order.

- Income-tax Circle, Cannanore.
 Income-tax Circle, Trichur.
 Income-tax Circle, Mattancherry.

- 4. Income-tax Circle, Kottayam.

P. S. SUBRAMANYAN

ORDER No. 11/74-75

Order Under Section 7 of the Gift-tax Act, 1958

C. No. 1(9)(B)GL/74-75/I,—In exercise of the powers conferred on me under section 7 of the Gift-tax Act, 1958, I, the Commissioner of Gift-tax hereby directs that with effect from the forenoon of 16-9-1974 the following amendments should be made to this office Order No. 4/73-74 [C. No. 1(9)-(B)(GL)/73-74, dated 12-7-1973.]

All the Income-tax Officers in the following circles, will exercise all the functions mentioned in col. 2 and 3 of the schedule to the above order.

- 1. Income-tax Circle, Ernakulam.
- 2. Income-tax Circle, Alleppey
- 3. Income-tax Circle, Ouilon.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX DELHI-I

(ADMIN)

New Delhi, the 16th July 1974

Order No. 30/G.O.74-75—Shri N. C. Gupta, Inspector, is promote to officiate till further orders as Income-tax Officer, Class-II, in the scale of pay of Rs. 650-300-740-35-810-F.B.-35-880-40-1000-E. B.-40-1200, with effect from the date he takes over as such.

He would be deemed to have been promote with effect from 25-8-1973 and his senicrity would be fixed above Shri R. L. Bali and below Shri Jagdev Singh who were appointed Income-tex Officers with effect from 25-8-73. It is clarified that Shri N. C. Gupta will not be entitled to any financial benefit as a result of his deemed date of premotion and

deemed scalority prior to the date of his taking over as I.T.O.

He would note that he is liable to reversion at any time, if after a review of the vacancies it is found that the promotion is in excess of the vacancies available. ---- for are also ordered with immediate

	Conseque	nt upon t	his pro	motion	n, the fol	lowin	postings and transfers	are also ordered with	immediate effect:-
S. No.	Name of t						From	То	Remarks.
S/Shr	i , G upta					•	Newly appointed I.T.O.	P.R.O. Cum S.O.	Vice Sh. D. R. Kepcor trans- ferred'
2. D.R .	Kapoor		•				P.R.O. Cum S.O.	I.T.O. Distt. X(8)	Vice Sh. R. A. Singh transferred.
3. R A.	Singh .						IT.O. Bistt. X(8)	I.T.O. Di ₅ tt. VIII (11)	Vice Sb. M. M. Tandon trans- forred.

-										<u> </u>
4. M. M. Tondo			,					I.T.O. Distt. VIII(11)	I.T.O. Distt.X(1) & X(9)	Vice Sh. A. L. Gargatring fested.
5. A. L. Garg.		٠	-	-				I.T.O. Distt X(1) & X(9).	I.T.O. (Jud-III)	Newly created cherge.
6. B. R. Gupta							•	I.T.O., Central Circle.	1.T.O. Distt. V(10) & V(2).	Vice Sh' T. C. Khullar trans- fersed.
7. T. C. Khullar	•	•	•	•				I.T.O., Distt. V(10) & V(2).	I.T.O. Spl. Circle VI, Distt. V(1) & V(18)	Vice Shr Røjeshwar Tyagi transforred.
8. Rejeshwar Ty	agi.	٠	•		•			I.T.O., Spl. Circle-VI, Distt.V(1)&V(18).	(Addl.)	Relieving Shri Hari Shenkar, I. T.O., Cempt ny Circle- IV of the additional charge.
9. Miss Sunita C	handa				,			I.T.O. Range-II	I.T.O. 2nd Addl. Salary Circle.	Religiong Shii L. Shinive sen, I.T'O., Addl. Selliny Circle of the additional charge.
10. Miss Pamella	Bhalla	•	•			•		I.T.O., Range-II	Distt. III (12)	Relieving Shri Gurcheran I.T.O., Distt. III (14) of the additional charge.

Shr C. L. Soni, I.T.O., Distt. VII (4), New Delhi is appointed to hold additional charge as I.T.O., Distt. IX(1) with effect from today the 16th July. 1974 relieving miss Manju Aggarwal, I.T.I., Distt. I(2), 1(2) Addl. and Refund Circle of the additional charge till further orders.

Smt. R. Rejagopal, I.T.I., Distt. III (20), III (21) and III (23) is appointed to hold additional charge as I.T.O., Spl. Circle VIII (Addl.) and Trust Circle, New Delh vice Miss Vijay Laxmi Deshquade transferred and posted as A.D.I. (R.S. W. P.) in tems of Board's order F. No. 15/3/74-Ad. VI dated 19-6-74.

New Delhi, the 5th August, 1974

Order No. 35/GO/1974-75:—Consequent upon the re-organisation of charges of Commissioners of Income-tax at Delhi w.e.f. 5.8.74 the following Inspecting Asst. Chmissioners of Income-tax at Delhi w.e.f.

SI. Name of the	Office	r	Prosent designation			
I. Shri V.P. Aggarwai		•	•			Inspecting Assistant Commissioner of Informetox Dolhi Range-III.
2. Shri S. N. Shende	•			•		Inspecting Assistent Commissioner of I Income-tax, Delhi Renge-VII.
3, Shri H L Svd	٠	•		•	٠	Inspecting Assist at Connissioner of Income-tax, Delh Range-IV.
4. Shri Jodh Singh					•	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-IX.
5. Shri H. S. Sethi .						Inspecting Assistant Commissioner of In Income-tax, Delhi Renge-V.
6. Shri O. N. Mehrotra	•				,	 Inspecting Assists at Commissioner of Income-tax, Delhi R; ngc-VIII,
7. Shri L. R. Vyas .		•		•		 Inspecting Assistent Commissioner of In Income-tax Delhi Renge-VI.
8. Shri M.M. Prased		-	•			 Inspecting Assistent Commissioner of Li Income- ax, Delhi Renge-II.
9. Shri M. C. Joshi		•		•		Inspecting Assists at Commissioner of I Income-ax, Delhi Renge-XI.
10. Shri Jawahir Singh	•					. Inspecting Assiststent Commissioner of I Income-tax, Delhi Range-I.
11. Mrs. P. Mahajan						. Inspecting Assistent Commiss oner of I Income-tax, Delhi Range-X,
12. Shr M.Y.M.K. Men	on	•		٠		Inspecting Assists at Commissioner of Income-tax, Delhi Range-Estate Duty.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-IV NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1974

F. No. CIT/ITO(Hd.Qrs-IV/Jur) (R-IVB/74-75/16785.— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the sub-ject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi, hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column 2 of the Schedule here-in-below shall perform their tions in respect of person or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in Col. 3 of the said Schedule other than the persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned u/s 127 of the said Act to any other Incomet-ax Officer.

Inspecting Asst. Commissioner of Income tex,D thi Range I A Inspecting Asst. Commissioner of

New designation

Income-tex, Dell'i Range-I-B.
Inspecing Asset Connissioner of
Income-tex, Delhi Renge-II-A.
Inspecing Asset. Commissioner
of Income-tex, Delhi Renge IIB-Cum-Estate Duty, New Delhi.

Inspecting Asset. Commissioner of Income-Tex, Delhi Renge-III-A
Inspecting Asset. Comm ss oner of Income K-tex, Delhi Renge III-B

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex, Delh Renge-IV-A Inspecting Asstt. Connissioner of Income-tex, Delhi Renge-IV-B.

Inspecting Assit. Commiss one of Income-ax, Delhi Renge-IV-C
Inspecting Assit. Commiss one of Income-ix, Delhi Renge-V-A.

Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax, Delhi Range-V-B.

Inspecting stt. Commissioner of Income-tex, Delhi Range-V-C AVTAR SINGH

AVTAR SINGH Commissioner of Incomm tax Delhi-I

SCHEDULE

Designation of the ITO and Jurisdiction

- Income-tax Officer Distt. V(9), New Delhi—All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the areas assigned to the Income-tax Officer, Distt. V(11) New Delhi, and whose names begin with any one of the alphabets R.S.&.T.
- Income-tax Officer Distt. V(12), New Delhi.—All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the areas assigned to the Income-tax Officer, Distt. V(16), New Delhi, and whose names begin with any one of the alphabets N.P.&.R.

This notification shall take effect from 20-11-1974.

S. S. SETH Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1370/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 224 of April, 1974, s tuated at Kapurthala, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Kapurthala in April 1974,

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me-

Now. therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Brij Mohan, Madan Mohan, Yash Pal, Rakesh Kumar SS/o Shri Nathu Ram, R/o Lahori Gate, Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s Knit Foulds Ltd., Sultanpur Road, Kapurthala, (Through Shri R. R. Sondhi, Managing Director, Kapurthala).

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice is given under the preceding paragraph shall have such objection and the transferee of the property.

It is hereby rurther notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 224 of April, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Rcf. No. ASR/PHL/AP-1371/74-75.—Whereas, l, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 188 of April, 1974 situated at V. Rampur, Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phillaur in April 1974
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the transferor(s)
and the transferee(s) has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Gursharn Singh s/o Isher Singh, s/o Bahadur Bhagat Singh, Resident of Phillaur, Teh. Phillaur at present Railway Guard, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Gurdas Ram s/o Shri Rala Ram, Shri Rattan Chand and Ram Asra, Sukhdev, Kartar Chand SS/o Shri Gurdas Ram, s/o Rala Ram, r/o Nangal Khera, Teh. Phagwara through Shri Sant Ram.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 188 of April. 1974 of the Registering Authority, Phillaur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/PHL/AP-1373/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 151 of April, 1974 situated at V. Nurewal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phillaur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Bishan Singh s/o Shri Sunder Singh s/o Shri Mehtab Singh r/o V. Nurewal, Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) Smt,Gurmej Kaur w/o Gurmej Ram, s/o Raunki Ram, r/o V. Bhardwajia, Teh. Phillaur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 151 of April, 1974 of the Registering Authority, Phillaur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1368/74-75.—Whereas, 1, V. R. Sagar.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 462

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 462 of April, 1974 situated at M.T. Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur in April, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Kewal Krishan Goyal s/o Milkhi Ram Goyal of Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Bala w/o Shri Rattan Singh, Shri Sohan Lal s/o Shri Nagina Singh, ND 73 Bikrampura, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 462 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Seal.

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/PKT/AP-1374/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

1/2share of Kothi at Dhangu Road, Pathankot as mentioned in the Registered Deed No. 60 of April, 1974 situated at Dhangu Road, Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Pathankot in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

(1) Shri Jamna Dass Sethi s/o Thakar Dass c/o M/s Jamna Dass Kasturi Lal, Dhangu Road, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Kasturi Lal 5/0 Shri Shiv Nath, presently Timber Merchant, 36 Wazir Bagh, Srinagar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi at Dhangu Road, Pathankot as mentioned in the Registered Deed No. 60 of April, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR,

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1369/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a felr market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. value

Property as mentioned in the Registered Deed No. 195 of April, 1974 situated at Near Bus Stand, Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

(1) Smt. Kalawanti w/o S. Bharpur Singh, Kashrup through S. Hardyal Singh. General Power of Attorney r/o Kanshi Bhawan, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Radha Swami Sat Sangh Ghar, Beas (Registered Society through Shri S. L. Sodh).

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the ojbections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 195 of April, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

> v. r. sagar Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, Auyakar Bhavan, M. Karve Marg, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 6th December 1974

No. AP.198/IAC AR.IV/74-75,—Whereas, I, G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay.

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. C-I, C.T.S. Nos. 647 & 648 situated at Vil. Oshivara,

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay, on 10-4-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the purposes of the Indian transferee for the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, ! hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

17-406GI/74

(1) Shri Hirji Nanji Kenia & Others, Dalla Industrial Estate, 195, Narsi Natha Street, Bombay-9.

(Transferor)

(2) Chandrakant R. Shah, Durolite Electricals 19, Bharat Industrial Estate, Ram Mandir Road, Goregaon (E), Bombay-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires pective persons, whichever later; period
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to notice against the acquisition of the immovable perty will be fixed, and notice thereof shall be to every person who has made such objection, the transferce of the property. pro-

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing Plot All that piece or parcel of land or ground bearing Plot No. C-I, admeasuring 1823 sq. yds. equivalent to 1466 sq. mts. situate lying and being at Village Oshivara (Andheri) in Greater Bombay within the Registration Sub-District and District Bombay City and Suburban and bearing C.T.S. Nos. 647-648 and bounded as follows:—That is to say, on or towards the north by land bearing Plot No. B-54, on or towards the courb by Scheme Road, on or towards the east by land bearing Plot No C.3 and on or towards the west by Scheme Road & bearing Chalta No. 105.

G. S. RAO.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 6-12-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-2 123, Maunt Road, Madres-6

Madras-6, the 8th November 1974

No. F.1180/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/1 situated at Sterling Road, Chowdhry Colony, Madrae

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISRO: Madras on 15-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Mrs. A. Parvathi Subbiah, 14/1 Sterling Road,

(Transferor)

(2) Dr. Miss J. Muthiah, M.B., B.S. No. 1A, 1st Street, Thirumurthi Nagar, Nungambakkam, Madras. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.25 grounds (with building) and bearing Door No. 14/1, Sterling Road, Chowdhry Colony, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 8-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/2469/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Plot at Old No. 9 (New No. 19) situated at I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore-9 in document No. 18 on 1-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property 'y the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Yuvaraj Kedarendra Dev of Wadhwan, residing in No. 1 Cunningham Road, Bangalore-1 B. (Transferor)
- (2) Shri T. S. Sitharam, No. 25, 1st Main Road, Jaya-mahal Extension, Bangalore-6 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Old No. 9 (New No. 19) I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-6. (measuring 67 × 80')

Boundaries:

East = Property belonging to Shri Vecrendra Kumar.
West = Property belonging to Dr. Agnihotridu.
North = Property belonging to Shri Namjoshi.
South = 20' road.
registered in document No. 18/74-75 dt. 1-4-1974.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 30-11-1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December 1974

Ref. No. RAC. No. 62/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. 1-5-4 situated at Naidupeta, Sullurpeta, Tq.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sullurpeta, on 5-4-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) 1. Sri Bezwada Satyanarayana, S/o Munnuswamy Naidu, 2. Sri Sateshkumar, 3. Shavanall residing at Naldupeta, Sullurpeta, Tq. Nellore Dist,

(Fransferor)

(2) S/Sri 1. Gadireddi Audinarayana, 2. G. Upendra Babu, S/o G. Audinarayana, 3. G. Sureshbanu, S/o G. Audinarayana, 4. G. Varadarajulu S/o Varadharajulu, 6. G. Kasi-Varadarajulu S/o Varadharajulu, 5. G. Kasi-Viswanatham S/o Varadharajulu, 6. G. Sreni-Venkatakrishniay, 8. G. Satylanarayana S/o Venkatakrishniay, 9. G. Venkatasubbarao, S/o Venkatakrishniay, 10. G. Suryanarayanarao, S/o Venkatakrishniay, 11. V. Radhakrishnya S/o G. Ramiahniadu, all are residing at Naidupeta, Sullurpeta, Tq. Nellore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the (b) by any Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Krishnaveni Rice Mill, 14th ward, Brahmin Street, Naydupeta, No. 1-5-4 Sullurpeta, Tq. Nellore Dist.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-12-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME_TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, dated 11th November 1974

Ref. No. 1.DH/C/208/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Chandigarh.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. D-11, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Dr. Avtar Singh Atwal S/o Dr. Raghbir Singh, Punjab Agricultural University, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Narinderjit Kaur W/o S. Harpal Singh, Sahera Farm Bilaspur, Distt. Rampur (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-11, Sarabha Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH,
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 11th November 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December 1974

No. RAC.No.61/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-5-4 situated at Naidupeta, Sullurpeta, Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sullurpeta on 4-4-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftees percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Late Shi Bexwada Munnuswamy Naidu, S/o Shshiah Naidu, Door No. 1-1-44 Naidupeta, Post Sullurpeta, Tq. Nellore Dist. (son Mr. Satyanarayana).

(Transferor) (2) 1. Sri Gadireddi Audinarayana, 2. Sri G. Uperdra Banu(Son), 3. Sri G. Varadarajulu (brother of No. 1), 4. G. Kasiviswanatham (son of No. 3), 5. G. Srinivasulu (son of No. 3), 6. G. Vitala Rao, (son of late Venkatakrishnya), 7. G. Satyanarayanarao, (son of late Venkatakrishnya), 8. G. Venkatasubbarao, (son of late Venkatakrishnya), 9. G. Surayanarayana, (son of late Venkatakrishnya), 10. G. Radhakrishnayya (son of Raghavaya), 11. G. Suresh Banu(son of No. 1)—all are residing at Naidupeta, C/o M/s G.P.N.N. & Sons at Naidupeta, Sullurpeta, Tq. Nellore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property: Krishnaveni Rice Mill 14th Ward, Brahmin Nayudupta, (No. 1-5-4 Nayudupeta) Sullur Tq. Nellore Dist, Area 320 Ankanams.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Hyderabad

Date: 17-12-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras_6, the 21st November 1974

Ref. No. F. XVI/18/1B/1974-75.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. as given in Schedule situated at Saudhapuram village, Sangariri S. D..

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankati Durg on April. 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1967 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Muthu Gounder, Rajappan, Jegannathan & Palanisamy, Puduvalavu, Makkiripalayam, Saudhapuram village.
 - (Transferor)
- (2) Shri C. Palanisamy, Puduvalavu, Makkiripalayam, Saudhapuram village. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearlng the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Punja lands measuring about 6.75 acres in S. No. 181/1C, 181/1B, 179/2B, 179/4B, 180/3, 180/6, 181/1A, 180/1, 181/1D, 180/4, 179/4C, 180/2, 180/5, 180/7, 179/2A, 179/3, 154/3, 151/2A, 151/2D, 184/2, 151/2D, 151/2C, 154/2 and 154/1 situated in Saudhapuram village.

K. V. RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 21-11-1974

Seal .

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th November 1974

No. C. R. 62/2360/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of vacant land in Survey Nos. 230 & 231, Doddigunta, Cox Town, situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 67/74-75 on 3rd April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property

April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati K. N. Bhagyalakshmi
 No. 9, Cambridge Road,
 Ulsoor,
 Bangalore-8, (Next to Maruti Theatre).
 (Transferor)
- (2) Shri R. Sampathraj, No. 1056, 7th Main Road, Sreerampuram, Bangalore-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from hte date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of vacant land in survey Nos. 230 & 231, Doddigunta, Cox Town, Bangalore.

Total area of the land $90^{\circ} \times 60^{\circ} = 5400$ sft. Document No. 67/74-74, dated 3rd April 1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 25-11-1974

Scal:

FORM JTNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, dated 15th October 1974

Ref. No BGR/1/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/10th share in Plot No. 15, situated at New Faridabad, (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer at Ballabgarh in April, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

18—406GI/74

(1) Shri M. L. Mukhi, S/o Shri Mahesh Chand, 2-A/37, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Malti Diwan, w/o Dr. S P. Diwan, 1007, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10th share out of Plot No. 15 (Area 5219 sq. yds.) Block 'A', Model Town, Sector 11, Near Holiday-Inn on main Delhi Mathura Road and opposite Gedore Factory, New Faridabad. Total area of Plot is 5219 sq. yards.

East: Vacant plot No. 17-A and 19-A.

West . Road.

North: Vacant plot No. 13-A.

South: Road.

G. P. SINGH,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 15-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM-TAV ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 28th September 1974

No. III-86/Acq/74-75.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tay, Acquisition Range, Patna,

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. P.S. No. 157 M.H. No. 136, WNO-11, M. Plot No. 656 situated at Cantonment, Hazaribagh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-4-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Maneek Hardunji Kapadia, 2. Smt, Boulat Maneek Kapadia at Beulah Lodge, P.O./Distt. Hazaribagh.

(Transferor)

(2) Shrimati Ganga Devi, w/o Sri Raghunath Prasad At—Hepo Road, Boddam Bazar P.O./Dt—Hazaribagh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow Known as "BEULAH—LODGE" including premises an area 1.93 acres of land P.S. No. 157, H. No. 194 365, M.H. No. 136 WNO—11, Rot at cantonment Hazaribagh.

J. NATH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Patna

Date: 28-9-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILD-ING BIRCHAND PATAL MARG, PATNA-1

Patna, the 21st October 1974

No. III-89/Acq/74-75/1027.—Whereas I, J. Nath, Inspect-Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna,

being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Cr. No. 9, Sheet No. 31, Plot No. 997 W. No. 2 (old), —10 (New) etc. situated at R. K. Bhattacharya Road, Roads.

Patna,

(and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 22-4-74 for an appa-

tion which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°(D) of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

Name & Address of Transferors	Name & Address of Transferees	Name of the persons in occupation of the property
 Shri Sudhanshu Bhattacharya s/o Late Sri Akhsay Kumar Bhattacharya Dr. Shunil Chandra Bhattacharya C/o Smt. Bani Banerjee w/o Dr. Amrendra Nath Banerjee S.nt Su ni Brittacharya w/o Late Sri Shailendra Nath Bhattacharya (All residing at the Retreat Exhibition Road, Patna. 	 Smt. Asarfi Devi w/o Sri Rajeshwar Sharma at Sultanpore P.S.—Mokameh, Patna. Smt. Shail Kumari w/o Sri Jai Prakash Sharma At—Bargam, P.S.—Islampur Dt. Patna Smt. Hemlata w/o Sri Bipin Bihari Sharda Sadan Chandmari Road, Patna-20. Sitapati Devi w/o Sri Ram Padarath Sharma At—Haripur P.S.—Bachhwara Dist.—Begusaral Smt. Sharda Devi M/o Sri Bipin Bihari Sharda Sadan, Chandmarl Road, Patna-20. 	 Md. Abrahim M/s. Auto Dicsel Centre M/s. Rexene House M/s. Rajendra Kirana Stores M/s. Durga Press M/s. Vishwakarma Watch House M/s. J. N. Diary Firm. M/s. Hassan Manuacturer M/s. Mlya Rafrigerators M/s. Caentral Art Studio

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building on a plot of land about 5½ Kathas situated at R. K. Bhattacharya Road, Patna, bearing holding No. 173 old 202 and 202A (New), Circle No. 9, W No. 2 (old) 10 (New), Sheet No. 31 and M.S. Plot No. 997.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, of Income-tax, Acquisition Range, Patna

Date: 21-10-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANCE, LUCKNOW

Lucknow, dated 21st November 1974

Ref. No. 9-H/Acq.-Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. nil situated at Quintan Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 29th April, 1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shi Hemant Dass and others.

(Transferor)

(2) M/s, Har Mandir Religious and Charitable Society. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at thre bearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) schall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot with 10 kachcha out Houses measuring 22,180 sq. ft. is situated at Quinlan Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 21-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/.-1/7475/ACQ.(B).—Whereas, 1, R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/10, Spencer Road, Cleveland Fown, Bangalore situated at

Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar (Document No. 197) on 17-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 (1) (1) Shri A. L. Baba Narayan (2) Master A. B. Thangavelu represented by Father and Guardian Sri A. L. Babanarayan, 17/3, Spencer Road, Cleveland Town, Bangalore. (Transferor)

- (2) Shri Papanna, S/o. Mysore Thimmanna (ii) Smt. Gangamma, W/o Sri Papanna, No. 22, Yamunabhai Road, Madhavanagar, Bangalore, (Trasferee)
- (3) M/s Powar & Powar. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the accuisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing No. 17/10, Spencer Road, Bangalore, bounded by:

East—17/3, Spencer Road West—17/9 Spencer Road North—3/6, Spencer Road South—Spencer Road.

(Document No. 197/74-75)

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,

Bangalore.

Date: 30-11-1974.

Scal ·

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 231d November 1974

Ref. No. Acq. G. No. 130W.G.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 334 Door No. 1-22 Rice Mill, situated at Brahmana Gudem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been (ransferred as per deed regis-

tered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nidadavole in 15-4-74

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) 1. S/s Garapati Subba Rao, 2. Garapti Munacryara Rao, 3. Ketanapalli Ram Rao, K. Sreemvas, 5. K. Satyanarayanan, Brahmanagudem.

(Transferor)

(2) 1. S/s Datla Suryanarayana Raju, 2, Alluri Subbalah,
 3. Penumasta Sreerama Krishna Prasada Raju, 4.
 Kalindindi Suryanarayana Raju, Brahmanagudem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari Dt.—Nidadavold Sub-Regn.—Brahmana-gudem—Rice Mill—R. S. No. 334—Door No. 1-22. BOUNDARI/S—

North—Land of Ramalayam etc. East—Land of M. Venkamma etc. South—Road and West—Land of Pendayla Gunnayya

K. SUBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 23-11-1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA-411004 Poona-411004, the 13th December 1974

Ref. No. C.A. 5/April '74/Haveli-I1/150/74-75.— Whereas, I H. S. Aulakh,

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sub Plot No. 1 from Final Plot No. 289, Bhavanipeth, S No. 518/1 situated at Municri Poona (within the Corporation limit)

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haveli-II (Poona) on 15-4-74,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

- (1) Smt. Kishinibai w/o Ramchand Mayani, No. 4/A Geeta Co-op. Housing Society Ltd., Synagogue St. Poona-1.
 - 2. Hiranand Tikamdas Mayani Jawahar Apartment, Agarwal colony, Bhavani peth, Poona 1.
 - 3. Smt. Veena Kishichand Harjani, Manaus-Brazil
 - 4. Shri Chellaram Tikamdas Mayani, Guru Nanak Nagar, Poona 2.
 - Shri Bhagwandas Tikamdas Mayani, Flat No. 4/A Geeta Co-op Housing Society Ltd., Synagogue St., Poona 1.
 - St., Poona 1. 6. Shri Mohan Tikamdas Mayani, Colon—Panama. Smt. Godavari, w/o Hotchand Harjani Hongkong.
 - 8. Smt. Laj alias Pari w/o Bhagwandas Chugani,

Manila.

9 Chatru S/o Ramchand Mayani, Hongkong 10. Smt. Kalawati w/o Doulatram Shahani, Mirpuri Mahal, Flat No. 9, 406/23, Nana peth, 406/23, Poona 2.

Nos. 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 and 10 through their consituated Attorneys Nos. 1 and 2. 4 5, 6

1. Smt. Dhuru Vashdev Mayani, Himgiri Bldg., Flat No. 4. Padam Tekdi, Pedar Road, Bombay-26. 12 S/Shri Vashdev Tikamdas Mayani, Himgiri Bldg., Flat No. 4. Padam Tekdi, Peddar Rd., Bombay-26.

13. Sham S/o Ramchand Mayani, (Minor) 4A Geeta Co-op. Housing Society, Ltd. Synagogue St.

14. Jaikishan S/o Ramchand Mayani, Co-op. Housing Society Ltd., Synagogue St, Poona 1, 15, Suresh Ramchand Mayani, (Minor) 4A Geeta Co-op. Housing Society Ltd., Synagogue St. Poona 1, 16. Kum, Ishwari D/o Ramchand Mayani, (Minor) 4A Geet Co-op. Housing Society Ltd. Synagogue St., Poona 1, 17. Poona 1.

17. Kum. Jaya D/o Ramchand Mayani (Minor) 4A Geeta Co-op. Housing Society Ltd., Synagogue

St. Poons 1.

Kum. Shila alias Sheela. D/o Ramchand Mayani (Minor) 4A Geeta Co-op. Housing Society Ltd., Synagogue St. Poona 1.

Nos. 13, 14, 15, 16, 17 and 18, all Minor through the guardians mother Kishinchand w/o Ramchand Mayani 4A Geeta Co-op. Housing Society Ltd., Synagogue St. Poona 1.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Ramchand Utamchand Mirpuri, Nana peth, Poona 2. 406/23.
 - Shri Motiram Parmanand Ramchandani, 845, Bhavani peth, Poona 2.
 - Smt. Sundri W/o Bhagchand Ramchandani, 845. Bhavani peth, Poona 2
 - 4 Smt. Radha W/o Kalachand Jeswani, 448/49, Bhayani peth, Poona 2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub Plot No. 1 from open Final Plot No. 1, 289 Bhavani peth, within the Corporation Limit. S. No. 518/1. Munjeri, Poona. Area 13365 Sq. ft.

Freehold.

H. S. AULAKH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poons.

Date: 13-12-74.

FORM ITNS

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OI 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amiltsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1379/74-75.--Whereas, J, V. R.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1083

of April, 1974, situated at Garha Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in April 1974

tering officer at Jullundur in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. Basant Kaur w/o Sadhu Singh s/o Ram Singh r/o Bhaura District Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Hardish Singh s/o Resham Singh r/o Baharwal Teh Nawan Shehar.

(Trasnferee)

(a) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1083 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

(2) Bodh Raj Malík

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1974

Ref. No. 27-B/Acq.-Whoreas, I, Bishambhar Nath I A C. Acquisition Range, Lucknow

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-D situated at Srirgar Nagar (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Lucknow on 10th April 1974

apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property the I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-t. 7 Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prorty by the issue of this notice under sub-section (1) of ection 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to e following persons, namely:-

(1) Smt. Uttam Devi

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

HXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring near about 12000 sq. ft. and situated at Srinagar Nagar, Lucknow,

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-11-1974

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/2587/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I R Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 60 60/2, 60/2A, 60/2B, 60/2C at Nimbekayeepura situated at Biderhalli Hobli, Hosakote Taluk, measuring 17 acres 23 guntas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hosakote on 25-4-1974.

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Patel K. Marappa, S/o Late Kempanna, Jogupalya, (2) and Hanumaiah. S/o Munivenkatappa, Benninganahalli, Krishnarajapura, Hobli Bangalore Dist. (Transferor)

(Transferor)

(2) Shri K. H. Venkatarangiah. S/o K. Haridasalu, 1st Cross, Nehrunagar, Bangulore-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Survey Nos. 60 60/2 60/2A 60/2B and 60/2C at Nimbekayeepura, Blderhalli Hobli, Hosakote Taluk, measuring about 17 acres 23 guntas (Registered document No. 424 dated 25-4-1974)

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 30-11-1974,

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December 1974

Ref. No. RAC, No. 63/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-3-991/1 situated at Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Hyderabad on 18-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Smt. D. Venkata Laxmi, W/o D. S. Reddy, H. No. 2-2-15/49 Bagh Amberpeta, Hyderabed-7.

(Transferor)

(2) Miss V. Lakshmi Devi and Miss V. Vijaya-Lakshmi, Ds/o, Shri V. V. Subbiah, H. No. 3-3-13/2, Kachiguda, Hyderabad-27.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ummovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 16-3-991/1, Nagarjunasagar, Road, Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 23-9-1974.

Sen1:

(2) Sri Yesh Veer Dhanda S/o Ram Rakha Dhanga, R/o 20 Zeera Compound, Secunderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th November 1974

No. RAC No. 47/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-100 & 101 situated at M.G. Road, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 5-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding, for the acquisition of the aforesald property is terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Homai K Bengalli, C/o M/s K. Hermmusjee, 148 Secunderabad, Sri Noshir K. Bengali S/o Late Keki Normusjee Bengali, R/o Tata Mills Co-operative Housing Society Ltd. Building 1-B Flat No. 25, Parel Bombay-12 and Homi K. Bengali R/o 148 West Parade, Secunderabad. Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5-4-100 and 101 Old No. 8577 at M.G. Road, Secunderabad Ap. Area 962 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 26-11-1974

Scal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/PHL/AP-1372/74-75.—Whereas, 1, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 262 of April, 1974 situated at V. Thalla,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur in April, 1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act,
 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 Shri Nirmal Tej Singh s/o Shri Ajit Singh s/o Shri Gurditta Singh, r/o Thala, Teh. Phillaur. Shri Harbans Singh, Kalwant Singh, SS/o Shri Darbara Singh, r/o Thala, Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As at S. No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 262 of April, 1974 of the Registering Authority, Phillaur.

V. R. SAGAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

Seal:

(Transferor)

(1) Shri Bepan Behari Srivastava

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Subbash Chand and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, dated 28th November 1974

Ref. No. 40-S/Acq.—Whereas, I, Beshambhar Nath. I.A.C., Acquinition, Range, Lucknow

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26 situated at Alopibagh Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Allahabad on 8-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 26 measuring 40×80 situated at Alopibagh Housing Scheme, Allahabad consisting a room.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 28th November 1974

(1) Shri D. J Mahudawala & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-22, the 10th December 197-l

Ref. No. AR-V/3/2332/74-75.—Whereas, I. V. R. Gupte, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax. Acquisition Range V. Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old No. 316 & New S. No. 320 (pt) situated at Chem-bur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 19-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shamji Khimji Chheda and Ravji Khimji Chheda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land situate at Chembur in Greater Bombay in the Bombay Suburban District, in the Registration Sub-District of Bandra now in the Registration Sub. Dist. & Dist. Bombay City & Suburban bearing No. C.S.T. No. admeasuring 6680.68 Square Metres (7990 Square Yards) or thereabouts and being a portion of the kand admeasuring 140 Acres and 121 Gunthas or thereabouts (less 7 Acres and 34 Gunthas covered by the Easern Express Highway) and being a part of Old Survey No. 316 and New Survey No. 320 and bounded as follows. that is to say on or towards the West by proposed thirty feet wide internal road in Sector No. 7, on or towards the South partly by land shown bearing Plot Nos. 10, 11 and 12 in Sector No, 7 and partly by proposed thirty feet internal road in Sector No. 7 and on or towards the North by proposed thirty feet internal road in Sector No. 7 and on or towards the North by proposed thirty feet internal road in Sector No. 7 and on or towards the North by proposed thirty feet internal road in Sector No. 7 and on or towards the North by proposed thirty feet internal road in Sector No. 7.

V. R. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay,

Date 10th December 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 10th December 1974

Ref. No. AR-V/1/2330/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of old S. No. 316 & New S. No. 320 situated at

Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-4-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269 C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri D J Mahudawala & Others, Trustee.

(Transferor)

(2) Shri Shamji Khimji Chheda and Ravji Khimi Chheda,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said progerty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land situate at Chembur Bombay, in the Bombay Suburban the Registration Sub-Dist & Dist. City & Suburban and bearing C.T.S. No Registration Sub-District of Bandra, admeasuring 7995.08 Square metres (9562 Square Yards) or thereabouts and being a portion of the land admeasuring 140 Acres and 121 Gunthas or thereabouts (less 7 Acres and 34 Gunthas covered by the Eastern Express Highway) and being a part of Old Survey No. 316 and New Survey No. 320 and bounded as follows: that is to say on or towards the West partly by land belonging to Government and partly by land bearing plot Nos. 46, 47 and 48 in Sector No. 7, on or towards the East partly by proposed 30 feet internal road in Sector No. 7 and partly by proposed municipal 90 feet road, on or towards the South by proposed 30 feet internal Road in Sector No. 7 and on or towards the North by proposed 90 feet municipal Road in Sector No. 7.

V. R. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V. Bombay.

Date: 10th December 1974

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 10th December 1974

Ref. No. AR-V/2/2331/73-74.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old S, No. 316 & New S. No. 320 (Pt) situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 19-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. J. Mahudawala & Others, Trustee.
 (Transferor)
- Shri Shamji Khimji Chbeda; and Ravji Khimji Chheda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT pieces or parcel of land situate at Chembur Greater Bombay in the Bombay Suburban District pow in the Registration Sub-Dist. & Dist. Bombay City & Suburban & bearing No. C.T.S. No. in the Registration Sub-District of Bandra admeasuring 6737.54 Square Metres (8,058 Square Yards) or thereabouts and being a portion of the land admeasuring 140 Acres and 12. Gunthas or thereabouts (less 7 Acres 34 Gunthas covered by the Eastern Express Highway) and being a part of Old Survey No. 316 and New Survey No. 320 and bounded as follows:

- (a) So far as the piece or parcel of land shown in the said plan annexed to the indenture of sale with red coloured boundary line and marked 'A' in Sector No. VII on or towards the West by land belonging to Government, on or towards the East partly by proposed plot feet Municipal Road and partly by land bearing plot No. 45 in Sector 7, on or towards the South by land bearing Plot Nos. 22, 23 and 24 in Sector No. 7 and on or towards the North by proposed 90 feet Municipal Road in Sector No. 7.
- (b) So far as the piece or parcel of land shown on the said plan annexed to the indenture of sale with red coloured boundary line and marked B in Sector No. II on or towards the West by Eastern Express Highway, on or towards the East by proposed 44 feet Municipal Road between Sector Nos. 1 and 2, on or towards the South by proposed 44 feet Municipal Road between Sector Nos. 1 and 2 and on or towards the North by Eastern Express Highway.

V. R. GUPTE,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V. Bombay,

Date: 10-12-1974

Scal:

20-406GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, dated 15th November 1974

Ref. No. LDH/C/189/74-75.—Whereas, I. C. P. Singh. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the competent authority under section 269B

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Piece of land at Barewal Awana situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana City in April, 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Maj. Avtar Singh S/o Sardar Bahadur Capt. Jaswant Singh S/o S. Jagat Singh, R/o (Khewatdar Barewal Awana) 238, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Nachhatar Singh, ii. Sh. Surjit Singh, Jile Sh. Daljit Singh Ss/o Sh. Jagir Singh S/o S. Hazara Singh R/o. Fatch Pur Awana Tehsil, Ludhiara. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bighas 16 biswas, Khewat No. 268, Khatauni No. 279, Khasra No. 261, situated at Village Barewal Awana, Tehsil and District Ludhiana.

> G. P. SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh,

Date2, 15th November 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lalmuni Devi w/o Srl B. P. Tiwari (Proprietor), Tiwari Brick Field at & P.O.—Nilganj Bazar, 24-Parganas (W.B.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 31st October 1974

No. III-90/Acq/74-75/1048.—Whereas I, J. Nath, pecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquir Ins-A cquisition Range, Patna,

being the Competent Authority under section 269D of the

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as described in sale deed No. 5152/1112(1) situated at Manpura (Rivilgau) Saran, (and more fully described in the Schedule aunexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Saran or 20-14-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Sail Kumari Devi w/o Sri Sidhnath Pandey, and Smt. Janki Devi w/o Sri Kamta Tiwari at Manpra, P.O. Kopa, Dt. Soran.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring an area of about 8 Bighas at manpura and Biramparsa, P.S.—Rivilganj, Dt. Saran as shown in deed No. 5152/1112(1) dated 20-4-1974.

J. NATH

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna

Date: 31-10-1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27 the 28th November 1974

No. C.R. 62/2587/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I.R. Krishnamoorthy inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 450, 20th B Cross, situated at III Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jayanagar, Bangalore-11 Document No. 347 on 24-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri A. S. Paudit, S/o S P. Pandit, C/o M/s. A. S. Pandit & Co., No. 938 Nagarthpet Bangalore, (Transferor)

- (2) Shri L. Chandra, 8/o B. S. Lulithangsdev No. 450, 20th B Cross, III Block, Javanagar, Bangπiore. (Transferce)
- (3) Shri B S, Laithangadeva. [Person(s) in occupation of the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 450 20th B Cross III Block, Jayanagar, Bangalore-11.

E.W. 60'

N.S. 40'

Total area of the site: 2400 sq. ft.

Boundaries ·-

E: House No. 452 of Di M Appaji

W: 20th B Cross Road

N: House No. 449 of Sci Krishnamurthy

S: Site No. 451 (Corner site)

Document No. 347/74-75 dt. 24-4-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 28 11-1974.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND PATEL MARG, PATNA-1

Patna, the 3rd December 1974

No. III-93/Acq/74-75/1358.—Whereas I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna,

being the Competent Authority under section

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and beaving

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W No. 5, Holding No. 22 Plot No. 309 as per deed No. 5117, 5118, 5119 situated at Purnea Town,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-4-1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Bishwanath Ghosh, S/o Sri Satya Charan Ghosh, at Mangal Bazar P.O. Katihar, Dist. Katihar.

(Transferor)

(2) Sri Sagarmal Bajaj, at Gulabbagh, Punea, Sri Gorakhnath Tewary, Sri Loknath Tewary, Sri Brahmadeva Shukla Sri Bilendmal, Sri Pritamdas, Sri Ramesh Chandra, all of Sipahi Tola Dt./P.O. Purnea. Smt. Mohini Devi w/o Sri Keshavmal at Navratan P.O./Dt. Purnea and Sri Khandarimal at Khuskibagh P.O./Dt. Purnea.

(Transferee)

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for heating the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferer of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 25 kathas bearing H No. 22, Cr. No. 5, Plot No. 309 situated on the N.H.W-31 in Purner town as stated in deeds No. 5117, 5118 & 5119 dated 29-4-1974.

J. NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Patna

Date: 3/12-19/4

(1) Shri Harlshchand Misra and others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharda Devi and others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1974

Ref. No. 38-S/ACQ.—Whereas, I. Bishambhar Nath, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. nil situated at Mohalla Mirza Pur Ahata Batia (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred,

nas per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gorakhpur on 20-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by purposes of the Indian transferee for the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) Or Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 169D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house and plot situated at Mohalla Mirza Pur Ahafa Batia, Distt. Gorakhpur.

> BISHAMBHAR NATH. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 12-11-1974

Sen1:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 22nd October 1974

No. RAC, No. 37/74/75.—Whereas, I, S. Balasubra-

maniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20-12 situated at Balani Nagar, Bit-II Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at tering Officer at

Nellore on 25-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

 Sri Varanasi Gangadhar Sarma, S/o Sri Janavada Village, Kovvur Tq. Nellore-Dlat. S/o Sri Sivalah, (Transferor)

(2) Sri Pydi Venkyaya, R/o Purini Villaga, Kovvur Tq. Nellore, Dist.

(Transferée)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property. No. 20-12 Balji Nagar, Nellore Bit-II Panchayat Nellore-2, 46 ankanams or 3,212 Sq. Ft.

> S. BALASUBRAMANIAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 22-10-1974

(Seal):

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1974

No. RAC. No. 57/74/75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-3-189 to 193 situated at Nirchi Galli, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 27-4-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incofe-tax Ait, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Srl Narsagoud, \$/o Narsagoud, R/o Zumenat Bazar, Nizamabad,

(Transferor)

(2) Sri Senshetty, Venkat Rajam, S/o S. Gandah, No. 47 Bagbani Galli, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 7-3-189 to 7-3-193 and 7-3-199/3 and to 7-3-199/7 at Mirchi compound Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-12-1974

(Seal):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERARAD

Hyderabad, the 9th December 1974

No. RAC.No. 58/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 7-3-187 & 188 & 199/8 & 9 situated at Mirchi Compound Nizamabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamabad on 27-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Narsagoud. S/o Narsagoud. R/o Weekly Bazar, Nizamabad. (Transferor)
- (2) Smt. Senshetty, Savithramma, W/o S. Venkatarajam, R/o Bajban Galli, Nizamabad.
 (Transferce)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 7-3-187 and 188 and 7-3-199/8 & 9 at Mirchi compound Nizamabad. Area 200 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9 [2-1974] Seal :

21-406GI/74

(2) Platinum Jubilee Investments Limited, Kheja Jamatkhana Compound, Khadak, Bombay-9, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY-20

Bombay-20, the 28th August 1974

No. AP-177/I.A.C., AR-IV/74-75.—Whereas, I,G. S. Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 7/4, 26/226/5, 28/13, 29/1, 30/2, 30/, 30/6, 30/7, 31/1, 31/3 situe ed at Bandivali (and more fully described in the Schedule annexed heretc), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1938 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property at I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been trily stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Fakruddin Bac'ruddin, & others, Prince Chamber, 4th Floor, Opp. P.O. Colaba, Bombay-5.
 (Transferor) (4) Smt, Mrs. Olive Miranda & Ors, C/o Mr. Clause Miranda (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or n period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed; and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pieces of land in village Bandivli bearing Survey Nos. 7/4 26/2, 26/5, 28/13, 29/1, 30/2, 30/4, 30/6, 30/7, 31/1 & 31/3 admensuring 7 Acres and 1.½ Gunthas.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 28th August 1974 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 2363/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I, R. Krishramootthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing. Site No. 7 situated at II Stage, Rajajinagar Bangalore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Rajajinagar, Bangalore. Document No. 80 on 4-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 to the following persons, namely:—

- Shii Boraiah, S/o Late Sipoy Boraiah, Docr No. M-5, Lakshminarayanapur, III Cross, Srirampuram Bangalore-21. (Transferor)
- (2) Shri Subbappa, S/o Murgugesh Mudaliar, D No.
 8 Saibabanagar, I Cross Srirampuram, Bangalore-21.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified hat every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site No. 7. in Bangalore City Corporation 3rd Division. Rajajinagar, II Stage (Kothmanhalli Survey No. 81) measuring 45' × 100'—transferred under Document No. 80/74-75 in the Office of the Sub-Registrar Rajajinagar, Bangalore-10.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range.
Bangalore.

Date: 30-11-1974.

Scal •

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangaloic-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/2364/74-75/ΛCQ.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 6, II Stage, Rajajinagar, Bangalore situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajajinagai, Bangalore, Document No. 81 on 4-4-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for inlitating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Boraiah, S/o Late Sipoy Boraiah, Door No. M-5, Lakshminarayanapura, III Cross Shirampuram Bangalore-21. (Transferor)

(2) Shri M. Cangadharam Do. No. 9, Laxminarayanapur Srirampur, Bangalore-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site No. 6 situated in Bangalore City Corporation 3rd Division, Rajajinagar, II Stage, Bangalore-10. Site atea $45^{\circ} \times 100^{\circ} - 4500$ sq. ft

Coveted by document No. 81/74-75 registered in the Office of the Sub-Registrar, Rajajingar, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range
Bangalore.

Date: 30-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/2365/74-75/ACQ.(B).—Whereas, 1, R Krishnamoorthy Inspecting Assis,ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore-27.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

S. 3 & 4 III Stage, Rajajinagar, Bangalore, Corporation 3rd Division, situated at Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajajinagar, Bangalore-10. Document No. 82 on 4-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri T. Lingiah S/o Late Sepoy Boraiah, Door No. M-5_ Lakshminarayangur III Cross, Sriramapuram. Bangalore-21. (Transferor)
- (2) Kumari A. Eswari, D/O C. Arunachalam, D. No. 34. II Cross, Sai Baba Magar, Srirampuram, Bangalore, 21

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site Nos. 3 and 4 in III Stage, Rajajinagar, Bangalore, Corporation Division No. 3, Bangalore, measuring $60^{\circ}\times 90^{\circ}$, registered in the Sub-Registrar's Office at Rajajinagar, Bangalore, as document No. 82 dated 4-4-1974.

R KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range
Bangalore.

Date: 30-11-1974.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TIII- INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/2366/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoothy Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1 & 2 III Stage, Rajajinagar, situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar, Bangalore on 4-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. Lingaiah S/o late Sepoy Boraiah, Door ,₩o. M-5, Lakshminarayanpur III Cross, Srirampuram, Bangalore-21. (Transferor)
- (2) Shri A. Panchakcharam S/O Armugam No. 16/1, Okalipur Bangalore, (Transferee)

Objection, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site Nos. 1 & 2 III Stage. Rajajinagar, Bangalore City Corporation 3rd Division, measuring $60^{\circ} \times 90^{\circ}$ as per registered document. No $83\sqrt{14-75}$ dated 4-4-1974 in the Office of the Sub-Registrar, Rajajinagar, Bangalore,

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 30-11-1974.

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OΓ 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/2401/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Δct , 1961 (43 of 1961), have

reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/· and bearing Survey Nos. 29, 30, 31 & 34, Koudenahally, Krishnarajapuram Hobli, situated at Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeling Officer at

Bangalore South Taluk Doc. No 252 Bangalore on Fortnight ended 15-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shii Abdul Aziz Krishnarajanuram, Bangalore South Taluk, Bangalore Oist ict. (Transferor)
- (2) Shri M. Krishnayya Fuel Depot, Hanumanthapura, H Main Road, Srirampuram, Bangalore-21. (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any othe person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Survey Nos. 29, 30, 31 and 34. Koudenahally, Krishnarajapuram, Hobli, Bangalore South Taluk.

$$30' \times 40' = 21$$
 sites.
 $40' \times 40' = 2$ sites.

$$35' \times 35' = 4$$
 sites.

Small sites = 6 sites,

$$\frac{40' \times \frac{75' + 66'}{2}}{2} = 1 \text{ Site.}$$

$$\frac{56' + 62'}{2} \times \frac{66' + 20'}{2}$$
 1 Site.

Document No. 252/74-75.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bangatore,

Date: 30-11-1974.

Şeal •

 Shri T. B. Byanna, S/o Sii Venkatappa, 200, Sahramanayapuram, Bangaloic-10, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri C. Kanna Reddy, S/o Chinnappa Reddy, 83, IV Block Jayanagar, Bangalore-10 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/2425/74/75/ACQ (B).—Whereas, I R. Kgishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax. Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25.000/- and bearing No.

1 acre 11 guntas in Survey No. 86/7, of Yeshwanthpur Village Bangalore North Taluk situated at Yeshwanthapur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajajinagar. Bangalore, Document No. 648 on 29-4-1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (7) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One acre and eleven guntas of lands in Survey No. 86/7, of Yeshwantanur Village, Bangalore North Taluk—registered under document No. 648 dt. 29-4 1974 in the Sub-Registrar's Office, Rajajinagar, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 30-11-1974.

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX_ ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th Nevember 1971

No. C. R. 62/2426/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 155, 156 and 59 situated at old Santhepet Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore (gazetted) Document No. 337 on 24-4-74

Mysore (gazetted) Document No. 337 on 24-4-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) (i) Shrimati G. V. Vimala (ii) G. V. Padmakumar (iii) Kamala (iv) Nirmala (v) Swarna (vi) Sushela (vii) Kisor (viii) Veenadevi, 43. Jayalaxmipuram, Mysore (Transferor)

- (2) M/s K. Naganna & Sons, represented by K. Naganna, K. N. Malikarjuna, K. N. Nagaraju, 439 old Santhepet. Mysore-1. (Transferee)
- (3) M/s (i) R Ramaswamy. (ii) Abdulla [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop premises bearing Nos, 155 156 and 59 in old Santhepet. Mysore. (Registered as document No. 337/74-75 pages 121 to 125 Vol. 2940 Book I of Headquarters, sub-registrar, Mysore (gazetted)

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-11-1974

Seal ·

22-406GT/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C. R 62/2462/74-75/ACQ.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10/29, Crescent Road (Race Course Road Cross) situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gandhinagar, Bangalore on 25-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghavendra Rao Purnalya, No. 10, Crescent Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri H. Venkataswamappa No. 160, Cubbonpet Bangalore (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fix d, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land bearing No. 10/29, Crescent Road, Race Course Road Cross, Bangalore, measuring 105' + 116' × 40' + 49' covered by

2 Document No 421/74-75 dated 25-4-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

2

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-11-1974

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C. R. 62/2480/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 108, situated at

Deevan surappa lane, Chickpet, Bangalore.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore (Document No. 139 of 74-75) on April 1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person namely :-

- (1) Gajrabai, w/o late Sri Kasturchand Kundanmal
 - (ii) Smt. Gujrabal, w/o Sri K. Pukhraj Jain,
 - (iii) Sri K. Pukhraj Jain, 108, Deevan Surappa Lane, Chickpet, Bangalore. (Transferor)

(2) Shri Kaluram Mutha, s/o Shri Achaldas Mutha, Beawar, Rajasthan.

(Transferee)

- *(3) M/s. Mohendra Kumar Lalithkumar & Co.,
 - (2) Madanlal Bhormal & Co.,
 - (3) Plastic Sales Corporation.
 - (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three shops comprised in Municipal No. 108, situated in Deevan Surappa Lane, Chickpet, Bangalore.

(1) Shop in the possession of Sri Madanlal Bhormal & Co. as a tenant.

East: Open passage and Kundan Market.

West: Property of Vendors.
North: Shop sold to Sundedevi Mutha,
South: Shop sold to Vendee.

(ii) Shop in the possession of Mahendra Kumar Lalithkumar & Co., at a tenant.

East. Open passage.

West: Property sold to P. Mutha. North; Shop sold to Vendee. (1)

(iii) Shop tenanted by M/s. Plastic Sale Corporation.
 East: Open passage.
 West: Property sold to Pu Mutha.

North: Shop sold to Vendee (2).

South: Mamulpet Road.

Document No. 139, dated 8th April 1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date . 30-11-1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C. R. 62/2481/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 108 situated at Dewan Surappe Lane, Chickpet, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer at Gandhinagar, Bangalore (Document No. 140/74-75) on April 1974, for an apparent consideration which is less than the

fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

therefore, in nursuance of section, 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) tq the following persons, namely :--

- (i) Gajrabai w/o Late Sri Kasturchand Kundanmal,
- (ii) Smt. Gajrabai, w/o Sri K. Pukhraj Jain
- (iii) Shri K. Pukhraj Jain, No. 108, Dewan Surappa Lane, Chickpet, Bangalore. Transferor

(2) Shrimati Sundara Devi Mutha, w/o Sri Kalugam Mutha, Beawar, Rajasthan,

(Transferee)

(3) I. M/s. Prakash Trading Corporation(2) M/s. Nemi Kumar & Co.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops comprising in Municipal No. 108 in Dewan Surappa Lane, Chickpet, Bangalore, Document No.140 dated 7th April 1974.

(1) Shop in possession of M/s, Prakash Trading Co. as a Tenant; boundries of which are:

East: Open passage and Kundan Market
West: Property of Vendors.

North: Road South: Shop sold to Vendee

(2) Shop in the possession of Shri J. Nemikumar as a

East: Open passage and Kundan Market.

West: Property of Vendors. North: Shop sold to Vendee

South: Shop sold to Kaluram Mutha

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-11-1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th November 1974

C. R. 62/2482/74-75/ACQ(B).—Whereas, Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108 situated at Deevan Surappa Lane, Chickpet, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed the English Registration Act, 1908, (16 of 1908) under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 141/74-75 on April

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income acising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

- (1) (i) Shrimati Gajrabai wife of late Sri Kasturchand Kundanmal.
 - (ii) Shrimati Gajrabai, wife of Sri K. Pukhraj Jain,
 - (iii) Sri K. Pukhraj Jain, 108. Deevan Surappa Lane, Chickpet Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Premehand Mutha, s/o Sri Nemichand Mutha, P.O. Beawar, Rajasthan.

(Transferce)

- (3) (1) M5s. Mithalal Sampathraj & Co.
 - (2) Sri Kisturchand Kundanmal.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops comprised in Municipal No. 108 (Old No. 30 situated in Deexan Surappa Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(1) Shop in the possession as tenant by Mithalal Sam-Pathraj.
Fast: Shop sold to Sri K. Kaluram Mutha.
West: Shop No. 2, sold to Vendee.
North: Property of Vendor.
South: Mamulret Road.

(2) Shop No. 2 in the possession of Sri K. P. Jain as a tenant.

East: Shop sold to Vendee No. 1.

West: Property of Vendor.

North: Property of Vendors.

South: Mamulpet Road. Document No. 141 of 1974-75 dated 8-4-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-Tax, Acquisition Range,

Bangalore

Date: 30-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ACQUISITION RANCE, BANGALORE-27

Bangalore-27, dated 30th November 1974

No. C. R. 62/2362/74-75/ACQ.(B).--Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Plot C. 1, bearing No. 5A/3 and New No. 18 situated at Ulsoor Road, Bangalore together with buildings standing thereon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore,

Document No. 114/74-75 on April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income OΓ any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the ригрозея of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely :---

(1) Shrimati Sakuntala, w/o Sri M. T. Subratnam, "Deep Mala", 700-A, 4th Road, Parsi Colony, Bombay-14. (Transferor)

(2) Shrimati V. U. Vasantha w/o Sri V. S. Umapathi, Plot No. 28, C. Extension Angolmal, Tilakwadi, Belgaum.

(Transferee)

*(3) Shri R. C. Puri (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

*(Strike off where not applicable).

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable proshall be given perty will be fixed and notice thereof to every person who has made such objection, the transferee of the property,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot C. I bearing old No. 5A/3, New No. 18, on Ulsoor Road, Banga ore together with buildings standing thereon-(Chiswick)

BOUNDARIES:

North: Plot D belonging to Smt. Kanagammal

South: Approach Road to Plot C2—16' wide, East: Plot 62 of Smt, Susheela West: New Road 25' wide. (Document No. 114/74-75).

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-11-1974.

(1) Smt. Jai Rani Devi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. LUCKNOW

Lucknow, dated 25th November 1974

Rof. No. 42-S/ACQ.—Whereas, I. Bishambhar Nath, I.A.C.. Acquisition Range, Lucknow

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mauja Adil Nagar, Distt. Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office at Lucknow on 16-4-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) M/s, Sahu Investment Co,

Transferec

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 13 Bigbas in situated at Mauja Adil Nagar, in Distt. Lucknow.

> BISHAMBHAR NATH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 25-11-1974

(1) Kunwar Jit Singh and others

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ravinder Kumar

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, dated 12th November 1974

Ref. No. 28-R/Acq.Whereas, I, Bishambhar Nath. I.A.C.. Acquisition Range, Lucknow

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at Vill. Danpar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amroha on 10-4-1974

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A garden of Kalmi Mango measuring 10.56 acres situated at Vill. Danpar Dist. Allahabad,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 12-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, dated 30th November 1974

No. C. R. 62/2555-A/74-75/ACQ.B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 213, IV Main Road, Chamarajpet situated at Bangalore (and more fully described in the

Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi, Bangalore-4. Document No. 661 on 15th May 1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--23-406GI/74

(1) Shri K. R. Panduranga Setty 127, Rama Nilaya, Vasavi Temple St. Visveswarapuram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Y. C. Channarasappa 47/1, V. Main Road Chamrajpet, Bangalore,

(Transferce)

*(3) Shri M. V. Venkataramiah Setty. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 195, New No. 213, Further New No. 230, IV Main Road, Chamarajpet, Bangalore (E. W. 30'XNS 108').

East: Settara Sangappa's property West: M. S. Nanjundiah's property North: Conservancy Lane South: IV Main Chamrajpet

(Document No. 661/74-75, dated 15-5-1974)

R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore,

Date: 30-11-1974, Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Lucknow, dated 27th November 1974

Ref. No. 14-J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 153 situated at Mohalla, Beharipur Dhol, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been

transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 3-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferre as agreed to between the transferor (s) and the transferer with the object of in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Smt. Girja Devi Saxena

(Transferor)

(2) Jammuna Devi and others

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the samo meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 200 Sq. yds. situated at Mohalla Beharl Pur Dhol Bareilly consulting of as under.

- Ground floor (1st Floor)-Three rooms and one drawing room, one kitchen, two latrines and one bathroom.
- (2) 1st Floor (upper floor) Three rooms, one latrine bathroom and one Store.

BISHAMBHAR NATH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 27-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, dated 15th October 1974

Ref. No. BGR/4/74-75, --- Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acffusition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/5th share in Plot No. 15-A, situated at New Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ballabgarh in April, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Amar Kaur, w/o Shri Ram Lal, C-2/11, Peeti Farm Jagadhri.

(Transferor)

(2) Smt. Malti Diwan, w/o Dr. S. P. Diwan, 1007, Sector 27-B, Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share out of Plot No. 15. Block 'A', Model Town, Sector 11, near Holiday-Inn on main Delhi Ma'hura Road and Opposite Gedore Factory measuring 5219 sq. yds.

East: Vacant Plot No. 17-A & 19-A.

West: Road.

North: Vacant Plot No. 13-A.

South: Road,

G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assista t Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 15-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, dated 30th October 1974

Ref. No. CHO/83/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

SCF No. 19, Vegetable Market, situated at Chandigath, Sector 26, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908(in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1967);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Gopal Sofat S/o Shri Ganda Ram, 1046. Sector 8-C, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) (i) Shri Inderjit Singh, S/o Shri Bachan Singh,
 - (ii) Smt. Amrit Kaur Gill, d/o Shri Pritam Singh Gill, C/o Shri Baktawar Singh, s/o Shri Pakhar Singh, Village & Post Office, Akhara, Tehsil Jagraon, District Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 19, Vegetable Market, Sector 26, Chandigarh.

G. P. SING'

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 30-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA

Poona: 411004, the 25th November 1974

Ref. No. C-A-5/Amalner/April '74/145/74-75.—Whereas, I. H. S. Aulakh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. (Gut) 1389 situated at Nanded, Tal. Amalner, Dist. Jalgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amalner on 5-4-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Abdul Rauf alias Rajabapu Abdul Karim Deshmukh, of Nanded, Tal. Amalner, Dist. Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Balmukund Nandalal Doshi, 11/17, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-8.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Farm at Nanded, Tal. Amalner, Dist. Jalgaon. S. No. (Gut) 1389. Area H. 4 R. 29 i.e., Acres 10 Gunthas 29.

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 25-11-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, POONA

Poona: 411004, the 25th November 1974

Ref. No. C-A-5/Amainer /April '74/146/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 15, situated at Amainer, Dist. Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amalner on 10-4-74

for a_n apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Ananda Nimba Chaudhari of Amaluer, Dist, Jalgaon.

(Transferor)

- (2) (a) Shri Vinayak Bhaskar Shinde.
 - (b) Fakira Bhaskar Shinde minor Guardian Smt. Salunkabai, W/o Bhaskar Shinde of Amalner, Dist. Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 15 of Amalner, Dist. Jalgaon. Area—Acres 7 Gunthas 12.

H. S. AULAKH,
Competent Authority
sissioner of Incomestar

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 25-11-74.

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411004, the 2nd December 1974

Ref. No. C.A./5/April/74/Shevagaon/147 of 74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 19/2, 19/3 situated at Varur Khurd, Tehsil Shevagaon, Dist. Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shevagaon on 18-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Javharchand Nanakchand Ahuja, At Shevagaon, Tahasil Shevagaon, Dist. Ahmednagar, At present: --82, Gandhi Market, Kings Circle, Bombay-22,

(Transferor)

(2) Shri Uttam Ganpat Tiwari. At Shevagaon, Tahsil Shevagaon, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Village Varur Khurd, Tahasil Shevagaon, Dist. Ahmednagar.

Survey No. 19/3 Area—7 Acres, 19 Gunthas including the right in the well water.

Survey No. 19/3 Area—7 Acres 19 Gunthas including the right in the well water, Free-hold.

H. S. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 2-12-1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PÕONA

Poona: 411004, the 6th December 1974

Ref. No. CA/5/April/74/Sholapur/149/74-75.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 273/4, 275/1, 275/2, 276/2, Plot Nos. 1, 3 & 4 situated at Sholapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sholapur on 24-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahesh Textile Processors Partner; Shri K. R. Rathi, Industrial Estate, Sholapur, (Transferor)
- (2) Shri Sai baba Cotton Waste Spinning Mill Partner; —Shri P. R. Rathi, Industrial Estate, Sholapur.

(Transferee)

- (3) As at S.No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made buch objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Land, Survey Nos. 273/4, 275/1, 275/2, 276/2, Plot Nos. 1, 3 & 4 at Sholapur.

Area—4350.22 sq. meters.

Building built up area—14,000 Sq. Feet.

Built 3 years back.

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 6-12-1974,

Free-hold.

(1) Smt. Sayeeda Tai

(Transfaree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Seanti Devi

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, dated 21st November 1974

Ref. No. 39-5/Acq.—Whereas, 1 Bishambhr Nath I.A.C.,

Viguisition Range, Lucknow

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. B-39 situated at T. G. North Chand Ganj Housing Scheme (Ni.ala Nagar) Lucknow, (and more fully described in the Schedule content of the Schedule cont

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 24-4-1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose; of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

24-406 GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULU

A plot No. B-39 measuring 11361 sq. ft. situated at T. G. North Chand Nagar Housing Scheme (Nirala Nagar) Lucknow

> BESHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 21-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE

Bangalore-27, the 30th November 1974

No. C.R. 62/2586/74-75/ACQ.(B).—Whereas, L. R. K. Shnamoorthy. Inspecting Assis.ant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1350 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Walkeshwar Rd., Malabar Hill more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering No. Survey 20, 21, and 44/1. situated at Bandpura Village, Bidarahalli Hobil, Hosakote Taluk (and sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri D. R. Madhava Rao (2) Shri D. R. Govinda Rao (3) Shri D. R. Jaganna ha Rao by P.A. Holder D. R. Govinda Rao, 63. South Cross Road, Bangalore-4. (Transferor)
- (2) Shri N. Muddappa S/o M. Narasimhiah, 1649, Nagappa Block. Srirampuram, Bangalore-21. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Survey No. 20, 4 acres 25 guntas S. No. 21, 5 acres 23 guntas S. No. 44/1, 3 acres 31 guntas, in Bandapura Village, Bidarahalli Hoble, Hosakote Taluk (Document No. 416/24-4-1974)

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 30-11-1974.

Seal ·

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **AMRITSAR**

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1378/74-75.--Whereas, I, V. R.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe, that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1082

April, 1974, situated at Garha Road, Jullundur,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income.tax Act, 1922 (11 of 1922) or the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby Initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Smt. Basant Kaur w/o Sadhu Singh s/o Ram Singh r/o Bhaura District Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Resham Singh s70 Gurbaksh Singh s/0 Attar Sirgh r/0 Baharwal Teh. Nawan Shehar. (Trasnforce)
- (a) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Propertyl.
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1082 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date 28-11-1974.

Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B RANGE.

Chandigarh, dated 26th October 1974

Ref. No. LDH/C/391/74-75.—Whereas, I. G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-XIX/552P, Samitri Road situated Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in May, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transeror to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1916) in respect of any Income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- (1) Shri Ashok Kumar, s/o Shri Sita Ram, Resident of Samitri Road, Civil Lines, Ludhiana.
- (2) S. S. Jain Sabha Registered, Civil Lives, Ludhiana.C/o Shri Ram Raksh Paul, Cashier, 428-College Road, Civil Lines, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the (b) by any Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shad have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. B-XIX/552P, Samitri Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Proporty as mentioned in the Registered Deed No. 1652 of May, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana City).

> G. P. SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range, Chandigarh.

Date . 26-10-1974

FORM INTS---

(2) Smt, Asha Rani and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW Lucknow, dated 26th November 1974

Ref. No. 30-A/Acq.—Whoreas, I, Bishambhar Nath, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

being the competent authority under section 269D of the Income-tax \ct, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. nil situated at Alamgir Gani.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Offices

at Bateilly on 24-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rate market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: -

(1) Vijay Bahadur and others

Date . 26-11-1974

(Transferor) Sea. :

may be made in writing to the undersigned '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica ion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 250 eq. yds. situated at Alamgir Gani. Bareilly

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

FORM LT.N.S-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rajiv Kamal Industries, Bailly Road, Patne-1. Partners:—Sri Kamal Kumar Lohiya, Srl V. K. Shukla, Smt. Radha Lohiya and Smt. Prakash I ohiya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OPTICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE PATNA-1

Patna-1, the 31st October 1974

No III-92/Acq/74-75/1054.—Whereas I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thana No. 23, Khasa No. 42 Plot No. 116 situated at Mainpura, Danapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Patna on 19-4-1974, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) Smt. Surındra Kaur w/o Sri Piyara Singh Kapkarbagh Road, Patna-20.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land 2 Bigha 8 Katha 16 Dhur at Manipura, P.S. Phulwari Dt. Patna, Tanzi No. 18592. Thana No. 23. Khata No. 42 Plot No. 116.

> Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Patna

J. NATH

Date: 31-10-1974

(Transferor) Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 26th October 1974

Ref. No. LDH/C/230/74-75.—Whereas, I, G. P. Sinch. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. B-XIX/552P, Samitri Road, situated at Ludhiana (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transrespect of any income fer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

Shri Ashok Kumar, 5/0 Shri Sita Ram, Resident of Samitri Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. S. Jain Sabha Registered, Civil Lines, Ludhiana,C/o Shri Ram Paksh Paul, Cashier, 428-College 428-College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Plot No. 17, Agarsen Nagar, Bijasani Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning given as in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. B-XIX-552P, Samitri Road, Civil Lines, بـudhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1009 of April, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana City)

G. P. SINGH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Chandigarh

Date: 26-10-1974.

Scal;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, dated 30th November 1974

Ref No. 21-M/Acq. Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C Acquisition Range, Lucknow

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at Village Baragaona, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Lucknow on 5-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor's) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s U. P. Financial Corporation

(Transferor)

(2) M/s. Mirra Farms. Pvt 1td.

(Transferee)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons which-

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 11,887 sft is situated at Village—Baragaona in Disti Lucknow

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-11-1974

(1) Shri Baram Din and others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Saligram Dewedi and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, dated 12th November 1974

Ref. No. 37-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

being the Competent Authority under Section

269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Old No. 651 New No. 1071 situated at Mohalla Daryabad

No. Old No. 651 New No. 1071 situated at Mohalla Daryabad (and more fully described in the Schedule annexed here-

to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 8-4-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

25—4066GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated at Mohalla Daryabao, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 12-11-1974.

FORM ITNS----

(2) Shri Mangal Prasad and others.

Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 12th November 1974

Ref. No. 30-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

section being the Competent Authority under of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. situated at Mohalla Rizve Khan Jaunpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaunpur on 9-4-1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely: -

(1) Smt. Ghani Devi and others.

Transferor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

further notified that every person to It is hereby whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A three storeyed house situated at Mohalla Rizve Khan Jaunpur.

> BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Income Tax, Acquisition Range, Lucknow. Income Tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 12-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 15th October 1974

Ref. No BGR/5/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5th share in Plot No. 15-A situated at New Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ballabhgarh in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Harkishan Lal, s/o Shri Mehar Chand, 358, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shii Hans Raj, s/o Shii Raunak Ram, Village & Post Office Munuk, District Sangrur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th shate out of Plot No. 15. Block 'A', Model Town, Sector 11. near Holiday-Inn on main Delhi Mathura Road, and opposite Gedore Factory, New Faridabad. (measuring 5219 sq. yds.)

Eas: —Vacant Plot No. 17-A & 19-A West: —Road.

North ·--Vacant Plot No. 13-A.

South :---Road

G. P. SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Chandigarh.

Date: 15-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 15th November 1974

Ref. No. LDH/C/392/74-75.—Whereas, 1 G. P. Singh being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Taraf Kara Bara, Teh. Ludhiana, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Offirer at Ludhiana in April, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Kara Afra, Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s New India Colonisers, 55-Bhadaur House, Ludhiana through Shri Bal Krishan, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby turther notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 kanal 1 maria at Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1045 of April, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana City.)

Khewat No. 1164, Khatauni No. 20, Killa No. 20. 5.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh,

Date . 11-12-1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE.

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-8.

Chandigarh, the 15th October 1974

Ref. No. BCR/2/74-75.—Whereas, I, G. P. Single Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/5th share of Plot No. 15, situated at New Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ballabhgarh in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the, transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shii H. L. Bakhshi, c/o Shri Dina Nath, K-107, Kalki Ji New Delhi. (Transferor)

('Transferor)

(2) Smt. Malti Diwan, w/o Dr. S. P. Diwan, 1007, Sector 27-B. Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLACATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share out of Plot No. 15 Block 'A', Model Town, Sector 11. Near Holiday-ton on main Delhi Mathura Road, and Opposite Gedote factory. New Faridabad. Total area of Plot is 5219 sq. yards.

East ---- Vacant plot No. 17-A & 19-A.

West :--Road.

North: -Vacant Plot No. 13-A.

South .-- Road.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range.
Chandigarh.

Date: 15-10-1974.

FORM INTS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP TAY ACQUISITION RANGE. CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigath, the 15th October 1974

Ref. No. BGF/3/74-75.—Whereas, 1, G.P. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigath,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market 25,000/- and bearing exceeding Rs. 1/5th shate in Plot No. 15 situated at New Faridabad and more fully described in the Schedule agnexed hereto). has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ballabhgath in April 1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough! to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have bee recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: --

- (1) Shii M. K. Jain, 8/0 Shii Fa'ch Chand, 5-4/4-A, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Malti Diwan, w/o Di S P Diwan, 1007, Sector 27-B, Chandigath

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later .
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share out of Plot No. 15, Black 'A', Model Town, Sector 11, Near Holiday-Inn on main Delhi Mathura Road and Opposite Gedore Factory, New Faridabad. Total area of plot is 5219 sq. yards.

East -- Vacant Plot No. 17-A & 19-A. West:-Road. North:-Vacent Plot No. 13-A.

South :-- Road

G. P. SINGH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range Chandigarh.

Date: 15-10-1974.

Scal -

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE.

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 11th November 1974

Ref. No. LDH/C/209/74-75.—Whereas, I. G. P.: Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-10, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in April, 1974

for an apparent consideration which

- is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following ptdsons namely:—

- (1) Dt. Avtar Singh S/o Dr. Raghbir Singh, Punjab Agricultural University Ludhiana, (Transferor)
- (2) Smt Manorama Sethi W/o Sh. Romesh Sethi, R/o 350 Hira Singh Road Ludhiana (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Plot No D-10, Sarabha Nagar, Ludhiana,

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range.
Chandigeth

Date: 11-11-1974.

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMLATAX ACT, 1961 (43 OI 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigath, the 6th November 1974

Ref. No CHD/84/74-75.—Whereas, I, G P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

H No 50 Sector 21-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908—(16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigath in April 74,

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt Sushila Devi Luthra W/o Sh. H. N. Luthra R/o, H No 89, Model Town, Yamungnagar, Distt, Ambala (Haryana) (Transferor)
- (2) Shi Amai Singh S/o Sh. Dalela Ram Now R/o H. No. 50 Sector 21-A, Chandigath (Transferee) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

JEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50, Sector 21-A. Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 6-11-1974.

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 29th November 1974

Ref. No 32RAcq/74-75.—Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C Acquisition Range Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Distt. Moradabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amroha on 27-4-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice 26-406 G1/74

under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shii Ram Bahadur & others, (Transferor)
- (2) Shri Ram Kishore & others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated at Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax. Acquisition Range,
Lucknow.

Dated : 29-11-74.

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1974

Ref. No. 41-S/Acq/74-75.—Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C., Acquisition Range Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

72 to 75 and 79 to 81 situated at village—Khaprar Distt

Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 4-4-1974

the Registering Officer at Naminal of 4-4-15/4, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfereor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Perey Roland Sherred. (Transferor)

(2) Smt. Shashi Prabha Deo & others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 359 Nali with one Quarter (Kucha) is situated at village—Khaprar in distt. Nalnital.

BIHAMBHAR NATH,
Comnetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 26-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th November 1974

BGR/5/74-75.--Whereas, I, G. P. Singh, Ref. No. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Kara Bara, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on Ludhiana in April, 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) heve been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

- (1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Taraf Kara Bara Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s New India Colonisers, Ludhiana through Shri Bal Krishan. (Transferee) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable perty will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection; and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanal at Kara Bara, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 755, of April, 1974 of the Registering Officer Ludhiana City.)

Khewat No. 1164 Khatauni No. 20 situated at Taraf 1265 16-25 Kara Bara, Tehsil and District Ludhlana,

> G. P. SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 15-11-1974.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

Chandigarh, the 15th October 1974

Ref. No. BGR/6/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/10th share in Plot No. 15-A situated at New Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in April 1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the atoresaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shti Baldev Raj Malhotra, s/o Shri Ram Lal, A-170, Defence Colony, New Della (Transferor)

(2) Shri Hans Raj, s/o Shri Ranauk Ram, 1007, Sector 27-B Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have at right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10th share in Plot No. 15 (area 5219 sq. yds.) Block 'A', Model Town, Sector 11, near Holiday-Inn on main Delhi Mathura Road, and opposite Gedore Factory, New Faridabad. East:—Vacant Plot No. 17-A & 19-A.

West :-Road.

North -- Vacant Plot No 13-A.

South :- Road.

C. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigath,

Date: 15-10-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANCE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st November 1974

Ref No. 29-A/Acq. -- Whereas, I, Bishambhar Nath I A C. Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-126-31/160-10 situated at B. N. Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Lucknow on 8-4-1974.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following personns, namely :-

- (1), Smt. Sarojini Mattoo. (Transferor)(2) Shri Abdul Qayyum & others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A house No. 126/31 situated at B. N. Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range Lucknow.

Date: 21-11-1974.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1974

Ref. No. 13-J/Acq/74-75.—Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C. Acquisition Range Lucknow being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. old No. 30-No. 16 Situated at Chowk Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 5-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Jank Kishore Devi.

(2) Shri Jagdish Pd. & others.

(Transferor)

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three storyed building old No. 30-No. 16 situated at Chowk Allahabad.

> BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range. Lucknow.

Date . 12-11-1974.

Scal: (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 10th October 1974

Ref. No. BGR/5/74-75,—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Factory Shed on Plot No. 56 Sector 6. N.I.T. situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ballabhgarh in April, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Pioneer Sports Works Pvt. Ltd., Jullundur. (Transferor)
- (2) Smf. Usha Mohindra W/o Sh. Brhum Sarup Mohindra R/o 5/120 Nation Hut, Railway Road, Faridabad, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Shed on Plot No 56, Sector 6, N.I.T. Faridabad. Bounded as under:—

North: Factory (Plot No. 57)

South: Road 100' (Beyond which Sector 4 Starts)

West: Factory (Plot No. 55)

East: Road 60'

G. P. SINGH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range
Chandigarh.

Date: 10-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 15th October 1974

Ref. No. BGR/5/74-75.—Whereas, J. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 68, in N.H. No. I situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Lal s/o Shri Chanan Ram, 15/52, Karql Bagh, New Delhi. (Fransferor)
- (2) Shri Jugal Kishore Bhatia s/o Shri Ishar Dass, 5-L/20-A, N.I.T., Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 68 in N.H. No. I, near Plot of M/s Kelvinator at Railway Road Faridabad.

East:—Vacant land. West:—Railway Road. North:—Plot No. 69.

South:—Plot No. 67.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax. Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 15-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chardigarh, the 16th October 1974

Ref. No. BGR/11/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Factory Building on Plot No. 347 & 348 Sector 24, Industrial Development Area situated at Faridabad

Development Area situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ballabhgarh in April, 1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore his market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore his market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore his property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore his property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore his property and the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore his property and the property and the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore his property and the property and the property and the property and the property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore his property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property and the property and the property as a foresaid exceeds the apparent consideration the property and the property and the property as a foresaid exceeds the property and the property a deration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under b-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshan Lal Gupta S/o Shri Chiman Lal Gupta. BH-4, N D S E II, New Delhi (Transferor) 27-406GI/74

(2) M/s Faridabad Spinning & Woollen Mills Pvt. Ltd.. 130. Cotton Street, Calcutta (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building on Plot No. 347 & 348 Sector 24. Industrial Development Area, Faridabad.

Boundaries as under East · Road 40' West: Plot 345 North: Plot No. 349 South · Road 100'

> G. P. SINGH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date: 15-10-1974

Seal .

79-B, Model Town Patiala. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 9th October 1974

Ref. No. CHD/97/74-75.-Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

S.C.O. No. 84-85 Sector 17-C, situated at Chandigarh (1

share) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the equisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Kashmiri Lal Gilhotra. Adopted son of Shri Kishore Chand of Fazilka. (Transferor)

Objections it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mrs. Rama Gupta, wife of Shri Lakshbir Gupta,

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 84-85 Sector 17-C, Chandigarh (} Share)

G. P. SINGH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range. Chandigarh

Date: 19-10-1974. Seal.

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 15th October 1974

Ref. No. SML/16/7474-75/.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated in Station Ward, situated at Chhota Simla,

(and more fully described in the sche-

dule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in April, 1974,

tor an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Narain Dass, s/o Shri Ramu, Village Vhullar, Tehsit !ubbal, District Simla.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Suresh Chand Bhalaik,
 - (ii) Shri Ramesh Chand Bhalaik, sons of Shri Ram Dyal Bhalaik, Village Mangsu, Tehsil Kumar Sain, Distt. Simla.
 - (iii) Shri Vinod Kumar Singha,
 - (iv) Shri Sushil Kumar Singha, sons of Shri Bhagat Singh Singha. Village Bhutti Tehsil Kumar Sair, Distt, Simla.
 - (v) Shri Satish Kumar Bhalaik,
 - (vi) Shri Sushil Kumar Bhalaik, sons of Shri Hari Chand Bhalaik, Village Bhutti, Tehsil Kumarsain, District Simla.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in station ward, Chhota Simla. Khasra No. 292, 293 and 294 measuring 1090 sq. yds. 35 sq. ft. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 214 of April, 1974 of the Registering Officer, Simla.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 15-10-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/AP-1361/74-75.--Whereas, I, V. R Sagar,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 of Kothi No. 1260 CL, G. T. Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 475 of April, 1974 situated at 1260 CL G. T. Road, Amritsar, (and more fully described in the

Schedule annexed heretc), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amatsar on April 1974 for an apparent consideration which is less than the tail beheve that the fair market value of the property as market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Shri Balwant Rai s/o Shri Gian Chand Nagpal, 139Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sulakhshana Aggarwal, w/o Shri Charanjiv Lal, 53 Daya Nand Nagar, Amritsar. Shri Kishori Lal, Ashok Kumar

(Transferce)

SS/o Jia Ram Khullar, 51 Kt. Sher Singh, Amritsar

- (3) As at S. No. above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi No. 1260C L G. I. Road, Amritsai as mentioned in the Registered Deed No. 475 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar (back side of the Kothi).

> V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

FORM INTS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/HSP/AP-1362/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar,

being the Competent Authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 13 of April, 1974 situated at V. Mehatpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachaur on April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(g) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transler; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any or any moneys or other assets whic income which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

(1) Shri Hakam Singh 5/0 Wazir Singh Saini. V. Mchatpur Teh. Balachaur, District Hoshiarpur

(2) Shri Piara Singh s/o Shri Ran Singh, s/o Shri Wazir Singh and Shri Kartar Singh s/o Shri Chajju s 'o Shri Raman of V. Mehatpur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferce of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULL

Land as mentioned in the Registered Deed No. 13 of April, 1974 of the Registering Authority, Balachaur.

> V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date . 28-11-1974

Seal:

('I tansleror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AD-1363/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No 68 of April, 1974 situated at V. Lidran, Jullundur, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullandur in April, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) S/ Shri Gian Singh, Puran Singh SS/o Harnam Singh, R/o V. Lidran and Shri Piara Singh s/o Bhagat Singh, Km. Banti, Santi and Chinti, Ds/o Shri Harnam Singh of V. Lidhran. (Jullundur).

(Transferor)

(2) Shri Harkishan Lal s/o Shri Brij Lal, s/o Shri Amin Chand, 452 New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferec)

- (3) As at S. No. above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 68 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1364/74-75.—Whereas, 1, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 147 of April, 1974 situated at Near Civil Hospital, Kapurthala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officera at Kapurthala in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating, proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the lncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Smt. Nirmal Satindra Singh, w/o Dr. Satindra Singh, d/o R. B. Dewan Sunder Dass Sud. s/o Late Harnam Dass, t/o Z7 Rajpur Road, Delhi-6
through Shri Shamsher Singh,
o R. B. Dewan Devi Singh,
c/o J. N. Singh & Co. (P) Ltd.,
r/o R.B. Parkash Chand Road, Amritaar (GA of the vandor),

(2) Shri Davinder Kumar Jaidka s/o L. Telu Ram, s/o Mehar Chand,

r/o Harnam Nagar, Kapurthala.

(Transferee)

(Transferors)

(3) As at S. No. above, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objec-

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 147 of April, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

> V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar,

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1365/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 423 of April, 1974 situated at Near Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), transferred deed registered has heen 88 per under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreea to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh Jabhal s/o Jagat Singh, 373/8, Central Town, Jullundur.

(Transferor)

 Shri Danesh Kumar s/o Raunki Ram and Shri Vijay Kumar s/o Telu Ram, partners Gopal Oil Mills,
 Nursary Road, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatic.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Land as mentioned in the Registered Deed No. 423 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 28-11-1974

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/PHL/AP-1366/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1 of April 1974 situated at V. Rurka Khurd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering O; cer at Phillaur in April 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
28—406GI/74

(1) Smt. Dalip Kaur Wd/o Bukan, r/o Goraya Teh. Phillaur.

(Transferors)

(2) Shri Karnail Singh s/o Joginder Singh, /o Lalian, Teh, Phillaur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1 of April, 1974 of the Registering Authority, Phillaur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974

(2) Gya Prashad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, LUCKNOW

Lucknow, dated 30th November 1974

Ref. No. 12-G/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

being the Competert Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mohalla, Bhadra Ganj, Badaun

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Badaun on 24-4-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Swada Hussain and others

(Transferor)

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated at Mohalla-Bhadra Ganj Distt. Badaun.

BISHAMBHAR NATH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Γαχ Acquisition Range-I Lucknow.

Date: 30-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1367/74-75.—Whereas, I, 'V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 691 of April, 1974 situated at Chahar Bagh, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Jullundur in April, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Kidar Nath s/o Shri Nihal Chand, s/o Shri Ganesh Dass, EJ 260 Chaher Bagh, Jullundur.

(Transferors)

(2) Shri Jagdish Sondhi s/o Shri Ram Lal Sondhi s/o Niamat Rai, ND, 84 Bikram Pura, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. above,
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. EJ-260 in Chahar Bagh, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 691 of April 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1375/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 657 of April, 1974, situated at Ram Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regitering Officer at

Jullundur in April 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay (ax under the Income-tax Act, 1961)
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. Doaba Builders (P) Ltd. Jullundur through Shri Sham Kumar Bhardwaj GA of Luxmi Devi w/o Prem Pal & Miran Devi w/o Sham Kumar c/o Sat Pal Pandit & Co., Property Dealers, Jullundur. (Transforor)

- (2) Joginder Kaur w/o Sohan Sirgh and Sohan Singh s/o Dehra Singh V & P.O. Jagat Pur Teh. Jullur (Transferce,
- (a) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 657 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1376/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 653 of April, 1974 situated at Kingran, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings tor the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---29-406G1/74

(1) Shri Gurbachan Singh Cheema s/o Jagat Singh Bhupinder Singh, Maninder Singh Jatinder Singh ss/o Gurbachan Singh c/o Shri Amarjeet Singh, Maraging Director, M/s Mid Land Finance (P) Ltd., Lally Building, G. T. Road, Jullundur.

('Transferors)

(2) M/s Mid Land Finance (P) Ltd., (through Shri Amarieet Singh, Managing Director) Lally Building, G.7. Road, Jullundur.

(Transferees)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 653 of April, 1974 of the Registering Authority, Juliundur,

> V. R. SAGAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Ircome Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th November 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1377/74-75.—Whereas, I, SAG.AR

being the competent authority under section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 656 of Apri 19/4 situated at Kingram, Jullundur,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-tering Officer at Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cons de ation for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acqu sition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby nltiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of ection 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to he sollowing persons, namely:-

(1) Shri Gurbachan Singh Cheema s/o Jagat Singh Bhu-pinder Singh, Manirder Singh Jatinder Sing hs/o Curbachan Singh c/o Shri Amarjeet Singh, Managing Building, G. T. Road, Jullurdur. (Transferors)

(2) M/s Mid Land Finance (P) Itd., (through Amatjeet Singh, Managing Director) Lally Building, G.T. Road, Jullundur.

(Trasnferee)

- (a) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Propertyl.
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 656 of April, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> V. R. SAGAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-11-1974.